07 मार्च 2025
शुक्रवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

समझौता हुआ तो ठीक नहीं तो सभी सीटों पर अकेले चुनाव लड़ सकती है कांग्रेस

2

हिंदू राष्ट्र की मांग सबसे पहले बिहार से उठेगी, हिंदुओं के लिए जीऊंगा और मरूंगा: धीरेंद्र शास्त्री

- हनुमंत कथा कहने गोपालगंज पहुंचे पंडित धीरेंद्र शास्त्री
- बोले- मेरे बिहार आने से कुछ लोगों को तकलीफ हो रही है, वे कहते हैं कि घेरेंगे, मारेंगे अरे, देश क्या तुम्हारे बाप का है?

केटी न्यूज/गोपालगंज

पंडित धीरेंद्र शास्त्री पांच दिन के बिहार दौरे पर हैं। गुरुवार को गोपालगंज में उनकी हनुमंत कथा का पहला दिन था। अपने प्रवचन के दौरान धीरेंद्र शास्त्री ने बिहार दौरे को लेकर विवादों पर खुलकर जवाब दिया। उन्होंने कहा, मेरे बिहार आने से कुछ लोगों को बहुत तकलीफ हो रही है। वे कहते हैं कि घेरेंगे, मारेंगे। अरे, तुम्हारे बाप का देश है क्या? यह रघुवर का देश है, बाबर का नहीं।

उन्होंने आगे कहा, बिहार हमारा है, जब तक जिंदा हूं, तब तक बिहार आऊंगा। अगर मुझे रोका गया तो यहां मठ बना लूंगा, घर बना लूंगा। अगर मार भी दिया गया तो अगले जन्म में फिर बिहार में जन्म लूंगा। अगर छेड़ोगे तो छोड़ूंगा नहीं। उन्होंने चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि वह बिना किसी डर के हिंदू राष्ट्र की बात करेंगे।धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, मैं किसी भी राजनीतिक पार्टी का प्रचारक नहीं हूं, बल्कि हिंदुत्व का विचारक हूं। यह राम का राष्ट्र है और यहां राम की कथा कोई नहीं रोक सकता। हिंदू

राष्ट्र की मांग सबसे पहले बिहार से उठेगी। जब तक शरीर में जान है, तब तक हिंदुओं के लिए जीऊंगा और मरूंगा। गोपालगंज आने से पहले, कुशीनगर में उन्होंने औरंगजेब विवाद को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा, यह इस देश का दुर्भाग्य है कि छत्रपति शिवाजी, छत्रपति संभाजी, महाराणा प्रताप और रानी लक्ष्मीबाई जैसे महान योद्धाओं के बावजूद औरंगजेब को आज भी महिमामंडित किया जाता है। उन्होंने कहा, समय बदल रहा है और धीरे-धीरे सब कुछ ठीक हो जाएगा। प्राचीन भारतीय संस्कृति का झंडा फिर से ऊंचा लहराएगा। मेरा दृढ़ विश्वास है कि भारत अनिवार्य रूप से हिंदू राष्ट्र बनेगा।

8 को लगेगा दिव्य दरबार

धीरेंद्र शास्त्री ने ऐलान किया कि 8 मार्च को गोपालगंज में दिव्य दरबार लगाया जाएगा, जिसमें श्रद्धालुओं की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा, यह दरबार सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि लोगों की आस्था और विश्वास का केंद्र होगा।

आरएसएस प्रमुख बोले... बिहार के लोगों में पुरुषार्थ की कोई कमी नहीं

सुपौल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक मोहन भागवत ने सुपौल के बीरपुर में विद्या भारती के नए स्कूल के लोकार्पण समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर उनका मिथिला की परंपरा के अनुसार पाग और शाल से स्वागत किया गया। इस दौरान विद्या भारती के छात्रों ने कई बेहतर प्रस्तुति दी। अपने संबोधन में भागवत ने बिहार और देश की सांस्कृतिक विरासत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि, यह देश विश्व का मार्गदर्शन कर सकता है। उन्होंने बिहार के लोगों की मेहनत और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि यहां के लोगों में पुरुषार्थ की कोई कमी

नहीं है। दशरथ मांझी का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि रास्ता बनाने के लिए उन्होंने पहाड़ को तोड़ दिया। दम रखने वाले लोग हम हैं। भागवत ने विद्या भारती से बच्चों को जोड़ने की अपील करते हुए इसे शिक्षा और संस्कार के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि आज मेरे लिए यह छठ जैसा पवित्र दिन है।

आरएसएस प्रमुख ने यह भी बताया कि उनका बिहार से गहरा नाता है और वे यहां 6 साल तक क्षेत्रीय प्रचारक के रूप में कार्य कर चुके हैं।उन्होंने कहा कि जब भी बिहार आता हूं, तो कई जगह जाने का मन करता है, लेकिन समय की कमी के कारण ऐसा संभव नहीं हो पाता, वहीं उनके आगमन पर छातापुर से स्थानीय विधायक सह पीएचडी मंत्री बिहार नीरज कुमार सिंह बबलू ने कहा कि संघ प्रमुख के सुपौल के वीरपुर की धरती पर आगमन इलाके के लिए सौभाग्य की बात है।

खबरें फटाफट

रील बनाते समय कार नहर में गिरी दो युवकों की मौत

गांधीनगर। गुजरात के अहमदाबाद में रील बनाते समय एक स्कॉर्पियों कार नहर में गिर गई और उसमें सवार तीन में से दो युवकों की मौत हो गई है और तीसरा लापता है। अहमदाबाद के वासना इलाके में फतेहवाड़ी नहर में बुधवार शाम को हुए हादसे का सीसीटीवी सामने आया है कि जिसमें तीनों दोस्त एक-दूसरे के कंधे पर हाथ रखे हुए दिख रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक युवाओं के एक समूह ने सोशल मीडिया कंटेंट बनाने के उद्देश्य से वस्त्रपुर में हिमालय मॉल के पास सेल्फ-ड्राइव रेंटल सर्विस से स्कॉर्पियो कार किराए पर ली थी। समूह में मौलिक रमेश भाई जालेरा, युग वयंत, यक्ष, विराजसिंह राठौड़, कृष दवे, ध्रुव, रुतायु और यश सोलंकी शामिल थे। वे शाम करीब 6:30 बजे भाठा नहर के पास पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यक्ष ने शुरू में कार को कुछ दूर तक चलाया। इसके बाद, यश सोलंकी, ने वाहन को नियंत्रित कर लिया। यू-टर्न लेने की कोशिश करते समय कार का रुख बदल गया और वह नहर में गिर गई। कार को पानी में गिरता देख विराजसिंह ने नहर में रस्सी फेंककर अपने तीन दोस्तों को बचाने का प्रयास किया। हालांकि, तेज बहाव के कारण तीनों बह गए।

गिरफ्तार संदिग्ध आरोपी लाजर मसीह ने पूछताछ के दौरान किया खुलासा

महाकुंभ को दहलाने की फिराक में था बब्बर खालसा का संदिग्ध आतंकी

- पुलिस की चौकसी के कारण पूरी तरह नाकाम रही संदिग्ध आतंकी की कोशिश
- घटना को अंजाम देने के लिए आरोपी ने ड्रोन के जरिये पाकिस्तान से मंगवाए थे खतरनाक हथियार

एजेंसी/लखनऊ

संदिग्ध आतंकी।

महाकुम्भ में एक आतंकी द्वारा बड़े ब्लास्ट की तैयारी थी। लेकिन यूपी पुलिस के कड़े पहरे के कारण वह इस आतंकी घटना को अंजाम देने में नाकाम रहा। इस घटना को अंजाम देने के लिए आरोपी ने ड्रोन के जरिये पाकिस्तान से खतरनाक हथियार भी मंगवाए थे। महाकुम्भ में घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी पुर्तगाल भाग जाने की फिराक में था। लेकिन पुलिस की चौकसी के कारण यह कोशिश पूरी तरह नाकाम रही। जिसके बाद वह छिपकर रह रहा था। पंजाब पुलिस और यूपी एसटीएफ को मिले इनपुट के बाद यूपी के कौशांबी जिले से बब्बर खालसा इंटरनेशनल (BKI) और ISI मॉड्यूल के सक्रिय आतंकवादी, पंजाब के अमृतसर निवासी लाजर मसीह को गिरफ्तार किया गया।

न्यूज एजेंसी एएनआई के अनुसार, गिरफ्तार आतंकवादी लाजर बब्बर खालसा इंटरनेशनल (BKI) के जर्मन-आधारित मॉड्यूल के प्रमुख स्वर्ण सिंह उर्फ जीवन फौजी के लिए काम करता है और पाकिस्तान स्थित ISI के गुर्गों के साथ सीधे संपर्क में है। यूपी एसटीएफ ने बताया कि आतंकी के पास से तीन सक्रिय हैंड ग्रेनेड, दो डेटोनेटर, 13 कारतूस और एक विदेशी पिस्तौल समेत अवैध हथियार और संदिग्ध विस्फोटक पदार्थ (सफेद रंग का पाउडर) बरामद हुआ है। इसके अलावा गाजियाबाद के पते वाला आधार कार्ड, एक मोबाइल फोन (बिना सिम कार्ड) मिला है।

डीजीपी प्रशांत कुमार ने बताया कि महाकुंभ में बब्बर खालसा का संदिग्ध आतंकी लाजर मसीह बड़ी घटना करने की तैयारी में था। गिरफ्तारी के बाद पूछताछ के दौरान लाजर ने बताया कि वह पाकिस्तान में बैठे तीन आईएसआई एजेंटों के सम्पर्क था। घटना करने के बाद संदिग्ध आतंकी लाजर की पुर्तगाल जाने की तैयारी थी। इसके कुछ साथी पुर्तगाल में रहते है। कौशाम्बी में गिरफ्तारी से पहले वह लखनऊ और कानपुर में छुपकर रहा था। पुलिस महानिदेशक ने गुरवार को पुलिस मुख्यालय में बताया कि महाकुंभ के पहले देश विदेश में बैठे खास लोगों से गड़बड़ी की सूचना यूपी पुलिस को मिली थी।

इसी क्रम में एक महत्वपूर्ण सफलता उत्तर प्रदेश एसटीएफ को बीती रात में मिली है। यह कार्रवाई यूपी एसटीएफ और पंजाब पुलिस के संयुक्त आपरेशन में की गयी। गाजियाबाद से फर्जी आधार कार्ड बनवाने वाले लाजर के बारें में पंजाब पुलिस की ओर से जानकारी मिली थी। प्रशांत कुमार ने बताया कि हीरोइन की तस्करी में आतंकी लाजर पंजाब की जेल में गया था। महाकुम्भ में दौरान यूपी पुलिस की चप्पे-चप्पे में पुलिसकर्मियों की तैनाती के कारण आतंकी लाजर बड़ी घटना करने की अपनी मंशा में सफल नहीं हो सका।

लाजर के खिलाफ बटाला शहर में दर्ज हैं कई केस

लाजर के खिलाफ पंजाब के बटाला शहर में कई केस दर्ज हैं। इनमें हत्या का प्रयास, फिरौती की मांग, नशा तस्करी आदि शामिल हैं। अपनी इन गतिविधियों के चलते कुछ महीने पहले लाजर मसीह पाकिस्तान में बैठे आतंकी हरविंदर सिंह रिंदा और अमेरिका में बैठे आतंकी स्वर्ण सिंह जीवन फौजी व हैप्पी पाशिया के संपर्क में आया था। इसके बाद इन आतंकियों के लिए काम करने लगा था। लाजर मसीह ने बीते कुछ महीनों के दौरान पंजाब के अलग-अलग पुलिस थानों व चौकियों पर हुए ग्रेनेड हमलों में भी अहम भूमिका निभाई थी। साल 2023 में आरोपी ने बटाला में एक मेडिकल स्टोर मालिक पर गोलियां चला कर उसे जख्मी कर दिया था। इसके बाद आरोपी हथियारों की तस्करी करने के आरोप में गिरफ्तार हुआ था। लेकिन साल 24 सितंबर 2024 को पुलिस कस्टडी से चकमा देकर फरार हो गया था। आरोपी ने फरार होने के बाद जीवन फौजी व हैप्पी पाशियां के कहने पर थानों पर ग्रेनेड हमला भी किया था। 23 दिसंबर 2024 को पुलिस ने तीन खालिस्तानी आतंकवादियों को मुठभेड़ में मार गिराया था। उनके द्वारा पंजाब में कई आतंकी घटनाओं को अंजाम दिया गया था। इस घटना से खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू नाराज था। उसने महाकुंभ प्रयागराज में आतंकी हमला करने की धमकी दी थी।

सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई पर उप्र सरकार को लगाई फटकार

कोर्ट की टिप्पणी- जल्दबाजी में घर गिराना गलत

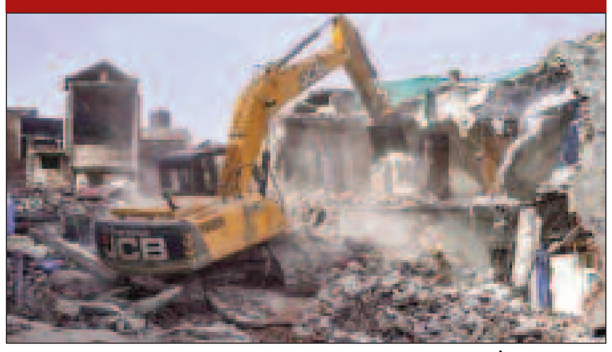

एजेंसी/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने प्रयागराज में 2021 में हुई बुलडोजर कार्रवाई को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जल्दबाजी में घर गिराना गलत था और वह सरकार के खर्च पर दोबारा मकान बनवाने का आदेश दे सकता है। यह टिप्पणी जस्टिस अभय एस ओका और एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने सुनवाई के दौरान दी। कोर्ट ने सरकार से पूछा कि क्या वह संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन का अधिकार) से परिचित है। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि उन्हें सिर्फ कुछ घंटों के भीतर नोटिस देकर बेघर कर दिया गया, जो कानून का उल्लंघन है। इस मामले में अगली सुनवाई 21 मार्च को होगी, जिससे यूपी सरकार के लिए मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि प्रयागराज में 7 मार्च 2021 को उनकी संपत्तियों को ढहा दिया गया। इस कार्रवाई में प्रोफेसर अली अहमद और वकील जुल्फिकार हैदर समेत 5 लोगों के मकान गिराए गए। प्रशासन ने इन संपत्तियों को माफिया अतीक अहमद से जोड़ा और बिना उचित प्रक्रिया अपनाए विध्वंस कर दिया। याचिकाकर्ताओं का आरोप था कि उन्हें 6 मार्च की रात को नोटिस दिया गया, जबकि उस पर 1 मार्च की तारीख लिखी थी। इससे उन्हें कानूनी बचाव का मौका तक नहीं मिला।

इससे पहले इलाहाबाद हाई कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी थी। हाई कोर्ट ने यूपी सरकार के इस तर्क को स्वीकार किया था कि विवादित भूमि नजूल लैंड थी, जिसे सार्वजनिक कार्यों के लिए इस्तेमाल किया जाना था। सरकार ने कहा था कि इस जमीन की लीज 1996 में खत्म हो चुकी थी और इसे फ्री-होल्ड करने के याचिकाकर्ताओं के आवेदन 2015 और 2019 में खारिज हो चुके थे। सरकार ने इसे अवैध कब्जा मानते हुए बुलडोजर कार्रवाई को जायज ठहराया था।

दिल्ली से पटना के बीच चलेगी वंदे भारत होली स्पेशल ट्रेन

केटी न्यूज/पटना

रेलवे ने होली के मौके पर दिल्ली से यूपी-बिहार के लिए स्पेशल ट्रेनों के संचालन का ऐलान किया है। पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी के अनुसार होली पर्व पर यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए दिल्ली से पटना के बीच वंदे भारत स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। पीआरओ ने बताया कि नई दिल्ली-पटना वंदे भारत स्पेशल (02436-02435) 08 मार्च से 20 मार्च तक (सोमवार को छोड़कर) नई दिल्ली से सुबह 08:30 बजे खुलेगी और उसी दिन रात 10:30 बजे पटना पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन 09 मार्च से 21 मार्च तक (मंगलवार को छोड़कर) सुबह 05:30 बजे पटना से प्रस्थान कर उसी दिन रात 8:10 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। दिल्ली-पटना सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशल (04062-04061) 07 मार्च से 17 मार्च तक प्रतिदिन रात 23:55 बजे दिल्ली से खुलेगी और अगले दिन शाम 4 बजकर 40 मिनट पर पटना पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन 7 मार्च से 18 मार्च तक प्रतिदिन पटना से शाम 5:50 बजे खुलेगी और अगले दिन 10:25 बजे दिल्ली पहुंचेगी।

आनंद विहार-राजगीर सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशल (04070-04069) 7, 11, 14 और 18 मार्च को आनंद विहार टर्मिनल से रात 12 बजकर 20 मिनट पर खुलेगी और उसी दिन शाम 7:50 बजे राजगीर पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन 7, 11, 14 और 18 मार्च को रात 11:30 बजे राजगीर से खुलेगी और अगले दिन शाम 7 बजे आनंद विहार पहुंचेगी।

पटना में बेखौफ अपराधियों ने होटल मालिक की गोली मारकर हत्या की

केटी न्यूज/पटना

पटना के मालसलामी थाना क्षेत्र में अपराधियों ने एक बार फिर बेखौफ होकर वारदात को अंजाम दिया। बुधवार देर रात रेलवे गुमटी के पास संतोष कुमार नाम के होटल मालिक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मौके से पुलिस को दो खोखे मिले हैं। जानकारी के अनुसार, संतोष कुमार अपने होटल पर बैठे थे, तभी दो अपराधी वहां पहुंचे। उन्होंने संतोष को घेरकर फायरिंग शुरू कर दी। एक गोली लगते ही संतोष लहूलुहान होकर गिर पड़े। स्थानीय लोग उन्हें तुरंत अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। एसडीपीओ डॉ. गौरव कुमार ने बताया कि शुरुआती जांच में मामला आपसी रंजिश का लग रहा है।

परिवार के 100 सदस्यों ने तीन महीने की कड़ी मेहनत से तैयार किए 130 नाव

महाकुंभ में पिंटू मल्लाह ने नाव चला कमाए 30 करोड़ रु.

एजेंसी/प्रयागराज

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 45 दिनों तक महाकुंभ चला। इस दौरान करीब 66 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई। प्रदेश सरकार के खजाने में करोड़ों रूपए आए तो तीर्थराज के कारोबारी भी मुस्कराए। इन्हीं में से नैनी निवासी पिंटू मल्लाह हैं, जिनका नाम सीएम योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा में लिया। पिंटू संगम में नाव चलाने का काम करते हैं। महाकुंभ के आयोजन के दौरान उन्होंने करीब 30 करोड़ रुपये की कमाई की है। अरैल निवासी पिंटू के परिवार में कुल 100 सदस्य हैं। पिंटू के परिवार के सदस्य संगम तट पर नाव के जरिए अपना भरण-पोषण करते हैं। महाकुंभ को लेकर पिंटू ने परिवार के साथ मिलकर

रणनीति बनाई और नावों के निर्माण को लेकर मेला शुरू होने से कई माह पहले से तैयारी शुरू कर दी। करीब तीन माह के अंदर परिवार के सदस्यों ने मिलकर 130 नावों को तैयार कराया, ताकि उन्हें चलाकर कुंभ में अच्छी-खासी अर्निंग की जा सके।

पिंटू ने बताया कि महाकुंभ के आगाज से पहले उसके पास पैसे नहीं थे। नाते-रिश्तेदारों के अलावा दोस्तों से पैसे मांगे पर सभी ने देने से इंकार कर दिया। पिंटू ने बताया कि थक-हार कर वह अपनी मां के पास गए और जेवरात मांगे। पहले मां भी जेवरात देने को तैयार नहीं हुई। आखिर में मां ने पिंटू को जेवरात दिए। पिंटू ने जेवरात को गिरवी रख दिया। इसके बाद नावों के तैयार करने के काम में जुट गया। नांव बनकर तैयार हो गई और संगम के तट पर पहुंच गई। पिंटू के मुताबिक, उनके परिवार ने सभी लोगों ने मिलकर 45 दिन तक चले इस महाकुंभ में करीब 30 करोड़ रुपये कमाए। उनके पास 130 नावें थीं, जिनको उन्होंने जमकर कुंभ में चलाया और खूब पैसे कमाए। वहीं, श्रद्धालुओं से मनमाना किराया लेने के सवाल पर पिंटू कहते हैं कि हम लोगों ने उतना ही किराया लिया जितना सरकारी रेट था। किसी से भी फालतू पैसा नहीं ले रहे थे। हां कुछ लोग ऐसे रहे होंगे, लेकिन हमारे लोग ऐसा कुछ भी नहीं कर रहे थे। कुछ श्रद्धालु तो खुद हम लोग को दान दे रहे थे।

तकरीबन 50-60 हजार रुपये लगते हैं: पिंटू ने बताया एक नाव को बनाने में तकरीबन 50-60 हजार रुपये लगते हैं। हमने 130 नाव तैयार करवाई थीं। ऐसे में पिंटू के परिवार ने एक नाव से एक दिन में 50 हजार से अधिक रुपये कमाए। यानी एक नाव से एक महीने में 23 लाख रुपये परिवार ने कमाए हैं। ऐसे में 130 नावों से उन्होंने करीब 30 करोड़ कमाए। बताया, हमारे परिवार में 100 से अधिक लोग हैं और सभी ने जमकर मेहनत की। यह हमारे लिए किसी महाप्रसाद से कम नहीं है।

समझौता हुआ तो ठीक नहीं तो सभी सीटों पर अकेले चुनाव लड़ सकती है कांग्रेसः जगदीश धायल

- राज्य में कांग्रेस का किसी भी पार्टी से अभी तक कोई गठबंधन नहीं हुआ है
- कांग्रेस अपने कार्यकर्ताओं के हित को सर्वोपरि रखकर ही कार्य करेंगी

केटी न्यूज/मुजफ्फरपुर

कांग्रेस के जिला प्रभारी जगदीश धायल गुरुवार को मुजफ्फरपुर पहुंचे। जहां उन्होंने तिलक मैदान स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मीडिया के सवालों का जवाब भी दिया। जगदीश धायल ने स्पष्ट कहा कि फिलहाल बिहार में कांग्रेस और महागठबंधन के बीच कोई समझौता नहीं हुआ है। अभी राज्य में कांग्रेस का किसी पार्टी से कोई गठबंधन नहीं है। लोकसभा चुनाव के वक्त जो गठबंधन था, वो केवल आम चुनाव के लिए ही थी। उन्होंने कहा कि अगर कार्यकताओं के सम्मान को प्राथमिकता दी जाती है और उचित समझौता होता है, तो हम महागठबंधन के साथ चुनाव लड़ सकते हैं। अन्यथा, कांग्रेस स्वतंत्र रूप से चुनाव मैदान में उतरेगी। उनके इस बयान से साफ हो गया कि कांग्रेस अपने कार्यकताओं के हित को सर्वोपरि रखकर ही किसी गठबंधन का हिस्सा बनेगी। इसके पहले जगदीश धायल ने संगठन को मजबूत करने और आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति पर कांग्रेस कार्यकताओं से चर्चा की। बैठक में जिला कांग्रेस अध्यक्ष अरविंद कुमार मुकुल सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य कांग्रेस संगठन को पंचायत से लेकर बूथ स्तर तक मजबूत करना और आगामी चुनावों की तैयारियों को अंतिम रूप देना था। साथ ही कार्यकर्ताओं के विचारों को जानना था कि वह इस बार के चुनाव में क्या मूड रखते है। जिससे पार्टी को मजबूती मिल सके। अधिक से अधिक सीटें प्राप्त कर सके।

मुख्यमंत्री पद को लेकर अंतिम निर्णय कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व लेगा

मीडिया बातचीत के दौरान जब तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री पद के दावे पर सवाल पूछा गया तो धायल ने इसे उनका व्यक्तिगत विचार बताया। उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री पद को लेकर अंतिम निर्णय कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व लेगा।' इस बयान से कांग्रेस के भीतर नेतृत्व को लेकर स्पष्टता बनी हुई है।संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर जोरजगदीश धायल ने कार्यकताओं से पार्टी की विचारधारा के अनुरूप काम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकताओं को व्यक्तिगत विचारधारा से ऊपर उठकर पार्टी के सिद्धांतों के अनुसार काम करना चाहिए। उन्होंने जिला अध्यक्ष अरविंद कुमार मुकुल के साथ मिलकर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आश्वासन दिया।नाराज कार्यकताओं से होगा संवादप्रेस कॉन्फ्रेंस में टिकट कटने से नाराज कार्यकताओं को लेकर भी सवाल उठे। इस पर धायल ने कहा, 'जो कार्यकर्ता कांग्रेस की विचारधारा से जुड़े हैं, वे पार्टी से अलग नहीं होते। कुछ लोग शांत हो सकते हैं, लेकिन वे कांग्रेस से अलग नहीं हो सकते।' उन्होंने यह भी कहा कि जल्द ही नाराज कार्यकताओं से संवाद किया जाएगा और उनकी समस्याओं को सुलझाने का प्रयास किया जाएगा।धायल ने कहा कि कांग्रेस बिहार की सभी सीटों पर चुनाव की तैयारी कर रही है और बूथ स्तर पर कार्यकताओं को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर लोकसभा चुनाव के वक्त कांग्रेस को सम्मानजनक सीटें मिलती तो नतीजा कुछ और हो सकता था। चुनाव में सबसे अहम पार्टी के कार्यकर्ता होते है। क्योंकि वह लगातार आम जनता से संपर्क में रहते है। वह जनता के मूड को जानते है। जब उनकी बातों को दबा दिया जाता है तब पार्टी बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाती है। इस बार शीर्ष नेतृत्व यह गलती नहीं करेगी। बल्कि कार्यकार्ताओं का विचार जानने के बाद ही अगला कदम उठायेगी। इसके लिए सभी सीटें पर जोरदार मंथन किया जा रहा है। उनकी राय ली जा रही है।

गया में जीतन राम मांझी ने तेजस्वी यादव पर जमकर साधा निशाना

राजनीति में युवा होना अच्छी बात है, पर अनुभव भी चाहिए : मांझी

- सीएम नीतीश कुमार अभी पूरे बिहार में प्रगति यात्रा कर रहे हैं और पूरी तरह तंदुरुस्त हैं

केटी न्यूज/गया

बिहार में पोस्टर पॉलिटिक्स के बीच केंद्रीय मंत्री और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) के प्रमुख जीतन राम मांझी ने तेजस्वी यादव पर करारा हमला बोला है। गया में मीडिया से बात करते हुए मांझी ने कहा कि राजनीति में जितना उम्रदराज होते हैं, उतना ही परिपक्वता आती है। तेजस्वी यादव द्वारा पीएम नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बूढ़ा नेता नहीं चाहिए। कहकर हमला करने पर मांझी ने कहा कि राजनीति में युवा होना अच्छी बात है, लेकिन सिर्फ युवा होने से कुछ नहीं होता, उसमें अनुभव भी होना चाहिए। मांझी ने कहा कि अगर तेजस्वी खुद को युवा समझकर बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं, तो इसका मतलब है कि उनमें अभी परिपक्वता की कमी है। एनडीए में कई युवा नेता हैं, लेकिन महागठबंधन में सिर्फ तेजस्वी को ही युवा माना जाता है। सत्ता पाने के लिए महागठबंधन के नेता सिर्फ जुमलेबाजी करते हैं, जबकि नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार देश और समाज के विकास के लिए समर्पित हैं। नीतीश कुमार को सीएम बनाने को लेकर तेजस्वी यादव के बयान पर मांझी ने तंज कसते हुए कहा कि जब नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने थे, तब तेजस्वी यादव कबड्डी खेल रहे थे। उन्होंने कहा कि तेजस्वी राजनीति में अपने पिता के भरोसे आए हैं। अगर लालू प्रसाद यादव मुख्यमंत्री नहीं होते, तो शायद तेजस्वी आज क्रिकेट खेल रहे होते। तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार को खटारा गाड़ी कहे जाने पर मांझी ने तीखा पलटवार करते हुए कहा कि नीतीश कुमार अभी पूरे बिहार में प्रगति यात्रा कर रहे हैं और पूरी तरह तंदुरुस्त हैं। असली खटारा तो उनके पिताजी (लालू यादव) हैं, जिनकी हालत खुद खराब है। तेजस्वी खुद भी किसी आंदोलन के उपज नहीं हैं, इसलिए अनुभव की कमी है। महागठबंधन में सीटों के बंटवारे पर चल रही खींचतान पर मांझी ने कहा कि महागठबंधन के नेता आपस में ही लड़ रहे हैं। इंडिया गठबंधन बनाने का जो उद्देश्य था, वह अब पूरी तरह चकनाचूर हो चुका है। कांग्रेस, राजद और भाकपा-माले सभी अलग-अलग ताल ठोक रहे हैं।

बोले सम्राट... तेजस्वी बचपन में पढ़े नहीं, क्रिकेट में पानी ढोते रह गए

पटना। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने तेजस्वी यादव और उनके परिवार पर जमकर हमला बोला है। सम्राट चौधरी ने कहा कि कुछ लोग गलतफहमी फैलाने में लगे हैं। नेता प्रतिपक्ष ने इसी सदन में भ्रम फैलाया। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने यह नहीं बताया कि इनके पिताजी ने क्या क्या किया। 2001 में छह हजार रुपये प्रति व्यक्ति आय थी। आज नीतीश कुमार नेतृत्व में 66 हजार रुपये प्रति व्यक्ति हो गई। 11 गुना अधिक आय हो चुका है। लालू यादव के राज में 1990 से 2005 तक अगर काम होता तो आज सीएम नीतीश कुमार को काम नहीं करना पड़ता। 15 साल तक कोई काम ही नहीं हुआ। केवल नाच, गान और लौंड नाच होता था। कोई विकास की बात ही नहीं थी। पता नहीं कौन-कौन सा डाटा और किस किताब की रिपोर्ट वह पढ़ रहे हैं। बचपन में पढ़े नहीं और क्रिकेट खेलते वक्त तो पानी ही ढोते रह गए बेचारे। खेलने का भी मौका नहीं मिला। पूरी क्रिकेट काल में मात्र 37 रन ही बनाया था। सम्राट चौधरी ने कहा कि यह लोग सिर्फ भ्रम फैलाने वाले लोग हैं। प्राथमिक विद्यालय में ड्रॉप रेट छह से 26 प्रतिशत है। लालू राज में 60 प्रतिशत था। यह लोग कभी विकास की बात ही नहीं करते थे। यह लोग हारने वाले लोग हैं। अगर भाजपा और सीएम नीतीश कुमार का समर्थन नहीं होता तो लालू यादव मुख्यमंत्री नहीं बनते।

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में भारी फेरबदल

पटना। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने भूमि सुधार उप समाहर्त्ता एवं समकक्ष में उच्चतर प्रभार प्रदत्त कई पदाधिकारियों को वर्त्तमान पदस्थापन से स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक के लिए नए स्थान पर पदस्थापित किया गया है। स्थानांतरित होने वाले पदाधिकारियों में अपर जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, किशनगंज रणजीत कुमार को बांका का अपर जिला भू-अर्जन पदाधिकारी बनाया गया है। अपर जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, गोपालगंज चंद्रशेखर तिवारी को अपर जिला भू अर्जन पदाधिकारी, जमुई बनाया गया है। अपर जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, भोजपुर विजेंद्र कुमार को अपर जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, सारण बनाया गया है।

बेलगाम पिकअप ने दो चचेरे भाइयों को रौंदा, दोनों की मौत

मुजफ्फरपुर। जिले के साहेबगंज क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। जिसमें तेज रफ्तार पिकअप ने स्कूटी सवार दो चचेरे भाइयों को कुचल दिया। इस हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान राजेपुर निवासी किशोर सिंह के 30 वर्षीय पुत्र छोटू सिंह और मनोज सिंह के 19 वर्षीय पुत्र आदित्य कुमार के रूप में हुई है। दोनों किसी काम से अपनी इलेक्ट्रिक स्कूटी से साहेबगंज बाजार जा रहे थे, तभी कोल्ड ड्रिंक लदी बेकाबू पिकअप वैन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कूटी के परखच्चे उड़ गए, और दोनों गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही दम तोड़ बैठे। स्थानीय लोगों ने तुरंत उन्हें अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बोले भाजपा प्रदेशाध्यक्ष... बिहार की जनता को अब लालटेन युग नहीं, विकास युग पसंद

केटी न्यूज/पटना

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने आज विपक्ष पर तीखा हमला बोला और कहा कि बिहार की जनता अब लालटेन युग नहीं बल्कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का विकास युग पसंद कर रही है। उन्होंने कहा कि विपक्ष की राजनीति सिर्फ आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित रह गई है और वह जनता को भ्रमित करने में लगा हुआ है। पटना में आयोजित प्रेस वार्ता में भाजपा अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार मीडिया से बात करते हुए डॉ. जायसवाल ने कहा कि विपक्ष भाषा की मयार्दा भी भूल चुका है और बेबुनियाद आरोपों से राजनीति कर रहा है। उन्होंने कहा कि पहले विपक्ष रोजगार और विकास की बात करता था। लेकिन जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 12 लाख रोजगार देने की घोषणा की, तो विपक्ष इस मुद्दे से पीछे हट गया।उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जब कभी बिहार के युवा आगे बढ़ने की कोशिश करते हैं, तब विपक्ष उन्हें गुमराह करने का काम करता है। उन्होंने लालटेन के मुद्दे पर भी विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि एक समय था जब बिहार में छह से आठ घंटे ही बिजली रहती थी, लेकिन अब हालात बदल गए हैं। फिर भी विपक्ष लालटेन की बात कर रहा है, जिससे उनकी सोच का अंदाजा लगाया जा सकता है। विपक्ष द्वारा किए जा रहे लोकलुभावन वादों पर कटाक्ष करते हुए डॉ. जायसवाल ने कहा कि एनडीए सरकार सम्मानपूर्वक हर जरूरी सुविधा देगी, न कि सिर्फ चुनावी फायदे के लिए रेवड़ियां बांटेगी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ और दिल्ली का उदाहरण सामने है, जहां जनता ने झूठे वादों को नकार दिया। बिहार में भी केवल मोदी की गारंटी ही चलेगी।

दीदारगंज से पटना शहर में प्रवेश करने में लग जाता है दो घंटे तक का समय

पटना को जल्द मिलेगी जाम से राहत, 31 मार्च बनकर तक तैयार हो जाएगा दीघा-दीदारगंज मार्ग

केटी न्यूज/पटना

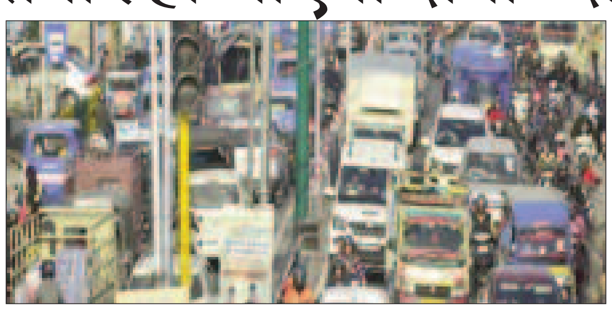

बिहार के पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने गुरुवार को कहा कि राजधानी पटना में दीघा से दीदारगंज तक 21 किलोमीटर लंबे जेपी गंगा पथ का अंतिम चरण 31 मार्च तक पूरा हो जाने से शहर में बढ़ते ट्रैफिक दबाव में कमी आएगी और उत्तर बिहार से पटना आने-जाने वालों के सफर में आसानी होगी। यह परियोजना उत्तर बिहार और पटना के बीच यातायात को सुगम बनाएगी। नितिन नवीन ने कंगन घाट से दीदारगंज तक बने पांच किलोमीटर लंबे पुल का निरीक्षण और निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लेने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि यह परियोजना उत्तर बिहार और पटना के बीच यातायात को सुगम बनाएगी।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में दीदारगंज से शहर में प्रवेश करने में दो घंटे तक का समय लग जाता है लेकिन इस कनेक्टिविटी से यात्रा का समय कम हो जाएगा। पटना घाट से भी इस मार्ग की कनेक्टिविटी जल्द ही सुनिश्चित की जाएगी। मंत्री नितिन नवीन ने बताया कि यह मार्ग जेपी सेतु और 6-लेन महासेतु से जुड़ जाएगा, जिससे आवागमन और सुचारु होगा।

उन्होंने बताया कि इसके अलावा यह मार्ग गाय घाट, अशोक राजपथ, पीएमसीएच, गांधी मैदान और अटल पथ से भी जुड़ा हुआ है, जिससे ट्रैफिक दबाव को कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि पटना घाट से भी इस मार्ग की कनेक्टिविटी जल्द ही सुनिश्चित की जाएगी। इसके अलावा दीघा से कोईलवर और दीदारगंज से मोकामा तक के नए विस्तार की भी योजना बनाई जा रही है। उन्होंने बताया कि इस पूरे मार्ग को मुख्यमंत्री समग्र उद्यान योजना के तहत विकसित किया जाएगा, जिसके पहले चरण में सात किलोमीटर के हिस्से को जोड़ा जाएगा। इससे यह मार्ग न केवल सुविधा प्रदान करेगा बल्कि गंगा किनारे का सौंदर्यीकरण भी सुनिश्चित करेगा। प्रयास किया जा रहा है कि जाम से लोगों को निजात मिले। समय की बचत हो।

ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट के रूप में धनसोई बाईपास पथ का होगा निर्माण: डीएम

♦ डीएम ने इस टू लेन पथ का किया निरीक्षण, दिए कई निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने गुरूवार को टू लेन धनसोई बाईपास पथ के निर्माण कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया। डीएम ने बताया कि 15 फरवरी को प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बक्सर जिलान्तर्गत टू लेन धनसोई बाईपास पथ के निर्माण की घोषणा की थी। जिसकी प्रशासनिक स्वीकृति मंत्रिपरिषद द्वारा रिकॉर्ड समय में 25 फरवरी को प्रदान की गई।

इस टू लेन धनसोई बाईपास पथ निर्माण के लिए कुल 9824.90 लाख रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। जिलाधिकारी ने कहा कि वर्तमान में धनसोई बाजार के काफी व्यस्त होने एवं धनसोई बाजार पथ के संर्कीण होने के कारण प्रायः जाम की समस्या उत्पन्न होती है। इस पथ का निर्माण होने के बाद धनसोई बाजार में जाम की समस्या समाप्त हो जाएगी तथा यातायात की सुविधा भी दुरूस्त होगी। डीएम ने कहा कि इस पथ के निर्माण के बाद इलाके में रोजगार भी बढ़ेगा। डीएम ने कहा कि इस पथ के निर्माण से बक्सर एवं रोहतास जिला के बीच आर्थिक, व्यवसायिक एवं सामाजिक गतिविधियां तेज होगी। डीएम ने इस बाइपास पथ का निर्माण मानक के अनुरूप करने का निर्देश कार्यपालक अभियंता को दिया और कहा कि यह बाइपास सड़क दो जिलों को भी जोड़ने का काम करेगी, लिहाजा इसका निर्माण गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए।

डीएम के निरीक्षण के दौरान कार्यपालक अभियंता पथ प्रमंडल बक्सर ने बताया कि प्रस्तावित बाईपास का एलाइनमेंट धनसोई बाजार से 01 किलोमीटर पहले से शुरू होकर सिसौंदा से 100 मीटर आगे तक होगा। प्रस्तावित पथ की कुल लंबाई 4.5 किमी है। प्रस्तावित कुल चौड़ाई 12 मीटर है। जिसमें 7 मीटर कैरेज वे एवं सड़क के दोनों ओर 2.5 मीटर शोल्डर रहेगा। वर्तमान में धनसोई बाजार के पास पथ 04 मीटर से 5.5 मीटर तक चौड़ा है।

निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर सदर, कार्यपालक अभियंता पथ प्रमंडल बक्सर प्रखंड विकास पदाधिकारी राजपुर, अंचलाधिकारी राजपुर एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं आम जन उपस्थित थे।

एक नजर

कार्रवाई : 1000 बच्चों में मात्र सात थे उपस्थित, डीएम ने प्राचार्या से मांगा स्पष्टिकरण

बक्सर। जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने गुरूवार को गांधी स्मारक उच्च विद्यालय धनसोई व राजकीय बुनियादी विद्यालय उनवांस औचक निरीक्षण किया। गांधी स्मारक उच्च विद्यालय के निरीक्षण के क्रम में डीएम ने पाया कि विद्यालय में कुल एक हजार छात्र-छात्राएं नामांकित हैं, लेकिन निरीक्षण के दौरान मात्र सात उपस्थित हैं। डीएम इस पर काफी नाराज हुए तथा प्रभारी प्रधानाध्यापक से बच्चों के कम उपस्थिति के संबंध में पूछताछ की। वहीं, उन्होंने जिला शिक्षा पदाधिकारी को सत्यापन करते हुए प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इस विद्यालय के निरीक्षण के क्रम में पाया गया की भू-तल के गलियारे का फर्स क्षतिग्रस्त है। डीईओ को निर्देश दिया गया कि विद्यालय मद में उपलब्ध राशि की उपयोगिता जांच करते हुए विद्यालय के माध्यम से आवश्यक मरम्मती आदि शीघ्र कराना सुनिश्चित करेंगे। खेल मैदान के निरीक्षण के क्रम में पाया गया कि निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है। खेल मैदान के चहारदीवारी का निर्माण नहीं होने के कारण अतिक्रमित है। अंचलाधिकारी राजपुर को निर्देश दिया गया के इस खेल मैदान का अविलंब सीमांकन कराना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि अंचलाधिकारी से समन्वय स्थापित करते हुए खेल मैदान के चहारदीवारी का निर्माण एवं विकास कार्य कराना सुनिश्चित करेंगे। डीएम ने राजकीय बुनियादी विद्यालय उनवास का निरीक्षण भी किया। इस दौरान कुल 11 में आठ शिक्षक उपस्थित पाए गए। प्रधानाध्यापक द्वारा बताया गया कि इस विद्यालय में कुल 335 विद्यार्थी नामांकित हैं। जिसके विरुद्ध 187 विद्यार्थी उपस्थित पाए गए। छात्रों की कम उपस्थिति पर डीएम ने नाराजगी जताई तथा इस संबंध में प्रधानाध्यापक से शो-कॉज के लिए डीईओ को निर्देश दिया।

डुमरांव में महिला ने फांसी लगा की आत्म हत्या

डुमरांव। नगर के वार्ड 33 स्थित फुलचंद कानू पथ में एक महिला ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली है। इसकी जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेने के साथ ही उसके पति को हिरासत में ले पूछताछ कर रही है। उसका पति नगर के चर्चित फास्ट फूड कॉर्नर पर बतौर कारीगर काम करता था तथा पांच महीना पहले ही उसकी शादी हुई थी। मृतका पूजा देवी उम्र 23 वर्ष मूलरूप से बांका जिले के लाबन गांव की रहने वाली थी। उसकी शादी पांच माह पूर्व देवघर जिले के जसीडीह थाना क्षेत्र के बंदेई गांव निवासी सागर पंडित के साथ हुई थी। दोनों डुमरांव में किराये के मकान में रहते थे। जहां, गुरूवार की शाम वह अपने कमरे में एक दुपट्टे से फांसी लगा आत्महत्या कर दी। दोपहर बाद करीब तीन बजे उसका पति उसे कई बार फोन किया जब फोन रिसीव नहीं हुआ तब वह अपने किराये के मकान में आया तो दरवाजा अंदर से बंद पाया तथा खुलवाने पर भी नहीं खुला तब वह उसी मकान में रहने वाले दूसरे किरायेदार का दरवाजा खुलवा अंदर के गेट से कमरे में पहुंचा तो देखा कि उसकी पत्नी फंदे पर झूल रही है। आस पास के लोगों ने इस घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेने के साथ ही उसके पति को हिरासत में ले लिया है। पुलिस उसके मायके वाले को सूचना देने का प्रयास कर रही है। गौरतलब हो कि दो दिन पूर्व भी नगर के एक व्यवसायी ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली थी।

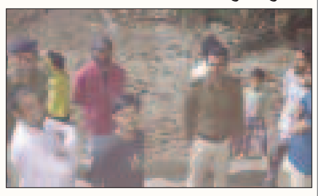

खबरें फटाफट

अगलगी में दो किशोर झुलसे, लाखों की संपत्ति खाक

बक्सर। इटाढ़ी थाना क्षेत्र के खातिबा गांव में गुरुवार तड़के एक झोपड़ी में लगी आग से दो किशोर गंभीर रूप से झुलस गए। आग की चपेट में आकर मवेशियों सहित लाखों की संपत्ति भी जलकर राख हो गई। ग्रामीणों ने तुरंत अग्निशमन विभाग को सूचना दी, जिसके बाद दमकल कर्मियों और स्थानीय लोगों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया। घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।
मिली जानकारी के अनुसार, खातिबा गांव निवासी बच्चामुनि यादव के झोपड़ीनुमा घर में अचानक आग लग गई। झोपड़ी में उनके दो बेटे अंकित कुमार (15) और श्रीराज कुमार (16) सो रहे थे। आग की लपटें तेज होने पर आसपास के लोगों ने उन्हें बाहर निकाला, लेकिन तब तक वे गंभीर रूप से झुलस चुके थे। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने दोनों को बर्न वार्ड में भर्ती कर लिया। इस हादसे में किसान बच्चामुनि यादव को भारी आर्थिक नुकसान हुआ। झोपड़ी में बंधी उनकी गाय झुलसकर मर गई, जबकि बाइक और साइकिल जलकर नष्ट हो गई। पशु चारा और अनाज भी पूरी तरह जल गया। ग्रामीणों ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है।

डीएम ने किया रामपुर स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर आवासीय विद्यालय का निरीक्षण

हरहाल में छात्रावास में लक्ष्य के अनुरूप कराएं छात्रों का नामांकन: जिलाधिकारी

♦ आउटसोर्सिंग के माध्यम से स्कूल में तीन गार्ड, दो परिचारी एवं जीविका के माध्यम से 12 रसोईया के साथ साथ 12 सफाईकर्मी कार्यरत

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड के रामपुर स्थित डॉ. भीम राव अम्बेदकर आवासीय विद्यालय का गुरूवार को जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला कल्याण पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि भवन को दो भाग में बनाया गया है। दोनों भागों की कुल क्षमता 720 छात्रों की है। निरीक्षण के क्रम में पाया गया कि उक्त विद्यालय में मात्र 308 छात्र नामांकित है। छात्रों का विद्यालय में लक्ष्य के अनुरूप नामांकन नहीं होने के संबंध में जब डीएम ने पूछा तो जिला कल्याण पदाधिकारी संतोषजनक जबाव नहीं दे सकें। डीएम ने इस पर नाराजगी जताई तथा इस संबंध में जिला कल्याण पदाधिकारी को निर्देशित किया कि विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए लक्ष्य के अनुरूप छात्रों का नामांकन कराना सुनिश्चित करेंगे।

निरीक्षण के क्रम में बताया गया कि दशम वर्ग के नामांकित कुल 14 छात्र इस वर्ष मैट्रिक की परीक्षा दे चुके है। विद्यालय में कुल 22 शिक्षक, आउटसोर्सिंग के माध्यम से विद्यालय में सुरक्षा के लिए तीन गार्ड, दो कार्यालय परिचारी एवं जीविका के माध्यम से 12 रसोईया एवं 12 सफाईकर्मी कार्यरत है। इसी क्रम में उन्होंने विद्यालय के कार्यालय, पुस्तकालय, कम्प्यूटर कक्ष का निरीक्षण किया गया। तत्पश्चात जीविका द्वारा संचालित भोजनालय की जांच की गई।

निरीक्षण के क्रम में छात्रों को उपलब्ध कराये जा रहे भोजन की जांच के क्रम में मेन्यू के अनुसार भोजन बना हुआ पाया गया। जिलाधिकारी द्वारा स्वयं भोजन चखकर भोजन की गुणवत्ता की जांच किया गया। प्रभारी प्रधानाध्यापक और छात्रावास अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि छात्रों को उपलब्ध कराये जाने वाले भोजन को प्रतिदिन जांच करते हुए स्वयं चख कर छात्रों को भोजन उपलब्ध करेंगे।

प्रभारी प्रधानाध्यापक, प्रखंड परियोजना प्रबंधक, जीविका को निर्देशित किया गया कि यदि छात्रों को उपलब्ध कराये जा रहे भोजन से स्वास्थ्य खराब होने या फूड प्वाइजनिंग की शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधितों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जीविका के पर्यवेक्षक को निर्देशित किया गया कि सभी खाद्य सामग्री यथा अंडा, पनीर, दुध, सब्जी, मांस एवं मछली आदि अच्छी गुणवत्ता एवं फ्रेश सामग्री उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने खाद्य सामग्री भंडार तथा साफ-सफाई का निरीक्षण के क्रम में पायी गयी त्रुटियों को निराकरण करने हेतु निर्देश दिया गया।जिला कल्याण पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि प्रत्येक शनिवार को विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं हेतु करियर काउंसलिंग के माध्यम से छात्रों को प्रोत्साहित किया जाता है। छात्रों को प्रतियोगिता परीक्षा के संबंध में सभी आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जाती है। इस संबंध में छात्रों से भी पृच्छा की गई। छात्रों को मैट्रिक, इण्टरमीडिएट परीक्षाओं में 85 प्रतिशत से अधिक अंक लाने तथा प्रतियोगिता परीक्षाओं में उर्तीण होने के संबंध में पूछने पर प्रभारी प्रधानाध्यापक एवं जिला कल्याण पदाधिकारी द्वारा कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गयी। निर्देशित किया गया कि गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई के साथ छात्रो की पढ़ाई का स्तर उच्च गुणवत्ता के साथ प्रोत्साहित करते हुए नियमित रूप से संचालन कराना सुनिश्चित करेंगे। ताकि प्रतियोगिता परीक्षा में अत्यधिक संख्या में छात्र बेहतर अंक के साथ रैंक भी हासिल कर सके। जिला कल्याण पदाधिकारी नियमित रूप से इसका अनुश्रवण करेंगे, ताकि सभी छात्र इससे लाभान्वित हो सके। उन्होंने जिला कल्याण पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक पखवाड़ा स्वयं भी भौतिक रूप से विद्यालय का निरीक्षण करते हुए एवं छात्रों को उपलब्ध कराये जा रहे भोजन को स्वयं भोजन ग्रहण कर गुणवत्ता की जांच करेंगे।

निरीक्षण के क्रम में जिला कल्याण पदाधिकारी बक्सर, प्रखंड परियोजना प्रबंधक जीविका, प्रधानाध्यापक उपस्थित थे।

इंस्पायर अवार्ड के लिए 68 छात्रों का हुआ चयन, मिलेंगे 10 हजार रुपये

केटी न्यूज/बक्सर

शिक्षा विभाग बक्सर के बेहतरीन प्रयासों से जिला में इंस्पायर अवार्ड मानक के अंतर्गत 68 नन्हे वैज्ञानिकों का चयन हुआ है। भारत सरकार के द्वारा घोषित नन्हे वैज्ञानिकों की प्रतिभा खोज के अंतर्गत जिला के 68 नन्हें वैज्ञानिकों को भारत सरकार द्वारा 10 हजार रूपए की प्रोत्साहन राशि बैंक के माध्यम से दी जाएगी।

जिला बक्सर ऑनलाइन इंस्पायर अवार्ड मानक नन्हे वैज्ञानिकों की प्रतिभा खोज के अंतर्गत अपने नवाचार विचार को अपलोड करने के मामले में बिहार में सर्वश्रेष्ठ नौवें स्थान में अपना नाम दर्ज कराने में सफल रहा है। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी समग्र शिक्षा मोहम्मद शारिक अशरफ ने चयनित सूची में नन्हे वैज्ञानिकों के नाम शामिल होने पर उन्हें जीवन में तरक्की की

वहीं, नोडल शिक्षक डॉ. मनीष कुमार शशि ने कहा कि बक्सर में प्रतिभा की भरमार है। उन्हें अपनी प्रतिभा को हमेशा दिखाना चाहिए, जिला को अगले कार्यक्रम में भी अपनी प्रतिभा का समुचित प्रदर्शन करने का प्रयास करना चाहिए, नन्हे वैज्ञानिकों को इस तरह की प्रतियोगिता में अपने नवाचार विचार को ऑनलाइन अपलोड करने में अहम भूमिका का निर्वहन करना चाहिए।

राजस्व कर्मियों की हड़ताल जारी कार्य ठप होने से निराश लौटे लोग

केटी न्यूज/चौसा

♦ भूमि संबंधित कार्यों के साथ आरटीपीएस की सेवाएं भी पूरी तरह ठप

गुरूवार को भी राजस्व कर्मियों का अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रहा। जिससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। चार मार्च से जारी इस हड़ताल के कारण भूमि संबंधित कार्यों के साथ-साथ आरटीपीएस की सेवाएं भी पूरी तरह ठप हो गई हैं।

बक्सर जिले सहित पूरे राज्य में दाखिल-खारिज, खसरा-खतियान, भूमि मापी, रसीद कटवाने जैसे जरूरी कार्य रुके हुए हैं। इससे किसानों और आम नागरिकों को परेशानी हो रही है। जमीन की खरीद-बिक्री पर भी असर पड़ा है क्योंकि दस्तावेजों की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पा रही है। वहीं, जाति, निवास और आय प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाले छात्र-युवाओं को भी समस्या हो रही है, जिससे वे विभिन्न योजनाओं और नौकरियों के लिए आवेदन नहीं कर पा रहे हैं। हड़ताली कर्मियों की मांग है कि वेतन विसंगति को दूर किया जाए, सेवा स्थायी की जाए और उन्हें राजस्व उप निरीक्षक (राजस्व कर्मचारी) का दर्जा दिया जाए। सरकार से कई दौर की वार्ता के बावजूद अब तक कोई समाधान नहीं निकल पाया है। प्रभावित लोगों ने सरकार से जल्द हस्तक्षेप करने की मांग की है ताकि राजस्व कार्य सुचारू रूप से चालू हो सकें। अगर हड़ताल लंबी खिंचती है, तो इससे प्रशासनिक और आर्थिक गतिविधियों पर भी गंभीर असर पड़ सकता है।

डीआरएम ने चौसा में निर्माणाधीन रेल परियोजनाओं की प्रगति का लिया जायजा

चौसा में फ्रेट कॉरिडोर के साथ अन्य निर्माण कार्य को इसी माह तक करें पूरा: डीआरएम

♦ डीआरएम ने माल परिवहन की संभावनाओं पर विशेष ध्यान दिया

केटी न्यूज/चौसा

दानापुर रेल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) जयंत चौधरी ने बुधवार को चौसा रेलवे स्टेशन का दौरा किया, जहां उन्होंने निमार्णाधीन फ्रेट कॉरिडोर, लूप लाइन और गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल (जीसीटी) का निरीक्षण किया। उन्होंने इन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को तय समयसीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

रेलवे सूत्रों के अनुसार, चौसा में बनाए जा रहे 'ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर' को मार्च तक चालू करने की योजना है। डीआरएम ने निरीक्षण के दौरान निर्माण की गुणवत्ता और माल परिवहन की संभावनाओं पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि निर्माण कार्य में किसी भी तरह की तकनीकी खामी न रहे और कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। जयंत चौधरी दोपहर लगभग 12 बजे चौसा पहुंचे और आधे घंटे तक विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति का आकलन किया। निरीक्षण के दौरान मंडल स्तरीय अधिकारियों के अलावा स्थानीय स्टेशन प्रबंधक मोहम्मद वसीम भी उपस्थित रहे। डीआरएम ने लूप लाइन निर्माण और कार्गो टर्मिनल की उपयोगिता पर भी चर्चा की।

गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल से क्षेत्र में व्यापार और उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। रेलवे प्रशासन का मानना है कि इस परियोजना के शुरू होने से माल ढुलाई की लागत कम होगी और लॉजिस्टिक सेवाएं अधिक सुगम होंगी। स्थानीय व्यापारी और उद्यमी भी इन सुविधाओं से लाभान्वित होंगे। निरीक्षण के दौरान डीआरएम ने कार्यों की गति पर संतोष जताते हुए इसे और तेज करने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि रेलवे की लॉजिस्टिक क्षमता बढ़ाने के लिए इन परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करना जरूरी है, ताकि देश के व्यापारिक तंत्र को और मजबूती मिल सके।

जनता की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा है बिहार सरकार का बजट: विधायक

केटी न्यूज/डुमरांव

बिहार सरकार द्वारा पेश किए गए बजट पर डुमरांव विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा है कि इस बजट में आम लोगों, छात्रों, नौजवानों, किसानों तथा मजदूरों के लिए कुछ भी नहीं है। विधायक ने कहा कि आम बजट जनता की उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सका है।

बता दें कि डुमरांव विधायक द्वारा बजट सत्र में दिया गया संबोधन सुर्खियों में रहा। विधायक ने कहा है कि बिहार का बजट आम जनता की उम्मीदों पर पूरी तरह खरा नहीं उतरता। भले ही सरकार इसे विकासोन्मुखी बता रही है, लेकिन हकीकत यह है कि यह बजट आम लोगों की मुलभूत जरूरतों को पूरा नहीं कर सकता है। इस बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी ढांचे जैसे अहम मुद्दों पर कुछ भी नहीं है। बजट के विरुद्ध ही माले नेताओं ने तीन दिवसीय विरोधी अभियान की शुरूआत भी की है। विधायक ने कहा कि सरकार को यह समझना होगा कि जनता पर उनकी जबरदस्ती थोपी गई नीतियां नहीं चलेंगी, बल्कि जनता को जिन चीजों से फायदा मिल सकता है, वैसी चीजों को इस बजट में छोड़ दिया गया है।

शिक्षा और स्वास्थ्य पर नहीं दिया गया है ध्यान : विधायक ने कहा कि बिहार में सबसे जरूरी शिक्षा व स्वास्थ्य व्यवस्था को पटरी पर लाना है। दोनों विभाग काफी बदहाल स्थिति में है, लेकिन बजट में इस ओर ध्यान नहीं दिया गया है। सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी है, बुनियादी ढांचा जर्जर है, और छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल पा रही है। इस बार के बजट में शिक्षा पर आवंटन बढ़ाने की जरूरत थी, लेकिन अपेक्षित सुधार नहीं दिखा। स्वास्थ्य क्षेत्र की स्थिति भी खराब है। अस्पतालों में डॉक्टरों और उपकरणों की भारी कमी है। बिहार में बेरोजगारी एक बड़ी समस्या है। हर साल हजारों युवा नौकरी की तलाश में दूसरे राज्यों की ओर पलायन कर जाते हैं। राज्य में नए उद्योग लगाने और रोजगार सृजन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए थी, लेकिन बजट में इसे लेकर कोई स्पष्ट रणनीति नहीं दिखती। न तो नए स्टार्टअप के लिए कोई ठोस प्रोत्साहन योजनाएं बनाई गईं, न ही युवाओं के लिए कोई विशेष रोजगार योजना घोषित की गई।

एक नजर

ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले ट्रक चालकों को पुलिस ने सिखाया सबक

डुमरांव। नया भोजपुर थाने की पुलिस ने पटना बक्सर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 922 पर टैफिक नियमों को उल्लंघन करने वाले ट्रक चालकों को सबक सिखाया। नवाडेरा के पास पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान चला नियमों को दरकिनार कर वाहन चलाने वाले चालकों से पौने दो लाख रूपए का जुमार्ना वसूला। पुलिस की इस कार्रवाई से वाहन चालकों में हड़कंप मच गया था। यह कार्रवाई थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने नेतृत्व में किया गया। इस दौरान गलत लेन में चलने वाले ट्रक चालकों पर पुलिस की विशेष नजर बनी रही। वहीं, ओवर लोड परिचालन करने वालों से भी जुमार्ना वसूला गया। पुलिस काफी सख्त मूड में थी तथा चालान काटने के बावजूद ट्रकों को गलत लेन से आगे बढ़ने की इजाजत नहीं दी गई, बल्कि उन्हें घुमाकर पुनः सही लेन में खड़ा कराया गया। थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि पुलिस ने हाईवे पर स्पेशल चेकिंग अभियान चलाया और गलत लेन में चलने वाले 40 से अधिक ट्रकों को रोक, जिनके खिलाफ जुमार्ना लगाया गया।

स्वयं सहायता समूह के प्रशिक्षण शिविर में महिलाओं के विकास पर डाला गया प्रकाश

डुमरांव। स्वयं सहायता समूह से जुड़ महिलाएं अपने आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रही है। मालूम हो कि एक महिला ग्रुप में 10 से 12 महिलाएं रहती हैं। ग्रुप से जुड़ी महिलाओं को जानकारियां देने के लिये नगर परिषद कार्यालय के सभागार में प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण शिविर में 260 महिलाओं ने भाग लिया। बैठक में महिलाओं को कार्य से जोड़ उनकी आमदनी बढ़ाने के लिये विभिन्न प्रकार की जानकारियों दी गई। आपस में लेन-देन करते हुए भी आगे कैसे बढ़ा जा सकता है बताया गया। इसका मुख्य उदेश्य है महिलाओं को स्वालंबी बनाना। ग्रुप में एक मुखिया का चयन होता है, जो हर जानकारी ग्रुप की महिलाओं के साथ साझा करती हैं। मालूम हो कि एसएचजी ग्रुप महिलाओं को आर्थिक स्थिति से मजबूति प्रदान करने और उन्हें काम करने के लिये प्रशिक्षित करती है। ग्रुप में जो राशि एकत्रित होती है, उससे महिलाएं आपस में लोन का लेन-देन करती हैं। फिर उस लोन को कैसे एकत्रित किया जाए उस पर काम करती हैं। सभी ग्रुप की महिला एकत्रित कैसे रहेंगी, उसके संबंध में भी विस्तार से बताया गया। स्वयं सहायता ग्रुप से जुड़ी महिलाओं का कहना है कि इससे काफी हमलोग लाभान्वित हो रही हैं। किसी के पास दया का भीख मांगने नहीं जाना पड़ता है, हमालोग आपस में ही एक दूसरे की मदद के लिये खड़ रहते है। प्रशिक्षण देने में नप प्रबंधक रश्मि कुमारी, बंगाली कुमार, सीमा देवी, संगीता देवी सहित अन्य का सराहनीय सहयोग रहा।

खबरें फटाफट

डुमरांव में नालों की उड़ाही शुरू

डुमरांव। नगर के नया थाना के पास स्टेशन रोड के पश्चिमी रेलवे गुमटी तक नालों का जाल बिछा हुआ है। बरसात और नाले का पानी इसी में जाकर जमा हो जाता है। जिससे लोगों की परेशानियां बढ़ जाती है। गुरुवार से जेसीबी लगाकर गाद की सफाई नगर परिषद करा रहा है। इस संबंध में चेयरमैन सुनीता गुप्ता ने बताया की स्टेशन रोड के सभी रोड कटिंग से गाद को साफ किया जा रहा है। इसके गाद को साफ ही नहीं किया जाएगा, उसमें नाली का निर्माण भी होगा। मालूम हो की स्टेशन रोड से जुड़े कई मोहल्ले बन चुके हैं। उन मोहल्लों में बहुमंजिले इमारतों की भरमार होने के बाद भी नाली की समुचित व्यवस्था नहीं हो पायी है। अधिकांश मोहल्ले के नाली का पानी रोड कटिंग में ही आकर गिरता है। यदि इस रोड कटिंग की सफाई कर नाली का निर्माण करा दिया जाता है तो शहर में प्रवेश करते ही लोगों को स्वच्छ और सुंदर दिखाई पड़ने लगेगा।

गोलीबारी के कारण स्पष्ट नहीं, मामले की छानबीन में जुटी पुलिस

आरा में हथियारबंद बदमाश ने युवक को मारी गोली, इलाजरत

केटी न्यूज/आरा

♦ **जख्मी युवक का निजी अस्पताल में कराया जा रहा है इलाज**

शहर के नवादा थाना क्षेत्र के गोढना रोड मोहल्ले में बुधवार की शाम हथियारबंद बदमाश ने एक युवक को गोली मार दी। जख्मी युवक को गोली दाहिने साइड पेट में लगी है। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इसके बाद परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल से आरा शहर के बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल लाया गया जहां उसका इलाज कराया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार जख्मी युवक नवादा थाना क्षेत्र के गोढना रोड मोहल्ला वार्ड नंबर 44 निवासी गोविंद वर्मा का 24 वर्षीय पुत्र अभिनय कुमार है। उधर घटना को लेकर आसपास के इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना की सूचना मिलते ही नवादा थानाध्यक्ष बिपिन बिहारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में जुट गए हैं। इधर अभिनय कुमार ने बताया कि बुधवार की शाम वह अपने दो अन्य दोस्तों के साथ बाइक से आटा लाने के लिए गोढना रोड जा रहा था। जैसे ही वह बाइक पर बैठ रहा था। तभी उसी थाना क्षेत्र के अनाइठ मोहल्ला निवासी एक युवक आया और उसे गोली मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इसके बाद परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल से आरा शहर के बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल लाया गया। वही दूसरी तरफ जख्मी युवक ने अनाइठ मोहल्ला निवासी देव नामक युवक पर गोली मारने का आरोप लगाया है। साथ ही उसने देव नामक यवक से किसी भी प्रकार की विवाद एवं दुश्मनी की बातों से साफ इनकार किया है। हालांकि युक्त युवक ने उसे गोली क्यों मारी। इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। बहरहाल पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

अगलगी सो रही मासूम बच्ची की मौत

आरा। जिले के संदेश थाना क्षेत्र के बिछियावं गांव में गुरुवार की सुबह पूस के मकान में आग लगने से घर में सो रही एक मासूम बच्ची की जलकर घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना को लेकर गांव एवं आसपास के इलाके में काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृत बच्ची संदेश थाना क्षेत्र के बिछियावं गांव निवासी कमलेश पाल की 4 वषीर्या पुत्री कनिका कुमारी है। इधर मृत बच्ची के रिश्ते में लग रहे दादा बिजेंदर भगत ने बताया कि वह चार बहन है। जिसमें एक बहन पढ़ने व दूसरी बहन अपने ननिहाल गई हुई थी। जबकि एक बहन बाहर खेल रही थी और वह पूस के मकान में चौकी पर अकेले सोई थी। जबकि उसकी मां बाजार गई हुई थी। इसी बीच घर में आग लग गई। जब उसकी बहन घर में पानी पीने गई तो उसने देखा कि घर में आग लगा हुआ है। जिसके बाद वह जोर-जोर से चिल्लाने लगी कि घर में आग लग गया। उसके चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के लोग फौरन वहां आए और स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से घर में लगे आपको बुझाया गया। तब तक मासूम बच्ची की मौत हो गई थी। इसके बाद ग्रामीण द्वारा इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी गई। सूचना पाकर स्थानीय थाना मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया।

मध्य विद्यालयों में होगी नये सत्र से कंप्यूटर की पढ़ाई

डुमरांव। प्रखंड के मध्य विद्यालयों में शिक्षा विभाग ने बच्चों को तकनीक शिक्षा में सुदृढ़ बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। इन विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में कंप्यूटर की पढ़ाई शुरू होगी। इसके लिए विभाग ने कंप्यूटर की पढ़ाई में रुचि रखने वाले शिक्षकों और विद्यालयों की सूची मांगा है। साथ ही जिन विद्यालयों में कंप्यूटर की उपलब्धता नही है, उसकी भी जानकारी देना है। बताया जाता है कि विद्यालयों में कंप्यूटर नहीं होने से बच्चे किताबी ज्ञान को हासिल करते है। लेकिन, कंप्यूटर चलाने के व्यवहारिक ज्ञान से वंचित होते है। ऐसे में विभाग ने नई शिक्षा नीति में कंप्यूटर शिक्षा पर जोर दिया है। विद्यालयों में कंप्यूटर की अनुपलब्धता तकनीकी शिक्षा में बाधक बनी है। प्रखंड परियोजना प्रबंधक निर्भय कुमार ने बताया कि नये सत्र में कक्षा छह से आठ वर्ग में कंप्यूटर पढ़ाने के लिए विभाग ने योजना बनायी है। जिसको लेकर कवायद शुरू की गयी है। विभागीय निर्देश के अनुसार सभी मध्य विद्यालयों में एक कंप्यूटर शिक्षक अनिवार्य रूप से नामित करना है। इन शिक्षको को विभाग द्वारा प्रशिक्षण दिया जायेगा। कंप्यूटर में रुचि रखने वाले शिक्षकों की योग्यता, रुचि, प्रखंड के नाम, स्कूल का नाम आदि की जानकारी मांगी गयी है।

सब्जियों की उचित कीमत नहीं मिलने से देवघर के किसानों में मायूसी

कहा- खेती में मेहनत के अनुरूप नहीं मिल रहा लाभ

देवघर, एजेंसी। झारखंड एक कृषि प्रधान राज्य है. सूबे के ज्यादातर लोग कृषि के माध्यम से ही अपना जीवन-यापन करते हैं. खासकर संथाल परगना क्षेत्र के ज्यादातर लोग खेती के भरोसे ही अपनी आजीविका चला रहे हैं. लेकिन यहां किसानों की हालत बहुत अच्छी नहीं है. देवघर के सारवां प्रखंड के कई किसानों ने कहा कि दिन-रात खेती में लगे रहते हैं, लेकिन मेहनत के हिसाब से उन्हें लाभ नहीं मिल पाता है.

सब्जी की कीमत नहीं मिलने से मायूसी: सारवां प्रखंड के किसान मुरली वर्मा बताते हैं कि सारवां से तीन-चार जिलों में सब्जी का निर्यात किया जाता है. देवघर के सारवां से दुमका, बांका और गिरिडीह जैसे जिलों में प्रतिदिन सब्जी सप्लाई की जाती है, लेकिन किसानों को उनके मेहनत के हिसाब से सब्जी की कीमत नहीं मिलती है.

खेत में बर्बाद हो रहे टमाटर: किसान मुरली वर्मा बताते हैं कि वर्तमान में उन्होंने बीट की खेती की है. बाजार में बीट की कीमत 35 से 40 रुपये प्रति किलो है, लेकिन किसानों को 15 से 20 रुपये ही प्रति किलो रेट मिल रहा है. उन्होंने बताया कि उनके खेत में टमाटर बर्बाद हो रहे हैं, लेकिन बाजार में टमाटर के दाम नहीं मिल पा रहे हैं.

खेती के लिए सिंचाई की सुविधा नहीं: किसान राधिका देवी और किसान मुरली वर्मा ने कहा कि किसानों को देवघर में सरकारी सुविधा उपलब्ध नहीं हो पाती है. इसलिए, किसान पूर्ण संसाधन के साथ खेती नहीं कर पाते हैं. किसानों ने कहा कि जब तक बेहतर सिंचाई की सुविधा नहीं मिलेगी, तब तक देवघर के किसानों को खेती से अच्छी आमदनी नहीं हो पाएगी.

सरकारी योजना के तहत बीज उन्नत योजना, कीटनाशक छिड़काव, अत्याधुनिक मशीन नहीं मिल पा रही है. जिस वजह से किसान खेती नहीं कर पाते हैं. जबकि किसान मुरली वर्मा की मेहनत को देखते हुए कई निजी संस्थाओं ने उन्हें कई इनाम भी दिए हैं और उनके मेहनत के लिए उन्हें प्रोत्साहित भी किया है.

किसानों की समस्याओं पर लेंगे संज्ञान: डीएओ: किसानों की समस्या को लेकर जिला कृषि पदाधिकारी पशुपति ने कहा कि किसानों के लिए सरकार कई योजनाएं चला रही हैं. योजनाओं को किसान तक पहुंचाने के लिए सभी प्रखंड कृषि पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए गए हैं. उन्होंने बताया कि वर्तमान में पीएम किसान योजना और राज्य सरकार की किसान समृद्धि योजना जिले में सभी किसानों के लिए चलाई जा रही है. इसके बावजूद यदि किसानों को लाभ नहीं मिल रहा है तो वह इस पर जरूर संज्ञान लेंगे.

ड्रिप सिस्टम से सिंचाई करने की सलाह

उन्होंने सिंचाई की समस्या पर कहा कि देवघर जिले में पानी की दिक्कत हमेशा से रही है. इस वजह से सिंचाई के लिए किसानों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता है, लेकिन उन्होंने सभी किसानों को सुझाव देते हुए कहा कि यदि ड्रिप सिस्टम से सिंचाई करें तो उन्हें खेती में लाभ मिलेगा और कम पानी में जिले के किसान बेहतर खेती कर पाएंगे.

प्रगतिशील किसानों को किया जाएगा चिन्हित

इसके अलावा जिन किसानों को संसाधन नहीं मिलने के सवाल पर उन्होंने कहा कि प्रखंड कृषि पदाधिकारी के माध्यम से वह सभी प्रखंडों के किसानों की समस्या से अवगत होंगे और प्रगतिशील किसानों को चिन्हित कर उनपर विशेष ध्यान दिया जाएगा. गौरतलब है कि देवघर जिले में किसानों की स्थिति को सुधारने के लिए किए जा रहे प्रयासों का लाभ सभी किसानों को नहीं मिल रहा है. जरूरत है जिला प्रशासन और सरकार किसानों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए द्रुत स्तर पर काम करें.

संक्षिप्त समाचार

होली से पहले स्वास्थ्य विभाग के इन कर्मचारियों को खुशखबरी, बढ़ी 5 हजार सैलरी, एरियर भी मिलेगा

रांची, एजेंसी। स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत बहुद्देशीय कार्यकर्ताओं (एमपीडब्ल्यू) के मानदेय में पांच हजार रुपये की वृद्धि की गई है।

अब उन्हें 20 हजार रुपये मासिक की जगह 25 हजार रुपये का भुगतान होगा। सबसे बड़ी बात यह है कि इसका लाभ एक सितंबर 2024 की तिथि से ही मिलेगा। ऐसे में इन स्वास्थ्य कर्मियों को एरियर का भुगतान किया जाएगा।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने मानदेय बढ़ाने पर कहा है कि राज्य सरकार ने कर्मियों को होली और रमजान का तोहफा देने का काम किया है। यह एमपीडब्ल्यू कर्मियों की मेहनत का सम्मान भी है। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री और विभागीय पदाधिकारियों के प्रति आभार भी प्रकट किया। इधर, एमपीडब्ल्यू कर्मियों ने सरकार के इस निर्णय पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि लंबे समय से मानदेय वृद्धि की मांग हो रही थी, लेकिन अब सरकार ने इसपर निर्णय लिया है। सरकार की यह पहल झारखंड में स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कर्मियों ने इसके लिए मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री और विभागीय अधिकारियों को सम्मानित करने का निर्णय लिया है।

बताते चलें कि बहुद्देशीय कार्यकर्ता मलेरिया उन्मूलन के लिए सैंपल लेने के अलावा कई अन्य स्वास्थ्य योजनाओं में अपनी भूमिका निभाते हैं। सिमरिया विधायक कुमार उज्ज्वल ने बुधवार को विधानसभा के शून्य काल में टंडवा व पिपरवार स्वास्थ्य केंद्र में डायलिसिस सहित अन्य स्वास्थ्य सुविधा के नहीं रहने का मामला उठाया। उन्होंने कहा सिमरिया विधानसभा क्षेत्र के टंडवा व पिपरवार प्रखंड में स्वास्थ्य सुविधा की स्थिति ठीक नहीं है। भवन तो बना दिए गए। परंतु सुविधा आज तक बहाल नहीं किया गया। जमशेदपुर के परसुडीह स्थित सदर अस्पताल में अब सभी चिकित्सकों को समय पर ड्यूटी आना होगा। इसे लेकर सिविल सर्जन डॉ. साहिर पाल ने सख्त निर्देश जारी किया है।

सदन में गूंजा 1.36 लाख करोड़ का मामला, कल्पना बोलीं- लेकर रहेंगे बकाया

रांची, एजेंसी। मूल बजट पर दूसरे दिन वाद-विवाद के दौरान 1.36 लाख करोड़ रुपये बकाया के मामले पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस हुई. इस दौरान झामुमो विधायक कल्पना सोरेन ने दो टूक कहा कि 1.36 लाख करोड़ लेकर रहेंगी. जनता लड़ाई के लिए तैयार है. इस पर भाजपा विधायक नीरा यादव ने कहा कि जनता को गुमराह ना करें. यह बताएं कि पैसे की मांग आखिर किससे हो रही है. अगर केंद्र के पास बकाया है तो विपक्ष हर तरह से सहयोग के लिए तैयार है, लेकिन यहां तो पब्लिक सेक्टर वाली कंपनियों का मामला है.

बकाया राशि के मसले पर क्या बोलीं कल्पना सोरेन: झामुमो विधायक कल्पना सोरेन ने कहा कि बता दीजिए कि 1.36 लाख करोड़ कब हमको देंगी . आप जो भी इंवेस्टमेंट कर रहे हैं, चाहे वो रोड या ट्रेन हो. आपका इंटेंशन है यहां का खजाना ले जाना. कौन-कौन रास्ता से खजाना ले जाना चाहते हैं. अगर कोई नया रास्ता अख्तियार किया है तो बताएं. हवाई जहाज के माध्यम से खजाना ले जाएंगी तो पहले बकाया 1.36 लाख करोड़ दीजिए, नहीं तो झारखंड अपनी लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हो गया है. झामुमो विधायक कल्पना सोरेन ने कहा कि 1.36 लाख करोड़ लेकर रहेंगी. कान में सुना कर रखिएगा. यह झारखंड का पैसा है. भाजपा ने यहां 16 से 18 साल राज किया है. इसके लिए कोर्ट से रोड तक लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हैं. दरअसल, गिरिडीह में 4 मार्च को स्थापना दिवस के दिन सीएम हेमंत सोरेन कह चुके हैं कि झारखंड की अपनी जमीन, अपनी इज्जत, घर का जल अगर यहां से बाहर जाएगा तो सिर्फ यहां के विधायक नहीं, बल्कि यहां की जनता लड़ने के लिए तैयार है. वहीं भाजपा विधायक नीरा यादव ने कहा कि माननीय सदस्या को विश्वास दिला दें कि अगर झारखंड का एक रुपया भी बकाया है तो हम सभी विपक्ष के लोग साथ आएंगे, लेकिन आप स्पष्ट बताएं कि क्या झारखंड का पैसा केंद्र सरकार के पास बकाया है या कंपनियों के पास. पूरे आंकड़े के साथ बताएं, झारखंड की जनता को गुमराह करने का काम ना करें।

अब 17 मार्च को भी रहेगा अवकाश, कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में सर्वसम्मति से हुआ फैसला !

रांची, एजेंसी। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान पोस्टल होली के लिए पूर्व से 12 मार्च से 16 मार्च तक अवकाश घोषित है. 05 मार्च को विधानसभा के स्पीकर कक्ष में कार्यमंत्रणा समिति की बैठक बुलाकर सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि 17 मार्च को भी होली की वजह से सदन की कार्यवाही स्थगित रहेगी. 17 मार्च के लिए पूर्व से लिस्टेड बिजनेस 22 मार्च को होगा. पहले शनिवार होने की वजह से 22 मार्च को अवकाश घोषित था.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, संसदीय कार्यमंत्री राधाकृष्ण किशोर, कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, माले विधायक अरूप चटर्जी, लोजपा (आर) के विधायक, जनार्दन पासवान, भाजपा विधायक डॉ नीरा यादव, कल्पना सोरेन, मथुरा महतो, नवीन सोरेन की उपस्थिति में स्पीकर रबिंद्रनाथ महतो की अध्यक्षता में हुई कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि षष्ठम विधानसभा के वर्तमान बजट सत्र में अब होली का अवकाश 12 से 16 मार्च की जगह 12 से 17 मार्च तक रहेगा. पहले से जो विधायी कार्य 16 मार्च के लिए लिस्टेड थे, अब उसे 22 मार्च को पूरा किया जाएगा. शनिवार 22 मार्च को भी सदन की कार्यवाही आहूत होगी.

भाजपा की वरिष्ठ विधायक और पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ नीरा यादव, पूर्व शिक्षा मंत्री और कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में हर दिन शून्यकाल के लिए माननीयों के प्रश्न जमा करने में हो रही परेशानियों को उठाया. भाजपा विधायक डॉ नीरा यादव ने कहा कि शून्यकाल के लिए हर दिन सिर्फ 25 प्रश्न लिए जाते हैं. सभी विधायकों को अपने अपने क्षेत्र की समस्या के समाधान के लिए प्रश्न लगाने के लिए रात 12 बजे से ही विधानसभा की दौड़ लगानी पड़ती है. नीरा यादव ने बताया कि एक दिन अर्धरात्रि 12 बजकर 03 मिनट पर आकर प्रश्न जमा करने पर 27 वां नंबर मिला, जबकि 25 प्रश्न ही लिए जाते हैं.

कार्यमंत्रणा समिति के ज्यादातर सदस्यों ने बैठक के दौरान शून्यकाल के लिए प्रश्न जमा करने के लिए सुबह 05 से 07 बजे तक विशेष व्यवस्था करने की मांग की. ताकि माननीय सदस्यों को रतजगा नहीं करना पड़े.

मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों को होली गिफ्ट, तीन माह की किस्त भेजने की तैयारी!

रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की लाभुकों के लिए खुशखबरी है. उनको होली गिफ्ट मिलने जा रहा है. इसबार एक साथ तीन माह यानी जनवरी, फरवरी और मार्च का किस्त मिलेगा. हर लाभुक के खाते में 2,500 रु. प्रति माह के हिसाब से तीन माह के 7,500 रु. ट्रांसफर हो जाएंगे. लेकिन पात्रता नहीं रखने के बावजूद आवेदन देकर अगस्त 2024 से दिसंबर 2024 तक का किस्त उठाने वाली लाभुकों को झटका लगने वाला है. सूत्रों के मुताबिक 13 लाख से ज्यादा लाभुकों के खाते में पैसे नहीं जाएंगे.

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सभी जिलों के सामाजिक सुरक्षा कोषांग को तीन माह की किस्त से जुड़ी राशि भेज दी गई है. विभाग के पूर्व के आदेश के तहत अपात्र लाभुकों की छंटनी का काम चल रहा था. इसकी वजह से जनवरी और फरवरी माह की राशि जारी नहीं की गई थी. इसबार पीएफएमएस यानी पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम से लाभुकों के खाते में पैसे ट्रांसफर किए जाएंगे. सबसे खास बात है कि 5 मार्च से जिला स्तर पर राशि ट्रांसफर करने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी.

सूत्रों के मुताबिक मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना पोर्टल से 43,85,357 लाभुकों का पेमेंट लिस्ट डाउनलोड किया जा चुका है. इनमें से 43,08,088 लाभुकों का आधार नंबर डायरेक्ट पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है. लेकिन आधार सीड डाटा में 37,55,233 लाभुकों का नाम दर्ज हुआ है.

सूत्रों का कहना है कि ऐसे में जनवरी, फरवरी और मार्च माह की किस्त 37,55,233 लाभुकों के खाते में ट्रांसफर होगी. शेष 5,52,855 लाभुकों के खाते में आधार सीडिंग के बाद पैसे जाएंगे. टॉप 5 जिलों की बात करें तो सबसे ज्यादा रांची में 3,65,512 लाभुक, गिरिडीह में 3,54,511 लाभुक, धनबाद में 3,09,879 लाभुक, पलामू में 2,84,006 और बोकारो में 2,79,746 लाभुक हैं.

बता दें कि 6 जनवरी 2025 को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रांची के नामकुम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान 56,61,791 लाभुकों के खाते में बढ़ी हुई 2,500 रु. की किस्त जारी की थी. इस लिहाज से देखें तो छंटनी के बाद पात्र लाभुकों की संख्या 43,08,088 हो गई है. इस हिसाब से 13,53,703 लाभुकों को झटका लगने वाला है.

खास बात है कि इस बारे में महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग का कोई भी अधिकारी कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है. वैसे 27 फरवरी को सदन में एसटी, एससी, पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने कहा था कि 15 मार्च से पहले लाभुकों के खाते में जनवरी और फरवरी माह की किस्त चली जाएगी.

मानदेय वृद्धि को लेकर रसोइया संयोजिका का धरना, एमडीएम बंद करने की दी चेतावनी

रांची, एजेंसी। सरकारी विद्यालयों में मध्याह्न भोजन तैयार करने वाली रसोइया संयोजिका सरकार की वादाखिलाफी से खासे नाराज हैं. राज्य सरकार के साथ हुए समझौते को लागू करने की मांग को लेकर रसोईया संयोजिका ने हड़ताल पर जाने की धमकी दी है. अपनी मांगों को पूरा कराने को लेकर बीते 28 फरवरी से पांच दिवसीय आंदोलन के क्रम में मंगलवार को कोल्हान प्रमंडल के रसोईया संयोजिका ने विधानसभा के समक्ष धरना प्रदर्शन कर सरकार से अविलंब समझौते को लागू करने की मांग की. आंदोलन कर रहे रसोईया संयोजिका ने अल्टीमेटम देते हुए कहा कि 6 मार्च तक यदि सरकार मांगों को पूरा नहीं करती है तो विद्यालय में मध्याह्न भोजन बनना बंद हो जाएगा. संघ के प्रदेश कोषाध्यक्ष अनीता देवी केसरी ने सरकार के वादा खिलाफी पर नाराजगी जताते हुए कहा कि समझौते के वक्त यह कहा गया था कि अक्टूबर 2024 से यह लागू हो जाएगा और इसके लिए कैबिनेट में भी पारित हुआ था. लेकिन दुख के साथ यह कहना पड़ रहा है कि यह अभी तक लागू नहीं हुआ है. रसोईया संयोजिका की ये है मांग: आंदोलन कर रहे रसोईया संयोजिका न्यूनतम वेतन लागू करने सहित कई मांगों को पूरा करने के लिए सरकार पर दबाव बना रहे हैं. समझौता के तहत रसोईया को 1 हजार रुपए प्रतिमाह वृद्धि करने, 10 महीने के बजाय 12 महीने का मानदेय देने, साल में दो साड़ी सेट देने और रसोइया का स्थायी नियमावली जब तक नहीं बनता है, तब तक 60 साल की उम्र का बाध्यता समाप्त करने की बात कही गई थी. इसके अलावा संघ का मानना है कि रसोईया संयोजिका को 5 लाख तक का निःशुल्क बीमा के साथ-साथ पीएफ और ग्रेच्युटी लागू करने की बात कही गई थी।

17 मार्च को स्थगित रहेगी विधानसभा की कार्यवाही

रांची, एजेंसी। झारखंड विधानसभा में होली के त्योहार के मद्देनजर 17 मार्च की कार्यवाही स्थगित रहेगी। पहले इस दिवस को कार्यवाही निर्धारित थी। इस निमित्त निर्णय के लिए बुधवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और संसदीय कार्यमंत्री राधाकृष्ण किशोर की उपस्थिति में स्पीकर रबीन्द्रनाथ महतो के कक्ष में कार्यमंत्रणा समिति की बैठक हुई।

तय किया गया कि होली के त्योहार के मद्देनजर सदस्यों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए चालू बजट सत्र के 17 मार्च के कार्यदिवस को स्थगित करते हुए इस दिन होने वाली सदन में समस्त कार्यवाहियों को शनिवार, 22 मार्च को लिए जाने का निर्णय लिया गया। उधर, नागमल मोदी सेवा सदन ब्लड सेंटर के तत्वाधान में झारखंड विधानसभा परिसर में तीन दिवसीय ब्लड डोनेशन कैंप आयोजित किया जा रहा है। ब्लड डोनेशन कैंप में भारी संख्या में लोग रक्तदान कर रहे हैं।

बुधवार को स्पीकर के विशेष कार्य पदाधिकारी विवेक कुमार (गुड्डू), स्टेट प्रोटोकॉल ऑफिसर राहुल कुमार, प्रशाखा पदाधिकारी कौशल कुमार मिश्रा सहित अन्य लोगों ने रक्तदान किया। झारखंड में हेमंत सोरेन कैबिनेट की बैठक बुधवार 12 मार्च को निर्धारित की गई है। मंत्रिमंडल समन्वय एवं निगरानी विभाग ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। होली के पूर्व आयोजित इस बैठक को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं कि इस दौरान कर्मियों और राज्य के लोगों को होली का उपहार देने से संबंधित कुछ निर्णय लिए जा सकते हैं। सदन से बुधवार को वाकआउट करने के बाद मीडिया से बात करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने आरोप लगाया कि विधानसभा अध्यक्ष सदन को मनमाने ढंग से चलाना चाहते हैं। सत्ता पक्ष को बोलने में तरजीह दी जाती और समय भी अधिक मिलता है। वहीं विपक्ष के सदस्य जब बोलने के लिए खड़े होते हैं तो बार बार टोकाटोकी की जाती है। भाजपा विधायक नीरा यादव जब सदन में बोल रही थी तो सत्तापक्ष के विधायकों ने टोका। कहा कि दुर्भाग्यजनक यह है कि आसन से उनको संरक्षण प्राप्त हुआ। नीरा यादव ने जब स्पीकर से टोकाटोकी में बर्बाद समय के बदले समय की मांग की तो अध्यक्ष ने अस्वीकृत कर दिया।

देवघर में स्मार्ट मीटर लगाने के लिए चलाया जाएगा अभियान, विद्युत विभाग ने सेट किया टारगेट

देवघर, एजेंसी। जिले में बिजली की चोरी एक बड़ी समस्या है. शहर के करीब 80% घरों में अब तक स्मार्ट मीटर नहीं लगा है. देवघर के बिजली विभाग के कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार शहर में करीब सवा लाख उपभोक्ता हैं. जिसमें करीब 700 उपभोक्ता ही फिलहाल स्मार्ट मीटर का उपयोग कर रहे हैं.

53 करोड़ रुपये का बिजली बिल माफ: इस संबंध में विद्युत आपूर्ति प्रमंडल देवघर के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर नीरज आनंद बताते हैं कि राज्य सरकार की योजना के तहत देवघर जिले के लोगों का 53 करोड़ रुपये का बिजली बिल माफ किया गया है, वहीं प्रत्येक उपभोक्ता को 200 यूनिट बिजली माफी का लाभ दिया जा रहा है. जिनके घरों में स्मार्ट मीटर लगे हैं वह सरकार की इस योजना का आसानी से लाभ उठा रहे हैं. एग्जीक्यूटिव इंजीनियर नीरज आनंद ने बताया कि जिन घरों में स्मार्ट मीटर नहीं लगे हैं उन घरों की मीटर रीडिंग सही तरीके से नहीं आ पा रही है. इस कारण कई उपभोक्ताओं को 200 यूनिट बिजली फ्री का लाभ नहीं मिल पा रहा.

लोगों को बताए जाएंगे स्मार्ट मीटर के फायदे: उन्होंने बताया कि वर्तमान में जो साधारण मीटर लगे हुए हैं उसमें छेड़छाड़ की वजह से रीडिंग सही नहीं आ पाती है. जिससे कहीं ना कहीं राजस्व का भी नुकसान हो रहा है. उन्होंने कहा कि देवघर के हर घर में स्मार्ट मीटर लगाने के लिए बिजली विभाग के द्वारा अभियान चलाया जाएगा. साथ ही लोगों को स्मार्ट मीटर के फायदे बताए जाएंगे.

महायज्ञ कार्यक्रम में शामिल हुई भाजपा नेत्री लवली

पलामू, एजेंसी। पांकी प्रखंड के बसडीहा स्थित सोनरे नदी तट पर भगवान भास्कर का भव्य मंदिर का कार्य पूर्ण होने के बाद बुधवार को अन्नाधिवास, पुष्पाधिवास, फलाधिवास एवं नगर भ्रमण किया गया. वहीं गुरुवार को प्राण प्रतिष्ठा देव पूजन एवं प्रसाद वितरण के साथ पूर्णाहुति किया जाएगा. बता दें कि कलश यात्रा के साथ भगवान भास्कर प्राण प्रतिष्ठा सह भव्य ज्ञान महायज्ञ कार्यक्रम की शुरुआत रविवार को ही हो गयी थी.

कलश यात्रा कार्यक्रम पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भगवान भास्कर की मूर्ति को गाने बाजे के साथ भगवान भास्कर की जयजयकार करते हुए नगर भ्रमण किया था. भगवान भास्कर प्राण प्रतिष्ठा सह ज्ञान महायज्ञ कार्यक्रम अयोध्या से आए विजय प्रपन्न जी महाराज एवं प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य अवध बिहारी मिश्रा एवं पंडित महावीर पांडे के सानिध्य में शुरू हुआ थी. कलश यात्रा कार्यक्रम के दौरान यज्ञ समिति लवली गुप्ता ने कहा कि कहा कि वर्षों से यह मंदिर अधूरा पड़ा था. लेकिन भगवान भास्कर की कृपा से कुछ महीनों में ही मंदिर का कार्य पूर्ण करवाया गया, जो बेहद हर्ष की बात है.

लवली ने कहा कि करोड़ों की लागत से बना यह भव्य सूर्य मंदिर पांकी प्रखंड को एक अलग पहचान दिलाएगा. मंदिर की भव्यता और दिव्यता लोगों की आस्था को और बढ़ाएगी. उन्होंने यह भी कहा कि यह मंदिर पांकी को पर्यटन के क्षेत्र में विकसित करेगा. बड़े ही गर्व की बात है कि पांकी जैसे छोटे प्रखंड में कई बड़े मंदिरों का निर्माण कार्य कुछ वर्षों में किया गया. उन्होंने मंदिर निर्माण एवं यज्ञ समिति के लोगों की सराहना करते हुए कहा कि यह मंदिर पांकी की पहचान को बढ़ाएगा.

दुमका में पुलिस 2 महिला समेत 7 लोगों को किया गिरफ्तार

डायन बिसाही को लेकर युवक की हत्या मामले में हुई कार्रवाई

दुमका, एजेंसी। जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मालभंडारो पंचायत के फकड़िया गांव में मंगलवार को डायन-बिसाही के शक में महिला की पिटाई और उसके पति बबन राणा पर जानलेवा हमला और बेटे नरेश राणा को पोल में बांधकर पीट-पीट कर हत्या करने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है. पुलिस ने एक ही परिवार की दो महिला समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया. आरोपियों के साथ दो छोटे बच्चे भी हैं.

आरोपियों को भेजा जेल: पुलिस ने गिरफ्तार सभी सात लोगों को बुधवार की शाम कोर्ट में प्रस्तुत कर उन्हें जेल भेज दिया. जेल जाने वालों में दीनू उर्फ दीपक मड़ैया, उनके पुत्र लालबाबू मड़ैया उर्फ चुन्नू मड़ैया, गुलाम मड़ैया, रवि मड़ैया और बब्लू मड़ैया, गुलाम मड़ैया की पत्नी अनीता देवी और लालबाबू मड़ैया की पत्नी अंजली देवी शामिल हैं.

मृतक नरेश राणा की पत्नी ने कराई थी एफआईआर: मंगलवार को मृतक नरेश राणा की पत्नी कोहिनाकी देवी के बयान पर हत्या का मामला दर्ज करने के बाद पुलिस ने रात को आरोपितों के घर पर दबिश दी. उस समय सभी नामजद आरोपित घर में थे. पुलिस को देखकर सभी आरोपित युवकों ने भागने का प्रयास किया लेकिन सफल नहीं हो सके. पांचों पुरुष के अलावा हत्याकांड में शामिल घर की दो महिलाओं को भी गिरफ्तार कर लिया गया. दोनों महिलाओं के साथ उनके दो बच्चे भी हैं. हत्या में प्रयुक्त लोहे की छड़ आदि को जब्त कर लिया गया है. इसमें कुल आठ लोगों को आरोपी बनाया गया था. जिसमें सात की गिरफ्तारी के बाद एक महिला अभी भी फरार है. उसकी तलाश की जा रही है.

एएसपी के नेतृत्व में गठित हुई थी टीम: इस घटना को लेकर पुलिस ने 8 नामजद अभियुक्तों के खिलाफ मुफस्सिल थाना में प्राथमिकी दर्ज की थी. बीएनएस की धारा 191(2), 191(3), 190, 115(2), 117(2),117(4) एवं 103(2) तथा डायन प्रथा प्रतिषेध अधिनियम 2001 की धारा 3/4 के तहत दर्ज इस मामले में अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए प्रशिक्षु अपर पुलिस अधीक्षक सह मुफस्सिल थाना प्रभारी डॉ सैय्यद मुस्तफा हाशमी के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया, जिसने सघन छापेमारी करते हुए आठ में से सात को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया. टीम में रिंगी थाना प्रभारी अनुज कुमार, एसआई नंदन कुमार सिंह शामिल थे.

एसपी ने गिरफ्तारी की दी जानकारी: इस पूरे मामले में जिले के एसपी पीताम्बर सिंह खेरवार ने बताया कि डायन बिसाही को लेकर नरेश राणा की हत्या कर दी गई थी. इस मामले में पुलिस ने सात आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली है, जबकि एक को पकड़ने के प्रयास किया जा रहा है.

सुभाषितम्

सच्चाई से जिसका मन भरा है, वह विद्वान न होने पर भी बहुत देश सेवा कर सकता है। - पं. मोतीलाल नेहरू

शेयर बाजार की गिरावट रोकने रिजर्व बैंक ने झोंके एक लाख करोड़

5 महीने से अधिक हो गए, शेयर बाजार में लगातार गिरावट होने से शेयर बाजार में निवेशकों को लगभग 92 लाख करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान उठाना पड़ा है। लगातार गिरावट को देखते हुए अब रिजर्व बैंक ने मोर्चा संभाला है। रिजर्व बैंक के हस्तक्षेप से शेयर बाजार पिछले दो दिनों से हरे निशान पर देखने को मिल रहा है। रिजर्व बैंक ने 1.1 लाख करोड़ रुपए के गवर्नमेंट बांड जारी करने का ऐलान किया है। रिजर्व बैंक यो पैसा शेयर बाजार में निवेश करेगी। रिजर्व बैंक, शेयर बाजार को गिरने से रोकने के लिए 24 मार्च को 10 अरब डॉलर का डॉलर-रुपया स्वाप सेल की नीलामी करने जा रहा है। शेयर बाजार में लगातार गिरावट का सबसे बड़ा कारण विदेशी पोर्टफोलियो के निवेशकों की बिकवाली को बताया जा रहा है। बैंकों की स्थिति काफी कमजोर हो रही थी। बैंकों की स्थिति सुदृढ़ करने तथा बैंकों में नगदी की तरलता बढ़े। इसके लिये रिजर्व बैंक ने अपना खजाना खोल दिया है। शेयर बाजार को लाभ पर कैपिटल गेन लगाने से निवेशकों का भरोसा भारतीय शेयर बाजार से खत्म हुआ है। शेयर बाजार में लगातार हो रही गड़बड़ी तथा नियामक संस्था सेबी द्वारा कोई कार्यवाही नहीं किए जाने से विदेशी निवेशकों का भारतीय शेयर बाजार में अब कोई भरोसा नहीं रह गया है। जिसके कारण विदेशी निवेशक अपने अपने निवेश को निकालकर अन्य देशों में निवेश कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में भारतीय बैंकों और शेयर बाजार को सहारा देने के लिए, रिजर्व बैंक को आगे आना पड़ा है। रिजर्व बैंक 12 मार्च और 18 मार्च को 100000 करोड़ रुपए का ओपन मार्केट में बैंकों के जरिए निवेश करेगा। 10 अरब डॉलर की यूएसडी आईएनआर की नीलामी करेगा। रिजर्व बैंक, शेयर बाजार को मजबूती देने के लिए सामने आया है। भारतीय शेयर बाजार को लेकर देशी एवं विदेशी निवेशकों में निराशा का माहौल बना हुआ है। देश की अर्थव्यवस्था इस दौर में सबसे ज्यादा निराशाजनक दौर में है। जीडीपी के आंकड़े 14 महीने में सबसे नीचे लेवल पर हैं। देश और विदेशी कर्ज बढ़ता चला जा रहा है। महंगाई, बेरोजगारी का असर बाजार में है। मांग एवं उत्पादन घट रहा है। अमेरिका द्वारा टैरिफ बढ़ाये जाने का असर निर्यात और शेयर बाजार में देखने को मिल रहा है। पिछले कुछ महीनों में शेयर बाजार की गिरावट को रोकने के लिए बैंकों और भारतीय वित्तीय संस्थाओं द्वारा पहले भी प्रयास किए गए हैं। शेयर बाजार में जो भी निवेश पिछले दिनों में किया गया, वह देखते ही देखते बाजार से गायब हो गया है। पिछले कुछ वर्षों से शेयर बाजार के लेनदेन में लगातार गड़बड़ियां हो रही हैं। कृत्रिम तरीके से बाजार में तेजी चलाई गई थी। इसका फायदा बड़े-बड़े पूंजीपतियों ने उठाया है। भारत के शेयर बाजार से मुनाफा वसूली करके भारतीय निवेशकों ने भी अपना धन विदेशों में लगाया है। भारत का विदेशी मुद्रा का भंडार लगातार कम हो रहा है। वैश्विक अनिश्चितता के चलते निवेशकों का भारतीय शेयर बाजार पर भरोसा नहीं रहा। जिसके कारण यह माना जा रहा है। रिजर्व बैंक शेयर बाजार को थामने के लिए जो प्रयास कर रहा है, उससे देश की अर्थव्यवस्था भविष्य में और भी बिगड़ सकती है। बिकवाली के इस दौर में निवेशक पैसा निकालेंगे। इससे बाजार में डाला गया पैसा भी बाजार से निकल जाएगा। केंद्र सरकार को भारतीय शेयर बाजार की गिरावट को रोकने के लिए, अपनी नीतियों में परिवर्तन करना होगा। कैपिटल गेन टैक्स कम करने या हटाने का निर्णय लेना होगा। नियामक संस्था सेबी के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करनी होगी। निवेशकों को भरोसा दिलाना होगा, शेयर बाजार में उनका निवेश सुरक्षित है। जिस तरह से सेबी प्रमुख माधवी पुरी बुच को बचाने का काम सरकार एवं नियामक संस्था द्वारा किया जा रहा है। उसके कारण भी शेयर बाजार में भगदड़ की स्थिति बनी है।

चिंतन-मनन

सुखी जीवन की राह

एक राजा हमेशा तनाव में रहता था। एक दिन उससे मिलने एक विचारक आया। उसने राजा से उसकी परेशानी पूछी तो वह बोला – मैं एक सफलतम राजा बनना चाहता हूं, जिसे प्रजा का हर व्यक्ति पसंद करे। मैंने अब तक अनेक सफल राजाओं के विषय में पढ़ा और उनकी नीतियों का अनुसरण किया, किंतु मुझे वैसी सफलता नहीं मिली। लाख प्रयासों के बावजूद मैं एक अच्छा राजा नहीं बन पा रहा हूं।

राजा की बात सुनकर विचारक ने कहा- जब भी कोई व्यक्ति अपनी प्रकृति के विपरीत कोई काम करता है, तो यही होता है। राजा ने हैरानी जताते हुए कहा – मैंने अपनी प्रकृति के विपरीत क्या काम किया? विचारक बोला – तुम्हें बाकी लोगों पर हुक्म चलाने का अधिकार प्रकृति ने नहीं मिला है। तुम जब बाकी लोगों की तरह साधारण जीवन बिताओगे, तभी तुम्हें आनंद मिलेगा। जंगल में रहने वाले शेर को उसकी खाल की वजह से शिकार बनना पड़ता है, क्योंकि वह बहुत कीमती होती है।

इसी वजह से वह रात में शिकार पर निकलता है, इस भय से कि सुंदर खाल के कारण उसे कोई मार न डाले। शेर तो अपनी खाल को नहीं त्याग सकता, किंतु तुम अपनी सफलता के लिए स्वयं को राजा मानना छोड़ सकते हो। जब तक स्वयं को राजा मानते रहोगे, दुख ही पाओगे। राजा को विचारक की बात समझ आ गई और उस दिन से वह सुखी हो गया। दरअसल अपेक्षा दुख का कारण है। इसलिए किसी से कोई अपेक्षा न रखें और कर्म करते हुए सहज जीवन जिएं तो निर्मल आनंद की अनुभूति सुलभ हो जाती है।

इलाज पर खर्च होने वाले व्यय को कम करता है जन औषधि

कुमार कृष्णन

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के अंतर्गत सरकार का उद्देश्य लोगों को ब्रांडेड महंगी दवाइयों के स्थान पर गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाइयां प्रदान करना है। सरकार के प्रयास के बावजूद अभी भी देश में बड़े पैमाने पर जेनेरिक दवाओं का प्रयोग नहीं हो पा रहा है। समय आ गया है कि सामुदायिक स्तर पर जेनेरिक दवाओं को प्रोत्साहित किया जाए। देश में बढ़ती महंगाई के दौर में लोगों को सस्ती और गुणवत्ता युक्त दवाईयों के जरिए स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराना बहुत जरूरी है। प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना का मुख्य मकसद जन औषधि परियोजना के तहत देश की जनता को उच्च गुणवत्ता युक्त जैनेरिक दवाईयां सस्ते दामों पर उपलब्ध कराना है। जेनेरिक दवाइयों को बढ़ावा देना जिससे प्रति व्यक्ति इलाज पर खर्च होने वाले व्यय को कम किया जा सके। पिछले 10 वर्षों में जन औषधि परियोजना ने आम जनता के लगभग 30 हजार करोड़ रुपए बचाये हैं। भारतीय औषधि और चिकित्सा उपकरण ब्यूरो (पीएमबीआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री रवि दाधीच के मुताबिक वित्त वर्ष 2022-23 में 1236 करोड़ रुपए की दवाईयां जन औषधि केंद्रों के माध्यम से बेची जा चुकी हैं, जिसके माध्यम से देश की आम जनता के लगभग 7000 करोड़ रुपए बचा चुके हैं क्योंकि जन औषधि केंद्रों पर मिलने वाली दवाइयों की कीमतें बाजार में बिक रही दवाइयों की तुलना में 50 से 80 प्रतिशत तक कम हैं। इसी प्रकार वित्त वर्ष 2023-24 में 1470 करोड़ रुपए की बिक्री की गयी है जिससे आम जनता के लगभग 7350 करोड़ रुपए बचाये गए हैं। चालू वित्त वर्ष में 28.02.2025 तक 1767 करोड़ रुपए की बिक्री कर ली गयी है। पिछले दस वर्षों में जन औषधि केंद्रों की संख्या में लगभग

185 गुना की वृद्धि हुई है और इसी प्रकार जन औषधि की दवाइयों की बिक्री भी 200 गुना से ज्यादा बढ़ी है।

सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत सभी को सस्ते मूल्यों पर गुणवत्ता युक्त जेनेरिक औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और जेनेरिक औषधियों को बढ़ावा देने के लिए, प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केन्द्र खोले गए हैं। देश भर में 28.02.2025 तक 15,000 से अधिक जन औषधि केंद्र खोले जा चुके हैं। इन केंद्रों में सरकार द्वारा खरीदी गयी जेनेरिक दवाइयां बेची जा रही हैं जिनके मूल्य खुले बाजार में उपलब्ध ब्रांडेड दवाईयों के मूल्यों की तुलना में 50-80 प्रतिशत तक कम होते हैं। वर्तमान में इन केन्द्रों पर 2047 दवाइयां एवं 300 अन्य सर्जिकल आदि उत्पाद उपलब्ध हैं। प्रधानमंत्री जन औषधि परियोजना बिहार के नोडल पदाधिकारी कुमार पाठक के अनुसार प्रधानमंत्री जन औषधि योजना अंतर्गत अभी तक सभी प्रमुख श्रेणियों की दवाईयां जैसे कि मधुमेह, रक्तचाप, गैस्ट्रो, आदि की दवाएं उपलब्ध हैं। जनऔषधि केन्द्रों से बिकने वाली दवाइयों के प्रत्येक बैच को एन-एबीएल प्रमाणित प्रयोगशाला से परीक्षण कराया जाता है। वहीं पी. एम. बी. आइ. ने आयुष प्रोडक्ट्स जैसे त्रिफला, शिलाजीत, अश्वगंधा और च्यवनप्राश मोरिंगा जैसे प्रोडक्ट्स भी सस्ते दामों पर जन औषधि केंद्रों के जरिए उपलब्ध कराये हैं। पी एम बी आइ. अनेक प्रकार के फूड प्रोडक्ट्स जो की एफ एस एस ए आई के अंतर्गत आते हैं उनको भी जन औषधि केंद्रों पर उपलब्ध करवाता है। पिछले दस वर्षों में जन औषधि केंद्रों की संख्या में लगभग 185 गुना की वृद्धि हुयी है और इसी प्रकार जन औषधि की दवाइयों की बिक्री भी 200 गुना से ज्यादा बढ़ी है। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के अंतर्गत 29 से भी ज्यादा विभिन्न श्रेणियों की दवाईयों को रखा गया है। जैसे एंटीबायोटिक्स और एंटी-इन्फेक्टिव, एंटी-एलर्जिक, एंटी-कैंसर, गैस्ट्रो-इंटेस्टाइनल एजेंट, एंटी डायबिटिक, विटामिन और मिनरल्स, कार्डियोवैस्कुलर दवाएं, फूड सप्लीमेंट्स न्यूट्रास्यूटिकल्स, एनाल्जेसिक और एंटीपायरेटिक्स मेडिकल सर्जिकल इत्यादि। वहीं 300 सर्जिकल उपकरण एवं अन्य उत्पादों को भी रखा गया है। इनमें मास्क, दाने, आर्थोपेडिक रिहैबिलिटेशन प्रोडक्ट्स, डायपर, सर्जिकल ड्रेसिंग, रक्त स्लाइड, सीरिंज और सुई, ऑक्सीमीटर, सेनिटरी नेपकिन, ग्लिसरीन टेस्ट किट हैं इन दवाइयों को डब्लू एच ओ – जी एम पी सर्टिफाइड दवा उत्पादक कंपनियों से ही खरीदा जाता है। देश के हर हिस्से में दवाइयां पहुंचाने के लिए एक सुदृढ़ व्यवस्था की गयी है जिसके लिए डब्लू एच ओ गाइडलाइन्स पर आधारित केंद्रीय वेयरहाउस गुरुग्राम एवं चार क्षेत्रीय गोदाम जो की गुवाहाटी, सूरत, चेन्नई एवं बेंगलुरु में स्थित हैं। इसके अलावा 39 डिस्ट्रीब्यूटर की भी नियुक्ति की गयी गई है जहां से देश भर के जन औषधि केंद्रों को दवाइयां मुहैया कराई जाती हैं। केंद्रीय गोदाम, क्षेत्रीय गोदाम, डिस्ट्रीब्यूटर एवं जन औषधि केंद्रों को पूरी तरह से एस.ए.पी आधारित सॉफ्टवेयर से जोड़ा गया है साथ ही साथ सभी केन्द्रों पर पॉइंट ऑफ सेल सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन भी लगाया गया है जिससे दवाइयों की आपूर्ति ठीक समय से हो सके एवं देश के किसी भी केंद्र पर दवाइयों की कमी न हो। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना का विस्तार करते हुए अब तक देश में 15000 से अधिक जन औषधि केंद्र खोले जा चुके हैं, जन औषधि परियोजना के तहत अब तक पूरे देश के 36 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के सभी जिले इस योजना के तहत लाभान्वित हो चुके हैं। सरकार ने इन केंद्रों की संख्या बढ़ाकर मार्च 2027 तक 25000 करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना के द्वारा रोजगार के नए अवसर भी पैदा कर रहा है। जन औषधि केंद्र कोई भी व्यक्तिगत व्यक्ति, फार्मासिस्ट, डॉक्टर, एनजीओ, ट्रस्ट, सोसाइटी, कोऑपरेटिव इत्यादि, जिनके पास 120 वर्ग फुट की दुकान हो एवं एक प्रशिक्षित फार्मासिस्ट उनके पास हो, जन औषधि केंद्र खोल सकता है। जन औषधि केंद्र खोलने के लिए आवेदन आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। ऑनलाइन आवेदन की व्यवस्था भी वेबसाइट पर उपलब्ध है। आवेदन करने के पश्चात पी. एम. बी. आई. हेड ऑफिस से प्रोविजनल अप्रूवल लेटर जारी किया जाता है जिसके आधार पर प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र के नाम पर लाइसेंस लेने के लिए लाइसेंसिंग अथॉरिटी को अप्लाई कर सकते हैं। लाइसेंस मिलने के बाद आप पी. एम. बी. आई. से दवाइयां ले सकते हैं। जन औषधि केंद्र संचालक को सरकार की तरफ से मासिक खरीद पर 20% की दर से प्रोत्साहन राशि दी जाती है, जिसकी अधिकतम सीमा 20,000/- रुपये प्रति माह होगी। इस योजना की न्यूनतम निवेश अनिवार्यता रखी गई है। महिला उद्यमी, दिव्यांग, सेवानिवृत्त सैनिक, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति, नार्थ ईस्टर्न स्टेट्स, पर्वतीय क्षेत्रों के आवेदकों को 2.00 लाख रुपए की वित्तीय सहायता फर्नीचर तैयार करने के लिए अलग से दी जाती है बिल्डिंग करने के लिए एक इंसेंटिव भी दिया जाता है। प्रचार-प्रसार सामग्री भी केंद्र संचालक को उपलब्ध कराई जाती है उद्यमिता और ऊंचाइयों मॉडल पर आधारित यह योजना नियमित कमाई के साथ-साथ स्वरोजगार का एक अच्छा स्रोत भी प्रदान कर रही है। भारत में जेनेरिक दवाओं के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा कई कदम उठाए गए हैं, इसलिए नियमित आधार पर बिक्री बढ़ रही है जिससे उद्यमियों को अधिक आय का लाभ हो रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों के लिए, देश के आंतरिक हिस्सों में परियोजना का लाभ लोगों तक पहुंचाने के लिए पीएमबीजेपी को सहकारी क्षेत्र के साथ एकीकृत किया गया है। इसका उद्देश्य ग्रामीणों और उद्यमियों को पीएमबीजेपी का लाभ पहुंचाना है जो अपना खुद का व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं। 28 फरवरी 2025 तक 2700 से ज्यादा पैक्स को जन औषधि केंद्र खोलने हेतु प्रारंभिक अनुमोदन पत्र दिया गया है जिनमें से 727 जन औषधि केंद्र खुल चुके हैं।

स्टालिन का हिंदी विरोध स्वीकार्य नही !

डॉ श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के हिंदी विरोध के खिलाफ तमिलनाडु के भीतर ही आवाज उठने लगी है जिनमें तो आइटी कंपनी जोहो के संस्थापक श्रीधर वेम्बू ने तमिलनाडु के युवाओं से हिंदी सीखने की अपील की है। उनके साथ ही हिंदी भाषा को राजनीति से दूर रखने का भी अनुरोध किया है। उन्होंने लिखा है, आइए हिंदी सीखें जो मुख्यमंत्री के हिंदी विरोध का प्रतिवाद कहा जा सकता है। तमिलनाडु में हिंदी विरोध की राजनीति अब बेमानी हो गई है। श्रीधर वेम्बू को माने तो उनकी कंपनी में काम कर रहे तमिलनाडु के युवाओं को हिंदी न जानने के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। वेम्बू के अनुसार, उनकी कंपनी मुंबई, गुजरात समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में अपनी सेवाएं दे रही है, लेकिन हिंदी न जानने के कारण तमिलनाडु के कर्मचारियों को हिंदी बेल्ट नहीं भेजा जा सकता। हिंदी न जानने के कारण उन्हें खुद भी कठिनाई होती है। इस कारण वे पिछले पांच सालों से हिंदी सीख रहे हैं और अब हिंदी की बातचीत को 20 प्रतिशत तक समझ लेते हैं। हिंदी के प्रति उनके रुझान का कई लोगों ने समर्थन किया है। बेंगलुरु में एक आइटी कंपनी में काम करने वाले तमिलनाडु के एक युवा ने स्वीकार किया कि हिंदी न आने के कारण वे सहकर्मियों के साथ संवाद में खुद को अलग-थलग पाते हैं। तमिलनाडु में सीबीएसई स्कूलों में 10 लाख बच्चे हिंदी पढ़ रहे हैं इसी तरह दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा की परीक्षा में पांच लाख छात्रों ने भाग लिया है। तमिलनाडु के 48 प्रतिशत छात्र हिंदी पढ़ रहे हैं। तमिलनाडु के देहात में भी सीबीएसई स्कूल तेजी से खुल रहे हैं। केवल गरीब परिवारों के बच्चे, जो इन निजी स्कूलों की फीस नहीं दे सकते, सरकारी स्कूलों में पढ़ने को मजबूर हैं, वे हिंदी से सरकार की हठधर्मिता के कारण वंचित रह जाते हैं। हिंदी विरोध सन 1968 को तरह राजनीतिक मुद्दा न बनता देख मुख्यमंत्री स्टालिन के सुर भी बदलने लगे हैं। अब वे हिंदी विरोध को संस्कृत के विरोध से जोड़कर बचाव की मुद्रा में हैं। उनके अनुसार, हिंदी की आड़ में केंद्र सरकार संस्कृत भाषा को थोपने की कोशिश कर रही है। उनका यह भी आरोप है कि हिंदी ने 25 क्षेत्रीय भाषाओं को खत्म कर दिया है, उनका यह आरोप भी सत्यता से परे है, क्योंकि हिंदी किसी भी भाषा का वजूद खत्म नहीं करती बल्कि उसे पोषित करती है फिर चाहे वह भोजपुरी, मैथिली, अवधी, ब्रज, बुंदेली, गढ़वाली, कुमाऊंनी, मगही, मारवाड़ी, मालवी, छत्तीसगढ़ी, संथाली, अंगिका, हो, खड़िया, खोरठा, कुरमाली, कुरुख, मुंडारी, और कई सारी भाषाएं ही क्यों न हो, उनका अस्तित्व कभी खत्म नहीं हो सकता।

स्टालिन हिंदी को मुखौटा और संस्कृत छुपा हुआ चेहरा मानते हैं। द्रविड़ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री सीएन अन्नादुरई ने दशकों पहले दो भाषा नीति लागू की थी। इसका मकसद यह था कि तमिल के लोगों पर हिंदी-संस्कृत की आर्य संस्कृति को न थोपा जाए। उनकी इस नीति को भी उन्हें के राज्य में पर्याप्त समर्थन नहीं मिल पाया। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति यह सुनिश्चित करती है कि विद्यार्थी अपनी पसंद की भाषा सीख सकें जिसमें 3 भाषाएं सीखनी होंगी, लेकिन किसी भाषा को अनिवार्य नहीं किया गया है। राज्यों और स्कूलों को यह तय करने की आजादी है कि वे कौन-सी 3 भाषाएं पढ़ाना चाहते हैं। नई शिक्षा नीति में प्राइमरी कक्षाओं में पढ़ाई मातृभाषा या स्थानीय भाषा में करने की सिफारिश की गई है। वहीं, मिडिल कक्षाओं में 3 भाषाओं की पढ़ाई करना अनिवार्य किया गया है। गैर-हिंदी भाषी राज्य में यह अंग्रेजी या एक आधुनिक भारतीय भाषा होगी। सेकेंड्री सेक्शन यानी 11वीं और 12वीं में स्कूल चाहें तो विदेशी भाषा भी विकल्प के तौर पर दे सकेंगे। गैर-हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी दूसरी भाषा के रूप में अपनाई जा सकती है, साथ ही हिंदी भाषी राज्यों में दूसरी भाषा के रूप में कोई अन्य भारतीय भाषा जैसे- तमिल, बंगाली, तेलुगु आदि हो सकती है किसी भाषा को अनिवार्य नहीं किया गया है। राज्यों और स्कूलों को यह तय करने की स्वतंत्रता है कि वे कौन-सी तीन भाषाएं पढ़ाएंगे। हिंदी सबसे अधिक बोली जाने वाली संसार की तीसरी भाषा है। भारत के साथ साथ मॉरीशस, सूरीनाम, गुयाना, अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश, सूरीनाम, त्रिनिदाद, साउथ अफ्रीका में हिंदी बोलने व हिंदी में लिखने वालों की संख्या बढ़ी है। अमेरिका, यूरोप, एशिया व खाड़ी के देशों में भी हिंदी का निरंतर विकास हुआ है। रूस के कई विश्वविद्यालयों में हिंदी साहित्य में शोध हुआ है। हिंदी साहित्य में जितना अनुवाद रूस ने कराया, उतना किसी अन्य भाषा के साहित्य का नहीं कराया गया। यह हिंदी के प्रति बढ़ते रुझान का प्रमाण है। हम हिंदी को मात्र भारत की भाषा तक ही सीमित नहीं रख सकते। अ, आ, इ, ई, ओ, आदि हिंदी के अक्षरों में जो स्वर ध्वनि उनके उच्चारण से प्रकट होती है वही ध्वनि नवजात शिशु के रुदन से भी प्रकट होती है। संसार के सभी नवजातों के रुदन की ध्वनि एक ही प्रकार की है इसलिए हम कह सकते हैं कि हिंदी तो मनुष्य के जन्म की भाषा है। अपने देश की विभिन्न भाषाओं में से सबसे अधिक प्रभावी किसी एक भाषा को चुनकर उसे राष्ट्रीय अस्मिता का एक आवश्यक उपादान समझते हुए जब सम्मान व आत्मसात किया जाता है तो वही भाषा राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य हो जाती है। चूंकि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान हिंदी स्वतंत्रता सेनानियों के सम्पर्क की भाषा रही, इसलिए हिंदी राष्ट्रभाषा कहलाई। वास्तव में राष्ट्रभाषा शब्द कोई संवैधानिक शब्द नहीं है, बल्कि यह एक व्यावहारिक व जनमान्यता प्राप्त शब्द है हिंदी जिसे हम राष्ट्रभाषा मानते हैं, सामाजिक, सांस्कृतिक स्तर पर देश को जोड़ने का काम करती है। इसकी प्राथमिकता देश में विभिन्न समुदायों के बीच भावनात्मक एकता स्थापित करना भी है ऐसे में स्टालिन जैसे लोग अगर हिंदी के विरुद्ध जहर उगलते हैं तो वह कदापि उचित नहीं है।

व्यापार युद्ध भारत के लिए कितना फायदेमंद होगा

सच्चिदानंद शेकटकर

दूसरी बार बने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने चुनाव के दौरान लिए गए वादों को निभाने में बड़ी तत्परता के साथ जुट गए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति ने निर्यात शुल्क बढ़ाकर ट्रेड वार यानी व्यापार युद्ध छेड़ दिया है। ट्रंप ने जो ट्रेड वार छेड़ने का एक तरफा फैसला किया है अब उसको जवाब मिलना भी शुरू हो गया है। अब यहां वैश्विक ट्रेड वार की शुरुआत करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने कनाडा, मेक्सिको और चीन से आयात होने वाले कई उत्पादों पर अतिरिक्त शुल्क लगा दिया है। अमेरिका ने जहां कनाडा और मेक्सिको से स्टील, अल्युमिनियम समेत कई वस्तुओं और अन्य उत्पादों के आयात पर 25 प्रतिशत टैक्स लगा दिया है जबकि कनाडा के ही ऊर्जा उत्पादों के आयात पर अमेरिका ने 10 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है। अमेरिका ने चीन से होने वाले हर आयात पर 20 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है पहले यह शुल्क 10 प्रतिशत था। अमेरिका ने शुल्क लगाने का जो बड़ा फैसला किया है वहीं चीन और कनाडा ने भी अमेरिका पर जवाबी टैरिफ लगा दिया है। चीन ने भी अमेरिका से आयात कई कृषि उत्पादों जैसे चिकन, गेहूं, मक्का और कपास पर 15 प्रतिशत शुल्क लगाने का जवाबी ऐलान कर दिया है। वर्ष 2025 में चीन ने अमेरिका से 33 अरब डॉलर के कृषि उत्पाद आयात किए थे जिस पर अब असर पड़ेगा और इसमें चीन को नुकसान भी होगा। वहीं दुनिया के दो बड़े देश अमेरिका और चीन अपने चार महीने पहले से ही के बीच जो व्यापार युद्ध छिड़ा है उसके असर का भी आकलन किया जा रहा है। आकलन इस बात का भी किया जा रहा है कि इस व्यापार युद्ध से भारत को कितना फायदा होने जा रहा है। यह उम्मीद की जा रही है कि इस व्यापार युद्ध से भारत से अमेरिका को निर्यात में 10 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हो सकती है। भारत से कुल 6.48 लाख करोड़ रुपए का निर्यात अमेरिका को हो सकता है अभी भारत अमेरिका को 7.63 करोड़ रुपए के सामान का निर्यात और 3.65 लाख करोड़ रुपए का आयात करता है। यह व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में है। भारतीय निर्यातकों को अमेरिका में निर्यात बढ़ाने में मदद मिलेगी। जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने 2019 में चीन पर अधिक टैरिफ ड्यूटी लगाई थी तभी भारत ही सबसे बड़ा लाभ पाने वाला देश बन गया था। विशेषज्ञों का यह मानना है कि व्यापार युद्ध से भारत को फायदा उठाने के लिए तुरंत ही तैयारी करना चाहिए। भारत को तीन मोर्चों पर तुरंत काम करना होगा। यह तीन मोर्चे हैं प्रोडक्शन, सोच और डिमांड। प्रोडक्शन बढ़ने से रोजगार में फायदा मिलेगा लोगों की जेब में ज्यादा पैसा आएगा तो बाजार में डिमांड बढ़ने वाली है इससे इकोनॉमी की ग्रोथ रेट बढ़ जाएगी यह तीनों फैक्टर भारत के पक्ष में जा सकते हैं। लेकिन विदेशी निवेशकों को रोकना भी भारत के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। वहीं अमेरिका द्वारा छेड़े गए ट्रेड वॉर को लेकर इस बार से जुड़े हुए चीन का यह कहना है कि अमेरिका युद्ध चाहता है तो हम अंत तक लड़ने के लिए तैयार हैं फिर चाहे वह टैरिफ वार हो या ट्रेड वार हो या और कोई युद्ध हो।

आज का राशिफल

राशि	फल	राशि	फल
मेष	आज दिन खुशियों भरा रहेगा। आपकी महत्वाकांक्षाएं पूर्ण होंगी और किस्मत का साथ मिलेगा।	तुला	आज करियर के मामले में लाभ होगा आपको हर कार्य में लाभ और सफलता प्राप्त होगी।
वृषभ	तरक्की मिलेगी। कार्यक्षेत्र में अधिकारी या व्यापार में किसी व्यापारी से अनबन हो सकती है। सावधान रहें।	वृश्चिक	दिन उथल-पुथल भरा रहेगा। और परेशानियां आएंगी। शाम तक उनसे निपटने पर लाभ होगी।
मिथुन	आज दिन सफलता और तरक्की से भरा रहेगा। व्यापार में भाग्य का साथ देगा।	धनु	आज दिन सफलता और तरक्की से भरा रहेगा। आसपास के वातावरण से लाभ होगा।
कर्क	आज सफलता मिलेगी। तरक्की के योग हैं और आपको भाग्य का साथ मिलेगा।	मकर	लाभ होगा। तरक्की मिलेगी। घर में पत्नी या बच्चे की तबीयत खराब हो सकती है।
सिंह	आज दिन भाग्यशाली है। सफलता मिलेगी और आपका दिन शुभ होगा। जो काम चल रहे हैं।	कुंभ	आज करियर में लाभ होगा। किसी बड़ी सफलता की खुशी मिलेगी।
कन्या	आज लाभ होगा और आपके लिए धन संपत्ति के योग बन रहे हैं। समाज में मान प्रतिष्ठा बढ़ेगी।	मीन	आज दिन बच्चों की तरफ से खुशियां लेकर आएगा और आप उनके करियर को लेकर खुश होंगे।

विशेष

बिहार की राजनीति मे लालू बिना सब सून

बिहार की राजनीति लालू के बिना नहीं हो सकती है। लंबे समय से नितीश बाबू बिहार के मुख्यमंत्री बने हुए हैं। लालू यादव के शासन को जंगल राज बताकर वह सत्ता में आए थे। बिहार में अभी भी जंगल राज कायम है। नीतीश बाबू ने अपने आप को सुशासन का प्रतीक बनाकर अपने आप को सुशासन बाबू बना लिया है। लालू यादव को जंगल राज का प्रतीक बताकर अभी भी बिहार का चुनाव लालू के खिलाफ लड़ने की तैयारी की जा रही है। नितीश बाबू यह नहीं बता रहे हैं कि उन्होंने 15 साल में जो विकास किया, वह कहां है। जंगल राज अभी तक खत्म क्यों नहीं हुआ। कहा जा रहा है, लालू के बिना बिहार में राजनीति संभव नहीं है। जैसे बिहार में लालू के बिना सब सून है। इसी तरह बिहार में लालू बिना सब सून है।

मायावती ने जान बचाने भतीजे को कुर्बान किया

बसपा प्रमुख सुश्री मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के सभी पदों से हटा दिया है पिछले डेढ़ साल में यह दूसरी घटना है। जब मायावती ने अपने सगे भतीजे आकाश आनंद के खिलाफ इतना सख्त कदम उठाया है। मायावती ने आकाश आनंद को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया था। उत्तराधिकार तो उसे मिला नहीं, उल्टे पार्टी से बाहर जाना पड़ा। राजनीतिक हलके में कहा जा रहा है मायावती की जान भाजपा (ईडी) के पास कैद है। आकाश आनंद में जवानी का जोश है। वह भविष्य की चिंता नहीं कर रहा है। मजबूरन मायावती को उसे पार्टी से बाहर निकालना पड़ा। मायावती की जान बच गई, लेकिन आकाश आनंद की बलि उन्हें चढ़ानी पड़ी है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1573 तुर्की और वेनिस के बीच युद्ध समाप्त हुआ था. 1793 फ्रांस ने स्पेन के खिलाफ जंग का ऐलान किया और मार्च पर भी हमला किया. 1835 यूरोपीय साहित्य और विज्ञान को भारत में बढ़ावा देने के लिए अंग्रेजी भाषा को शिक्षा का माध्यम बनाया गया. 1876 मिस्र को इथोपियाई फौजों से हार का सामना करना पड़ा. 1911 साहित्यकार स.ही.वात्स्यायन का जन्म. 1951 ईरान के प्रधानमंत्री अली रजमारा की हत्या हुई. 1957 पंडित गोविंद वल्लभ पंत का निधन. 1957 इंडोनेशिया में राष्ट्रपति सुकर्णो के स्थान पर मेजर जनरल सुहार्तो कार्यकारी राष्ट्रपति बने. 1969 परमाणु अप्रसार संधि और आक्रमण से कमजोर देशों की रक्षा करने का संकल्प लिया. 1977 सऊदी अरब ने अफ्रीका को अश्वेत देशों को एक अरब डॉलर देने की घोषणा की. 1991 इराक में राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन की फौजों ने विद्रोह के बाद बसरा के चार सौ लोगों को मौत के घाट उतार दिया. 1998 अटल बिहारी वाजपेयी भाजपा पार्टी के संसदीय दल नेता बने.

दैनिक पंचांग

7 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

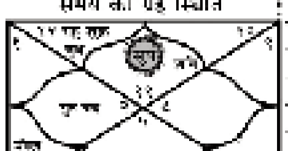

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	05.42 बजे से
चंद्र	वृष में	मेष	08.13 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृष	09.53 बजे से
बुध	मीन में	मिथुन	11.51 बजे से
गुरु	वृष में	कर्क	14.05 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	16.21 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	18.33 बजे से
राहु	मीन में	तुला	20.44 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	22.58 बजे से
		धनु	01.14 बजे से
		मकर	03.19 बजे से
		कुंभ	05.05 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

शुक्रवार 2025 वर्ष का 66 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम ऋतु शिशिर।
विक्रम संवत 2081 शक संवत 1946
मास फाल्गुन पक्ष शुक्ल
तिथि अष्टमी 09.19 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मृगशीर्ष 23.32 बजे को समाप्त।
योग प्रीति 18.15 बजे को समाप्त।
करण बव 09.19 बजे तदन्तर बालव 20.44 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 07.0 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 05° 16'
सूर्य उत्तरायण
कलि अहर्गण 1872276
जूलियन दिन 2460741.5
कलियुग संवत 5125
कल्पारंभ संवत 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत 1955885125
वीरनिर्वाण संवत 2551
हिजरी सन 1446
महीना रमजान
तारीख 06
विशेष मासिक दुर्गाष्टमी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.53 से 07.23 बजे तक		रोग	05.38 से 07.11 बजे तक	
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक		काल	07.11 से 08.43 बजे तक	
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक		लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक	
काल	10.19 से 11.47 बजे तक		उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक	
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक		शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक	
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक		अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक	
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक		चर	02.51 से 04.23 बजे तक	
चर	04.10 से 05.38 बजे तक		रोग	04.23 से 05.55 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभाशुभ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutdaur.com Bangalore

सर्दियों में सोरायसिस क्यों ज्यादा परेशान करता है?

सर्दियों के दौरान में स्किन से जुड़ी समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है। अगर किसी को सोरायसिस है तो उसे सर्दियों में काफी ज्यादा परेशानी होती है। सोरायसिस एक त्वचा से जुड़ी बीमारी है जिसमें त्वचा पर लाल रंग की पपड़ीदार चकते बनने लगते हैं। इसके कारण प्रभावित एरिया में खुजली सूजन बनी रहती है। यह एक ऑटोइम्यून विकार है। बहुत सारे लोगों का सवाल होता है कि आखिर क्यों सर्दियों में सोरायसिस ज्यादा परेशान करता है। आईए जानते हैं इस बारे में हेल्थ एक्सपर्ट से।

एक्सपर्ट बताते हैं कि सर्दियों में हवा में नमी में कमी हो जाती है। वातावरण बहुत रूखा हो जाता है और यह शुष्क वातावरण त्वचा को प्रभावित करता है। जिससे सोरायसिस के लक्षण जैसे खुजली जलन और सूजन बढ़ जाते हैं। जब तापमान गिरता है तो रक्त वाहिकाएं संकुचित हो जाती हैं इससे त्वचा में रक्त का संचार धीमा हो जाता है। इसके कारण त्वचा में नमी और पोषक तत्वों की आपूर्ति कम हो जाती है। इससे भी सोरायसिस के लक्षण बिगड़ जाते हैं।

सर्दियों में धूप की कमी हो जाती है जबकि विटामिन डी त्वचा के स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। इसकी कमी से सोरायसिस के लक्षण बढ़ सकते हैं।

अक्सर ठंड से बचने के लिए लोग गर्म पानी से नहाते हैं, लेकिन गरम पानी त्वचा को और अधिक शुष्क बना सकता है। इससे त्वचा में रूखापन आ जाता है और सोरायसिस के लक्षण बिगड़ जाते हैं।

सर्दियों में हम गर्म कपड़े पहनते हैं, जब ऊनी और गर्म कपड़े सीधे शरीर के संपर्क में आते हैं तो त्वचा में खिंचाव रहता है और यह खुजली का कारण बनता है, जिससे सोरायसिस उत्तेजित हो जाता है। सर्दियों के मौसम में इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है इसके कारण भी सोरायसिस के लक्षण बढ़ सकते हैं।

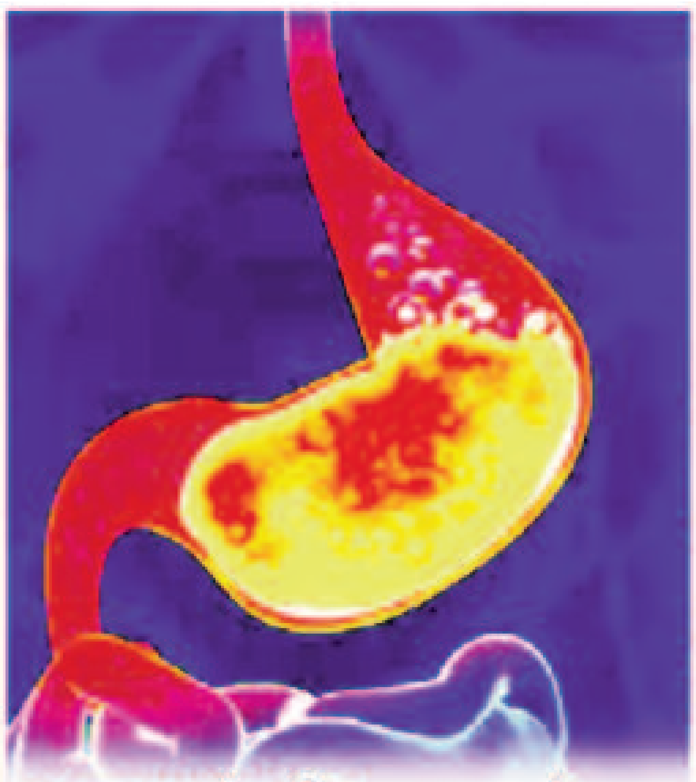

पेट की गैस, भारीपन तेजाब का नाश करेंगे

ये आयुर्वेदिक नुस्खे

अगर आप गैस और एसिडिटी जैसी समस्या के लिए दवाएं खा रहे हैं, तो इसे एकदम बंद कर दें, यह शरीर के पोषक तत्वों को खत्म कर सकती हैं।

एसिडिटी और गैस बनना आम समस्याएं हैं, जिनसे रोजाना बहुत से लोग परेशान रहते हैं। अगर आप इससे राहत पाने के लिए पैन्टोप्रेज जैसी कोई दवाएं ले रहे हैं, तो आप बड़ी गलती कर रहे हैं। इनके अधिक सेवन से आपके शरीर में विटामिन बी12, मैग्नीशियम, कैल्शियम, विटामिन डी सहित कई सारे पोषक तत्वों की कमी आ सकती है जिससे शरीर में इनके कई प्रभाव देखने को मिलते हैं। इन दवाओं के अधिक सेवन से शरीर में कमजोरी होना, थकान, कमजोरी और ऊर्जा की कमी जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं। अगर आप एसिडिटी सहित पेट की अन्य समस्याओं जैसे अपच, सीने में जलन, एसिड रिफ्लक्स, कब्ज, पेट फूलना आदि से राहत पाना चाहते हैं, तो आपको दवाओं पर निर्भर होने की बजाय कुछ घरेलू उपाय आजमाने चाहिए।

एसिडिटी के लक्षण

- सीने में जलन होना, खासकर खाने के बाद, जो रात में या लेटते समय बदतर हो सकती है
- भोजन या खट्टे तरल पदार्थ वापस आना
- ऊपरी पेट या सीने में दर्द
- निगलने में परेशानी
- पेट फूलना और भारीपन

कच्चा जीरा है एसिडिटी का तगड़ा इलाज

एसिडिटी से राहत पाने के लिए आप जीरे का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप खाने से पहले थोड़ा सा कच्चा जीरा चबाएं और थोड़ा गुनगुना पानी पी लें, जब तक से चबाना जाए।

ठंडा दूध

बहुत थोड़ी मात्रा में ठंडा दूध लें और उसमें आधा चम्मच गुलकंद मिला कर दें। इस मिश्रण को लेने से आपको एसिडिटी को बिना दवाओं के ठीक करने में मदद मिल सकती है।

एंटासिड से हो जाएं सावधान

शुरू खाली पेट एसिड की दवाएं लेना आपकी सेहत को बर्बाद कर सकता है। बाजार में एंटासिड दवाएं धड़ल्ले से बिक रही हैं जोकि आपकी सेहत के लिए खतरनाक हैं। इनमें सोडियम कार्बोनेट होता है, जो शरीर के पोषक तत्वों को पी जाता है।

आपको डॉक्टर के पास कब जाना चाहिए

अगर आपको यह उपाय आजमाने के बाद भी आराम नहीं मिल रहा और लक्षण बिगड़ते जा रहे हैं, तो आपको तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए। इसके अलावा आपको सांस लेने में तकलीफ हो, या जबड़े या बांह में दर्द हो रहा है, तो सावधान रहें क्योंकि यह दिल का दौरा पड़ने के संकेत और लक्षण हो सकते हैं।

अल्सरेटिव कोलाइटिस क्या है?

लक्षण और कारण

अल्सरेटिव कोलाइटिस आंतों से जुड़ी एक गंभीर समस्या है जो आगे चलकर कोलन कैंसर का कारण भी बन सकता है। आइए जानते हैं इसके कारण, लक्षण क्या होते हैं। खराब जीवनशैली के कारण आंतों से जुड़ी कई तरह की समस्या देखने को मिल रही है, इनमें से एक है अल्सरेटिव कोलाइटिस, यह एक क्रोनिक बीमारी है, जिससे जीवन की गुणवत्ता प्रभावित होती है। आइए जानते हैं इसके लक्षण और कारण क्या होते हैं।

क्या है अल्सरेटिव कोलाइटिस?

एक्सपर्ट बताते हैं कि अल्सरेटिव कोलाइटिस एक गंभीर समस्या है, जिसमें बड़ी आंत यानी कि कोलन में सूजन हो जाती है और अल्सर हो जाता है। इसे इन्फ्लेमेटरी बॉवेल डिजीज के नाम से भी जाना जाता है। आमतौर पर यह बीमारी मलाशय को प्रभावित करती है। समय के साथ यह पूरे कोलन को भी प्रभावित कर सकती है। अल्सरेटिव कोलाइटिस छोटी आंतों को भी प्रभावित करता है। यह बीमारी किसी भी उम्र में शुरू हो सकती है। पहले तो यह धीरे-धीरे विकसित होती है, इसके बाद इसके लक्षण गंभीर होते हैं। इसके कारण इम्यूनिटी बुरी तरह से खराब हो जाती है। यह कोलन कैंसर का कारण भी बन सकता है। बीमारी का सटीक कारण अब तक मालूम नहीं है, लेकिन कुछ ऐसे कारण हैं जो इसकी विकास में भूमिका निभा सकते हैं।

अल्सरेटिव कोलाइटिस के कारण

- डाइट
- जेनेटिक म्यूटेशन
- स्मोकिंग

अल्सरेटिव कोलाइटिस के लक्षण

- डायरिया
- पेट दर्द
- बार बार मोशन पास करने की इच्छा
- वजन कम होना
- मलाशय से खून आना
- बुखार होना
- स्किन डिजीज
- रेड आंख

पेट में रुक रुककर होता है दर्द? कोलन कैंसर की हो सकती है शुरुआत

कोलन कैंसर खतरनाक हो गया है और अब 50 साल से पहले ही शिकार बना सकता है। इसके कुछ लक्षणों को हल्के नहीं लेना चाहिए, जिसमें पेट दर्द भी शामिल है। पेट दर्द के पीछे कोलन कैंसर भी वजह हो सकता है। आइए इसके शुरुआती लक्षणों के बारे में जानते हैं।

जीवनशैली और पर्यावरण हमारे शरीर पर हर पल असर करता रहता है। इनकी क्वालिटी खराब होने पर कई बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। युवाओं में कोलन कैंसर निकलना भी इसी का एक परिणाम है। डॉ. ने बताया कि हालिया अध्ययनों से पता चलता है कि 50 वर्ष से कम उम्र के एडल्ट्स में कोलन कैंसर का रेट काफी तेजी से बढ़ा है। हालांकि इस बढ़ोतरी के पीछे के कारणों की अभी भी जांच की जा रही है, मगर जीवनशैली में बदलाव, आहार, आनुवंशिकी और पर्यावरणीय प्रभाव जैसी चीजों पर शक किया जा रहा है। इस बदलाव की वजह से कोलन कैंसर के संकेतों के बारे में पता होना बहुत जरूरी है। डॉ. के अनुसार पेट में क्रोनिक या रुक-रुककर हो रहा दर्द, ऐंठन या दर्द महसूस हो रहा हो तो नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। यह दिक्कत कोलन के अंदर हो रही समस्याओं का संकेत हो सकती है।

बावेल हैबिट में बदलाव

बावेल हैबिट में होने वाले बदलाव पर ध्यान दें। लगातार दस्त, कब्ज या मल में बदलाव आदि कोलन कैंसर के शुरुआती चेतावनी संकेत हो सकते हैं।

मलाशय से खून निकलना

मल में रक्त या मलाशय से रक्तस्राव एक चिंताजनक लक्षण है जिसके लिए तुरंत चिकित्सा की जरूरत होती है। इसे बवासीर जैसी छोटी समस्याओं से अलग करना महत्वपूर्ण है।

बेवजह वजन घटना

बिना किसी साफ कारण के अचानक वजन घटना कोलन कैंसर के लिए एक खतरे का संकेत हो सकता है, क्योंकि यह कैंसर के विकास के बारे में बताता है।

थकान और कमजोरी

लंबे समय से थकान और कमजोरी की सामान्य भावना अगर ऊपर बताए किसी लक्षण के साथ हो तो किसी खतरे की चेतावनी हो सकती है।

जोखिम बढ़ने के कारण

पारिवारिक इतिहास, आहार और जीवनशैली में अस्वस्थ बदलाव, मोटापा व अधिक बीएमआई और क्रोनिक बीमारी इसका जोखिम बढ़ा सकती हैं।

शुरुआती जांच और स्क्रीनिंग

युवा वयस्कों में कोलन कैंसर की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए, इसका शीघ्र पता लगाना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। इसके लिए लक्षण दिखने या खतरा महसूस होने पर कोलोनोस्कोपी, स्टूल टेस्ट और सीटी कोलोनोग्राफी की जा सकती हैं।

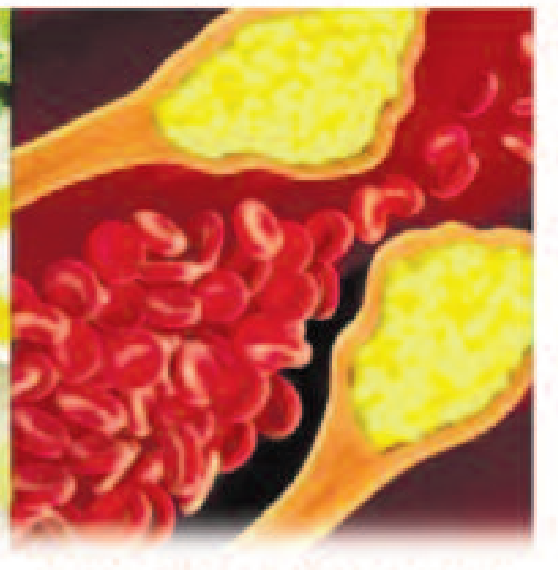

हाई कोलेस्ट्रॉल की छुट्टी कर देंगे 3 हेल्दी ब्रेकफास्ट

हार्ट अटैक का खतरा होगा कम

शरीर में अगर कोलेस्ट्रॉल हाई हो जाए तो हार्ट अटैक, फैटी लिवर और स्ट्रोक जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसे डाइट में सुधार करके, एक्सरसाइज और अन्य तरीकों से कम किया जा सकता है। आइए जाने कोलेस्ट्रॉल को कम करने के लिए सुबह क्या खाना चाहिए।

हाई कोलेस्ट्रॉल अब के समय में एक आम समस्या बन गई है। जो खराब व इनएक्टिव, खानपान की खराब आदतों, स्मोकिंग, शराब पीने, मोटापा, कम फिजिकल एक्टिव रहने समेत अन्य वजहों से हो सकती है। दुनियाभर के तमाम देशों में लोग बड़ी संख्या में हाई कोलेस्ट्रॉल से जूझ रहे हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो अमेरिका में करीब 71 मिलियन लोगों में हाई कोलेस्ट्रॉल है, जबकि भारत में लगभग 31 फीसदी लोग इस प्रॉब्लम का सामना कर रहे हैं। हाई कोलेस्ट्रॉल तब होता है जब खून में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बहुत ज्यादा हो जाती है। आमतौर पर, कुल कोलेस्ट्रॉल 200 mg/dL या उससे अधिक हो जाता है तो इसे हाई कोलेस्ट्रॉल माना जाता है। वहीं, एक रिपोर्ट में बताया गया है कि अगर कोलेस्ट्रॉल हाई हो जाए तो हार्ट अटैक, हार्ट डिजीज, फैटी लिवर और स्ट्रोक जैसी समस्याएं होने के चांसेस बढ़ जाते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि हाई कोलेस्ट्रॉल को कुछ दवाओं, एक्सरसाइज, हेल्दी फैट मैनेज करके और डाइट में सुधार करके कम किया जा सकता है। अब हम आपको 3 ऐसे हेल्दी ब्रेकफास्ट के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके सेवन से आप अपने बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल को कम कर सकते हैं।

क्या होता है कोलेस्ट्रॉल

कोलेस्ट्रॉल शरीर में पाया जाने वाला एक मोम जैसा पदार्थ होता है। जो शरीर के लिए बेहद जरूरी होता है। कोलेस्ट्रॉल दो तरह के होते हैं, गुड कोलेस्ट्रॉल और बैड कोलेस्ट्रॉल। शरीर में गुड कोलेस्ट्रॉल का कम होना और बैड कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना दोनों ही घातक हो सकता है।

हाई कोलेस्ट्रॉल में कौन सा ब्रेकफास्ट करें

अगर बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल को कम करना है तो जरूरी है कि आज ही आप अपने खानपान की आदतों में बदलाव लाएं। जंक फूड और प्रोसेस्ड फूड को छोड़ने के साथ ही हेल्दी चीजों को डाइट में शामिल करें। बैड कोलेस्ट्रॉल को घटाने के लिए एक मशहूर डाइटिशियन ने बेस्ट ब्रेकफास्ट आइडियाज शेयर किए हैं। उनमें से हम आपको 3 बेस्ट ब्रेकफास्ट के बारे में बताने जा रहे हैं।

होल ग्रेन टोस्ट

खुशी की बात ये है कि अगर आपको होल ग्रेन टोस्ट पसंद है तो हाई कोलेस्ट्रॉल में आप उसे खाना जारी रख सकते हैं। जी हां, डाइटिशियन ने अपनी कोलेस्ट्रॉल कम करने वाले ब्रेकफास्ट की लिस्ट में होल ग्रेन टोस्ट को भी शामिल किया है। उन्होंने बताया कोलेस्ट्रॉल को घटाने के लिए होल ग्रेन टोस्ट को आप पीनट बटर और बेरीज का सेवन कर सकते हैं।

सारडो विद स्मोक्ड सैल्मन

अगर आप नॉनवेज खाना पसंद करते हैं तो अपनी सुबह की शुरुआत में आप सारडो के साथ स्मोक्ड सैल्मन खा सकते हैं। दरअसल, सैल्मन मछली में मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड, कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करता है।

ग्रीक योगर्ट

इसके अलावा हाई कोलेस्ट्रॉल को कम करने के लिए एक और टेस्टी ब्रेकफास्ट को आप अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। ये है ग्रेनोला, अखरोट और होममेड जैम के साथ ग्रीक योगर्ट। इनमें ऐसे कई गुण मौजूद होते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल लेवल को घटाने में आपकी मदद करेंगे।

मुकेश अंबानी की कंपनी का शेयर बनेगा रॉकेट!

1400 पर जाएगा भाव, एनालिस्ट का अनुमान

नईदिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयर आज गुरुवार को कारोबार के दौरान फोकस में रह सकते हैं। कंपनी के शेयर पर मार्केट एनालिस्ट बुलिश हैं और इसे खरीदने की सलाह दे रहे हैं। ब्रोकरेज फर्म कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने गुरुवार, 6 मार्च को निफ्टी 50 हैवीवेट रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड पर अपनी रेटिंग को ऐड की पिछली रेटिंग से अपग्रेड करके बाय कर दिया है। ब्रोकरेज ने स्टॉक पर ₹1,400 का टारगेट प्राइस रखा है। इसका मतलब है कि

रिलायंस इंडस्ट्रीज के लिए बुधवार के बंद प्राइस 1,177.15 से 19 प्रतिशत की संभावित बढ़ोतरी हो सकती है।

क्या है डिटेल

ब्रोकरेज ने कहा कि रूस पर बढ़ते प्रतिबंधों और अमेरिका द्वारा पारस्परिक टैरिफ के नतीजों से रिफाइनिंग कारोबार के लिए आउटलुक कमजोर हो गया है। इसके चलते कोटक ने वित्तीय वर्ष 2026-2027 के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज की ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की कमाई के अनुमान में 1 प्रतिशत से 3 प्रतिशत की कटौती की है। कटौती के बावजूद, उसे उम्मीद है कि तेल-से-दूरसंचार-से-रिटेल समूह की कमाई वित्तीय वर्ष 2024-2027 के दौरान 11 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ेगी। ब्रोकरेज को उम्मीद है कि अगली कुछ तिमाहियों में खुदरा कारोबार में सुधार होगा, दूरसंचार कारोबार पर समाचार प्रवाह, आईपीओ की समयसीमा और एक और टैरिफ बढ़ोतरी स्टॉक के लिए कुछ प्रमुख कैटलिस्ट हो सकते हैं।

अन्य ब्रोकरेज की सलाह

ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने भी रिलायंस इंडस्ट्रीज पर बाय रेटिंग दी है और इसका टारगेट प्राइस ₹1,600 मौजूदा स्तरों से 36 प्रतिशत की संभावित बढ़त दर्शाता है। जेफरीज ने भी संभावित टैरिफ बढ़ोतरी, जियो की लिस्टिंग और ओ2सी व्यवसाय की लाभप्रदता में सुधार को स्टॉक के लिए कुछ प्रमुख ट्रिगर के रूप में उद्धृत किया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज पर कवरेज करने वाले 38 एनालिस्ट्स में से 34 ने स्टॉक पर बाय रेटिंग दी है, एक ने होल्ड रेटिंग दी है, जबकि तीन ने स्टॉक पर सेल रेटिंग दी है। टारगेट प्राइस का एक आम सहमति अनुमान भविष्य में स्टॉक के लिए 31 प्रतिशत की संभावित वृद्धि का संकेत देता है। बुधवार को रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर 1.3 प्रतिशत बढ़कर ₹1,177 पर बंद हुए थे।

डबल गिफ्ट बांट रही कंपनी

रेखा झुनझुनवाला के पास हैं 1 करोड़ से ज्यादा शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। मल्टी-ब्रांड फुटवियर रिटेल कंपनी मेट्रो ब्रांड्स ने अपने शेयरहोल्डर्स के लिए डोहरे तोहफे का ऐलान किया है। कंपनी अपने निवेशकों को अंतरिम डिविडेंड के साथ-साथ स्पेशल डिविडेंड भी दे जा रही है। कंपनी यह डिविडेंड वित्त वर्ष 2024-25 के लिए बांट रही है। दिग्गज निवेशक रहे राकेश झुनझुनवाला की पत्नी रेखा झुनझुनवाला का मेट्रो ब्रांड पर बड़ा दांव है। रेखा झुनझुनवाला के पास मेट्रो ब्रांड के 1 करोड़ से भी ज्यादा शेयर हैं।

हर शेयर पर टोटल 17.50 रुपये का डिविडेंड

मेट्रो ब्रांड्स ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया है कि उसके बोर्ड ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए हर शेयर पर 3 रुपये का अंतरिम डिविडेंड और 14.50 रुपये का स्पेशल डिविडेंड डिक्लेयर किया है। यानी, कंपनी हर शेयर पर टोटल 17.50 रुपये का डिविडेंड देगी। मेट्रो ब्रांड्स के शेयर शुक्रवार 7 मार्च 2025 को एक्स-डिविडेंड पर ट्रेड करेंगे। कंपनी डिविडेंड डिक्लेयर करने की तारीख (28 फरवरी) से लेकर 30 दिन के भीतर अंतरिम और स्पेशल डिविडेंड का भुगतान कर देगी।

रेखा झुनझुनवाला का कंपनी पर बड़ा दांव

रेखा झुनझुनवाला का मेट्रो ब्रांड्स पर बड़ा दांव है। झुनझुनवाला के पास मेट्रो ब्रांड्स के 1,30,51,206 शेयर हैं। कंपनी में झुनझुनवाला की हिस्सेदारी 4.80 परसेंट है। शेयरहोल्डिंग का यह डेटा दिसंबर 2024 तिमाही तक का है। पिछले 5 साल में मेट्रो ब्रांड्स के शेयरों में 143 परसेंट की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर इस अवधि में 470.80 रुपये से बढ़कर 1146 रुपये पर पहुंच गए हैं। इस साल अब तक मेट्रो ब्रांड्स के शेयरों में 7 परसेंट की गिरावट देखने को मिली है। वहीं, पिछले एक महीने में कंपनी के शेयर 10 परसेंट लुढ़क गए हैं। मेट्रो ब्रांड्स के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 1430.10 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 992.65 रुपये है। मेट्रो ब्रांड्स में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 71.93 परसेंट है। वहीं, पब्लिक शेयरहोल्डिंग 28.07 परसेंट है।

अमेरिका को इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात 18 प्रतिशत तक बढ़ा

तनाव के बावजूद लगातार नौवें महीने बढ़ोतरी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत से अमेरिका को इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात जनवरी, 2025 में सालाना आधार पर 18 फीसदी बढ़कर 1.62 अरब डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि, देश के कुल इंजीनियरिंग निर्यात में मामूली 7.44 फीसदी की वृद्धि हुई है। यह आंकड़ा ऐसे समय सामने आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और अन्य देशों की ओर से लगाए जाने वाले उच्च टैरिफ को 'बहुत अनुचित' करार दिया है। साथ ही, अमेरिकी उत्पादों पर शुल्क लगाने वाले देशों पर 2 अप्रैल से जवाबी टैरिफ लगाने की चेतावनी दी है। इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ईईपीसी) के बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जनवरी अवधि में अमेरिका को इंजीनियरिंग निर्यात एक साल पहले के 14.38 अरब डॉलर से करीब 9 फीसदी बढ़कर 15.60 अरब डॉलर पहुंच गया। वहीं, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को जनवरी में निर्यात 56 फीसदी बढ़कर 61 करोड़ डॉलर और अप्रैल-जनवरी में 45 फीसदी बढ़कर 6.87 अरब डॉलर पहुंच गया।

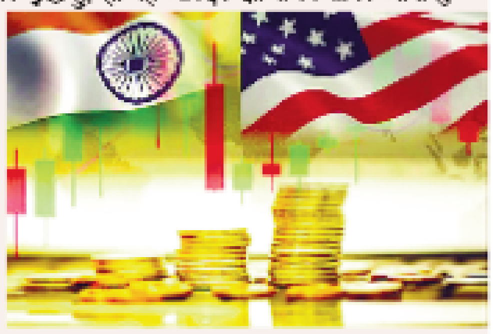

इन देशों में भी बढ़ा निर्यात

भारत के इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात जिन देशों में बढ़ा है, उनमें जर्मनी, मैक्सिको, तुर्किये, दक्षिण अफ्रीका, फ्रांस, जापान, नेपाल और बांग्लादेश भी शामिल हैं। ब्रिटेन, सऊदी अरब, मलेशिया, चीन, इटली और स्पेन को निर्यात में गिरावट आई है।

तनाव के बावजूद लगातार नौवें महीने बढ़ोतरी- ईईपीसी ने कहा, कई देशों के बीच तनाव और बढ़ते व्यापार संरक्षणवाद के बावजूद भारत के इंजीनियरिंग निर्यात ने लगातार नौवें महीने सकारात्मक वृद्धि बनाए रखी है। हालांकि, जनवरी में वृद्धि की रफ्तार दिसंबर के 8.32 फीसदी से घटकर 7.44 फीसदी रह गई। जनवरी में कुल इंजीनियरिंग निर्यात 9.42 अरब डॉलर का रहा, जबकि एक साल पहले यह 8.77 अरब डॉलर रहा था।

जमा पर पांच लाख से ज्यादा की बीमा गारंटी से बैंकों के लाभ पर असर

मुनाफा हो सकता है 12000 करोड़ कम

नईदिल्ली, एजेंसी। पांच लाख रुपये से अधिक की बैंक जमा पर बीमा गारंटी की सीमा बढ़ाने से बैंकों के मुनाफे पर असर पड़ सकता है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने कहा, अभी बैंक डूबने की स्थिति में पांच लाख तक की जमाराशि को डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉर्पोरेशन (डीआईसीजीसी) के जरिये कवर किया जाता है। सरकार इस सीमा को बढ़ाने का विचार कर रही है।

इक्रा ने कहा, न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक की हालिया विफलता के चलते बीमा की सीमा बढ़ाने का विचार आया होगा। लेकिन, ऐसे कदम से बैंकों के मुनाफे में 12,000 करोड़ रुपये की कमी आ सकती है। इससे पहले पंजाब एंड महाराष्ट्र बैंक संकट के बाद फरवरी, 2020 में इस सीमा को एक लाख से बढ़ाकर 5 लाख रुपये किया गया था। मार्च, 2024 तक 97.8 फीसदी बैंक खाते पूरी तरह कवर हो चुके थे। जमा राशि मूल्य के अनुसार, 31 मार्च 2024 तक बीमित जमा अनुपात (आईडीआर) 43.1 फीसदी रहा था।

बैंकों में बीमा के तहत पैसा सुरक्षित रहता है

भारतीय बैंकों में सभी खाता डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉर्पोरेशन (डीआईसीजीसी) के तहत प्रति ग्राहक 5 लाख रुपये तक का जमा बीमा कवर होता है और इतनी ही रकम आपको मिलती है। भले ही जमा 10 लाख हो, या 20 लाख या एक करोड़। अगर किसी का जमा एक लाख है तो उसे एक लाख रुपये पूरे मिल जाएंगे। 5 लाख जमा है तो पांच लाख मिलेंगे। उससे ज्यादा जमा है तो भी पांच लाख रुपये ही मिलेंगे। हालांकि, अगर आपका जमा कई बैंकों में है और सारे बैंक डूबते हैं तो फिर हर बैंक पांच लाख रुपये देगा। लेकिन एक ही बैंक में कई खाते हैं तो कुल मिलाकर भी पांच लाख रुपये ही मिलेंगे। जारी मौजूदा निर्देशों के अनुसार, जमाकर्ताओं को रकम पाने के लिए छह महीने तक इंतजार करना होगा।

डीआईसीजीसी की वेबसाइट पर देख सकते हैं पूरा विवरण

जमाकर्ता अधिक जानकारी के लिए बैंक अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं। विवरण डीआईसीजीसी की वेबसाइट पर भी देखा जा सकता है। आप पैसा निकालना चाहते हैं तो इसका बैंक सत्यापन करता है। सब कुछ सही पाया गया तो रकम वापस मिलती है। आरबीआई किसी भी बैंक पर तब प्रतिबंध लगाता है, जब बैंक की वित्तीय परिस्थिति ठीक नहीं हो, या बैंक प्रबंधन कुछ घोटाला कर रहा हो। न्यू इंडिया सहकारी बैंक में घोटाला हुआ था। इसका पता चलने पर केंद्रीय बैंक ने तुरंत पूरे बैंक के प्रशासनिक अधिकार अपने हाथ में ले लिया और एसबीआई के एक पूर्व अधिकारी को प्रभार सौंप दिया।

खाता बड़े और प्रतिष्ठित बैंकों में खोलें

हमारे देश में छोटे जैसे क्रेडिट सोसाइटी और सहकारी बैंकों में गवर्नेंस का पालन बहुत कम होता है। इसका फायदा उठाते हुए इस तरह के संस्थान अपने लोगों या उन कंपनियों को ज्यादा कर्ज देते हैं जो इस रकम को लौटाने में सक्षम नहीं होते हैं। बाद में यह रकम एनपीए बन जाती है और बैंक की वित्तीय स्थिति बिगड़ जाती है। ऐसे में कभी भी सरकारी या निजी क्षेत्र के बड़े बैंकों में ही खाते खोलने चाहिए। इन बैंकों के गवर्नेंस और नियम कायदे बहुत मजबूत होते हैं। अच्छे बोर्ड और मैनेजमेंट के चलते इन बैंकों में गड़बड़ी की संभावना बहुत ही कम रहती है। इससे आपका पूरा पैसा सुरक्षित रहता है।

लाइसेंस रद्द या बंद नहीं होते ऐसे वित्तीय संस्थान

आरबीआई द्वारा जारी निर्देशों को बैंकिंग लाइसेंस के रद्दीकरण या उसे बंद करने के रूप में नहीं समझना चाहिए। बैंक अपनी वित्तीय स्थिति में सुधार होने तक प्रतिबंधों के साथ बैंकिंग कार्यों को जारी रखेगा। बदलती परिस्थितियों के आधार पर इन निर्देशों को आरबीआई संशोधित कर सकता है। समस्याओं के पूर्ण समाधान से पहले कुछ निकासी सीमाएं लागू करने की मंजूरी आरबीआई दे सकता है। इससे जमाकर्ताओं को कुछ राहत मिल सकती है।

प्रमोटर के पिता पर निवेशकों से 2,434 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप, सीबीआई ने दर्ज किया केस

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने जाने-माने कारोबारी आनंद जयकुमार जैन और उनकी कंपनी जय कॉर्प लि., पराग शांतिलाल पारेख, कई कंपनियों और व्यक्तियों के खिलाफ रियल एस्टेट के नाम पर उगाहे गए 2,434 करोड़ रुपये और बैंकों से कर्ज के 3,938 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। आनंद जैन गेमिंग कंपनी ड्रीम11 के संस्थापक हर्ष जैन के पिता हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर एजेंसी ने केस दर्ज कर एसआईटी को जांच सौंपी है। मुंबई की आर्थिक अपराध शाखा को दिसंबर, 2021 व अप्रैल 2023 में मिली शिकायतों के आधार पर मामला दर्ज किया। एफआईआर के अनुसार, मई 2006 और जून 2008 के दौरान आनंद जैन व अन्य आरोपियों ने दो कंपनियां बनाई और लोगों से मुंबई व अन्य स्थानों पर रियल एस्टेट डेवलपमेंट के नाम पर 2,434 करोड़ एकत्र किए। बैंकों से नवी मुंबई सेज प्रा. लि. के नाम से 3,252 करोड़ रुपये कर्ज भी लिया। आरोपियों ने 2003-04 में मुंबई सेज लि. के लिए बैंकों से 686 करोड़ रुपये का कर्ज लिया था।

ये हैं आरोप

आपराधिक साजिश रचकर आरोपियों ने निवेशकों व बैंकों की राशि मॉरिशस व जर्सी चैनल आइलैंड्स में कॉर्पोरेट कंपनियां बनाने के लिए भेज दी। एफआईआर के अनुसार, एक नवंबर, 2007 से 29 नवंबर, 2007 के दौरान इस राशि का रिलायंस पेट्रोकेमिकल्स की फ्यूचर ट्रेडिंग के लिए इस्तेमाल हुआ। यह भी आरोप है कि उन्होंने बैंकों से लिए 98.83 करोड़ रुपये के विदेशी मुद्रा कर्ज को मॉरिशस में निवेश किया। जैन अंबानी परिवार के करीबी माने जाते हैं।

टेस्ला की भारत में एंट्री...

ट्रंप ने कहा-कारों पर लगने वाला टैक्स जीरो करो, मोदी सरकार का जवाब-हम तैयार नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी। दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क की कंपनी टेस्ला भारत में एंट्री करने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह कंपनी भारत में जल्द ही अपनी कारें बेचनी शुरू कर सकती है। हालांकि विदेशी कारों के आयात पर लगने वाला टैरिफ मस्क के लिए एक परेशानी बना हुआ था, लेकिन अब यह परेशानी भी दूर होती दिखाई दे रही है। माना जा रहा है कि भारत सरकार इस टैक्स को कम कर सकती है। भारत अभी तक विदेशों से आने वाली कारों पर 110 फीसदी का टैक्स लगाता है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका के दौरे पर गए थे। वहां उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क के साथ बातचीत की थी। ट्रंप के साथ बातचीत के दौरान टैरिफ का भी मुद्दा उठा था। ट्रंप ने कहा था कि भारत अमेरिका पर बहुत ज्यादा टैरिफ लगाता है। ऐसे में अमेरिका ने भी भारत से आने वाली चीजों पर उतना ही टैक्स लगाने की बात कही थी।

दोनों देशों के बीच चल रही बातचीत- रीपोर्ट्स के मुताबिक कारों के आयात पर लगने वाले को लेकर भारत और अमेरिका के बीच बातचीत चल रही है। अमेरिका चाहता है कि भारत कारों के आयात पर लगने वाला टैक्स हटा दे। लेकिन भारत फिलहाल ऐसा करने को तैयार नहीं है। सूत्रों ने बताया कि भारत फिलहाल पूरी तरह से टैक्स खत्म करने के बजाए, इसे थोड़ा कम करने पर विचार कर रहा है।

टेस्ला के लिए तैयार होगा रास्ता

एलन मस्क काफी दिनों से टेस्ला कार को भारत में लाने की तैयारी कर रहे हैं। लेकिन उन्होंने भारत की ओर से लगाए जाने वाले हाई टैरिफ की आलोचना की है। माना जा रहा है कि अगर भारत और अमेरिका के बीच बातचीत के दौरान कोई समझौता होता है तो इससे मस्क की टेस्ला के लिए भारत में रास्ता तैयार हो सकता है।

क्या है भारत का रुख?

अमेरिका चाहता है कि भारत कारों के आयात पर लगने टैक्स को हटा दे, लेकिन भारत ने अभी इस पर कोई फैसला नहीं लिया है। एक सूत्र के मुताबिक भारत अमेरिका की बात सुन रहा है और उसने अभी तक कोई विरोध नहीं किया है। उन्होंने कहा कि भारत अपने देश के कार निर्माताओं से बात करेगा और उसके बाद टैक्स के बारे में अमेरिका के सामने अपना पक्ष रखेगा।

नए ऑर्डर के दम पर सेवा क्षेत्र 26 महीने के निचले स्तर से उबरा

रोजगार वृद्धि 20 साल में सबसे तेज

नईदिल्ली, एजेंसी। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों से नए ऑर्डर मिलने के कारण देश का सेवा क्षेत्र फरवरी, 2025 में 26 महीने के निचले स्तर से उबरने में कामयाब रहा। उत्पादन में तेज विस्तार और रोजगार में पर्याप्त वृद्धि से सेवा क्षेत्र की गतिविधियां बढ़कर 59 पहुंच गईं। एचएसबीसी भारत सेवा पीएमआई व्यापार गतिविधि सूचकांक जनवरी में 26 महीने के निचले स्तर 56.5 तक आ गया था। एचएसबीसी की मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, छह महीनों में सबसे तेज गति से बढ़ी वैश्विक मांग ने भारत के सेवा क्षेत्र के लिए उत्पादन की रफ्तार को बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभाई। सेवा क्षेत्र की कंपनियों को अफ्रीका, एशिया, यूरोप, अमेरिका और मध्य एशिया से अधिक ऑर्डर मिले। सेवा क्षेत्र की कंपनियों ने बढ़ते नए कारोबार को संभालने और क्षमता दबाव को कम करने के लिए भर्ती अभियान जारी रखा। रोजगार में दिसंबर, 2005 के बाद से यानी 20 साल में सबसे तेज वृद्धि देखने को मिली। भंडारी ने कहा, कारोबारी धारणा अगस्त, 2024 के बाद से अपने निचले स्तर पर आने के बावजूद सकारात्मक बनी हुई है। विज्ञापन, बेहतर ग्राहक संबंध, दक्षता में वृद्धि और स्वस्थ मांग की स्थिति ने मिलकर आगामी वर्ष में उत्पादन के लिए उत्साहजनक अनुमानों को बल दिया है। कीमतों के मोर्चे पर एचएसबीसी की मुख्य अर्थशास्त्री ने कहा, निजी क्षेत्र में लागत का दबाव पिछले साल अक्तूबर के बाद से सबसे धीमी गति से बढ़ा है।

बेन डंक-शेन वॉटसन के शतक, 91 रन से हारी सचिन तेंदुलकर की इंडिया मास्टर्स

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया मास्टर्स ने आईएमएल 2025 के एक रोमांचक मुकाबले में इंडिया मास्टर्स को 95 रन से हरा दिया। वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया मास्टर्स ने पहले खेलते हुए 269 रन जड़े थे। जवाब में इंडिया की टीम 174 रन ही बना पाई। जेवियर डोहर्टी को 5 विकेट लेने पर मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। मैच में सचिन तेंदुलकर के नेतृत्व में इंडिया मास्टर्स ने टॉस जीता और पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला किया था। दोनों टीमों ने अपनी मजबूत लाइन-अप को मैदान में उतारा।

ऑस्ट्रेलिया मास्टर्स: 20 ओवर में 269/1

ऑस्ट्रेलिया मास्टर्स ने शुरुआती झटके के बाद बेन डंक और शेन वॉटसन के बीच नाबाद 258 रन की साझेदारी की बदौलत 20 ओवरों में 269/1 रन बनाए। तीसरे ओवर में शॉन मार्श के 11 रन पर आउट होने के बाद बेन डंक (63 गेंदों पर 132*) और शेन वॉटसन (54 गेंदों पर 110*) ने स्कोर आगे बढ़ाया। डंक ने पारी में 14 चौके और 7 छक्के लगाए, जबकि वॉटसन ने 10 चौके और 6 छक्के लगाए। भारत की ओर से इरफान पठान (0/45), आरपी सिंह (0/60), और मुनाफ पटेल (0/55) महंगे साबित हुए।

270 रनों का पीछा करते हुए इंडिया मास्टर्स को तेजतर्रार शुरुआत मिली थी। सचिन तेंदुलकर (33 गेंदों पर 64 रन, 8 चौके, 2 छक्के) और नमन ओझा (11 गेंदों पर 19 रन) ने 4 ओवर में ही स्कोर 48/0 रन बना दिया था। तेंदुलकर पुराने फॉर्म में दिख रहे थे, आसानी से ड्राइविंग और लॉफ्टिंग कर रहे थे। जेवियर डोहर्टी ने 10वें ओवर में तेंदुलकर (लॉन्ग ऑन पर डेनियल क्रिश्चियन द्वारा कैच) को 100/4 के स्कोर पर आउट करके एक बड़ा झटका दिया, जिससे भारत की वापसी की उम्मीदें खत्म हो गईं। डोहर्टी ने 15वें ओवर में 4 गेंदों में 3 विकेट लेकर खेल का रुख निर्णायक रूप से बदल दिया। 141/5 से 141/8 पर आ गया, जिसके बाद वह 174 रन ही बना सका। और मैच गंवा दिया।

स्टीव स्मिथ के बाद मुश्फिकुर रहीम ने वनडे फॉर्मेट को कहा अलविदा

ढाका, एजेंसी। पिछले दिनों ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ ने वनडे फॉर्मेट को अलविदा कह दिया. वहीं, अब बांग्लादेश के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज मुश्फिकुर रहीम ने वनडे फॉर्मेट से रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया है. मुश्फिकुर रहीम ने अपने फेसबुक और इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट शेयर किया है. इस पोस्ट में उन्होंने बताया है कि अब वनडे फॉर्मेट में बांग्लादेश की जर्सी में नजर नहीं आएंगे. इससे पहले तकरीबन 3 साल पहले मुश्फिकुर रहीम ने टी20 फॉर्मेट को अलविदा कह दिया था. हालांकि, मुश्फिकुर रहीम टेस्ट फॉर्मेट में खेलते रहेंगे. चैंपियंस ट्रॉफी में बांग्लादेश का प्रदर्शन निराशाजनक रहा. बांग्लादेश की टीम ग्रुप स्टेज से आगे बढ़ने में नाकाम रही. बांग्लादेश को भारत के अलावा न्यूजीलैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा. इसके अलावा बांग्लादेश बनाम पाकिस्तान मैच बारिश की भेंट चढ़ गया.

वनडे फॉर्मेट में तमीम इकबाल के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज

मुश्फिकुर रहीम ने तकरीबन 19 साल पहले 2006 में जिम्बाब्वे के खिलाफ अपना पहला वनडे खेला. बांग्लादेश के लिए मुश्फिकुर रहीम 274 वनडे खेले. बांग्लादेश के लिए सबसे ज्यादा वनडे खेलने वाले क्रिकेटरों की फेहरिस्त में मुश्फिकुर रहीम टॉप पर काबिज हैं. इसके अलावा वनडे फॉर्मेट में बांग्लादेश के लिए दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं. मुश्फिकुर रहीम से ज्यादा रन तमीम इकबाल ने बनाए हैं. लिहाजा, किसी नए विकेटकीपर बल्लेबाज के लिए मुश्फिकुर रहीम की कमी पूरी करना आसान नहीं होगा.

ऐसा रहा मुश्फिकुर रहीम का वनडे करियर

आंकड़े बताते हैं कि मुश्फिकुर रहीम ने 274 वनडे मैचों में बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व किया. जिसमें उन्होंने 36.42 की एवरेज और 79.7 की स्ट्राइक रेट से 7795 रन बनाए. इस फॉर्मेट में मुश्फिकुर रहीम का बेस्ट स्कोर 144 रन रहा. इसके अलावा उन्होंने 9 शतक और 49 बार पचास रनों का आंकड़ा पार किया.

पंजाब दे शेर सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग सीजन 11 का चैंपियन बना

चंडीगढ़, एजेंसी। मैसूर के कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन ग्राउंड पर चेन्नई राइनोज के खिलाफ खेले गए फाइनल में पंजाब दे शेर ने सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग के 11वें संस्करण में जीत दर्ज की। फाइनल में पंजाब दे शेर ने चेन्नई राइनोज को आठ विकेट से हराया। हार्डी संधू की कप्तानी में पंजाब दे शेर ने राइनोज को पहले 10 ओवर में 89/5 पर रोका। जवाब में पंजाब दे शेर ने 103/1 का स्कोर बनाकर चेन्नई राइनोज पर 14 रन की बढ़त हासिल की जिसमें राहुल जेटली ने 29 गेंदों पर 43 रन और बब्बल राय ने 24 गेंदों पर 40 रन बनाए। दूसरी पारी में राइनोज 85/6 पर सिमट गई और केवल 72 रन का लक्ष्य मिला। पंजाब दे शेर ने मात्र 8 ओवर में दो विकेट खोकर आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। पूरे सीजन में शानदार प्रदर्शन के लिए पंजाब दे शेर के कप्तान हार्डी संधू को प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार दिया गया। जस्सी गिल अपनी गेंदबाजी के लिए सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बने। सुखा राय ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन महत्वपूर्ण विकेट चटकाए और मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता। राहुल जेटली ने अपने दमदार प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज का पुरस्कार जीता। पंजाब दे शेर के को-ओनर्स पुनीत सिंह और नवराज हंस ने टीम की शानदार यात्रा पर बहुत गर्व व्यक्त किया, यह जीत हमारे खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है।

न्यूजीलैंड ने अधिक रन बना दिए, टारगेट 350 होता तो कोशिश करते: तेंबा बावुमा

लाहौर, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका का आईसीसी टूर्नामेंट में अभियान एक बार फिर नॉकआउट दौर में खत्म होने के बाद कप्तान तेंबा बावुमा ने स्वीकार किया कि सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड ने प्रतिस्पर्धी स्कोर से अधिक रन बनाए और उन्हें पर्याप्त साझेदारियां नहीं करने का खामियाजा भुगतना पड़ा। न्यूजीलैंड के 363 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मिचेल सेंटनर (43 रन पर तीन विकेट) और ग्लेन फिलिप्स (27 रन पर दो विकेट) की बलखाती गेंदों के सामने दक्षिण अफ्रीका की टीम डेविड मिलर (100 रन, 67 गेंद, 10 चौके, चार छक्के) के शतक और रेसी वान डेर डुसेन (69) तथा बावुमा (56) के अर्धशतक के बावजूद नौ विकेट पर 312 रन ही बना सकी।

बावुमा ने मैच के बाद कहा कि न्यूजीलैंड ने प्रतिस्पर्धी स्कोर से अधिक रन बनाए। मुझे लगता है कि विकेट के बेहतर होने के साथ हमने 350 रन का पीछा करने के लिए खुद को तैयार किया। हमने एक या दो अच्छी साझेदारियां कीं लेकिन वे पर्याप्त नहीं थीं। उन्होंने कहा कि मुझे या रेसी वान डेर डुसेन में से एक को बड़ा स्कोर बनाना चाहिए था जो नहीं हो सका। न्यूजीलैंड ने हमें शुरू से ही दबाव में रखा। उन्होंने नियमित रूप से विकेट चटकाए रखे और बीच के ओवरों में बाउंड्री लगाते रहे। डेथ ओवरों में विकेट हाथ में होने के कारण उन्हें रोकना मुश्किल था और हम दबाव में आ गए। शतक जड़ने के लिए मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए रचिन टीम की जीत में योगदान देकर काफी खुश हैं।

रचिन ने कहा कि सेमीफाइनल में बेहतरीन जीत में योगदान देना शानदार अहसास है। मैं उतनी अच्छी शुरुआत नहीं कर पाया जितनी मैं चाहता था। दक्षिण अफ्रीका ने अच्छी गेंदबाजी की लेकिन एक बार जब हम लय में आ गए तो केन (विलियमसन) और (विल) यंग के साथ साझेदारी बनाना अच्छा रहा। उन्होंने कहा कि एकदिवसीय क्रिकेट के उतार-चढ़ाव के साथ चलना अच्छा रहा। हम 300 के आसपास रन बनाने की सोच रहे थे। ग्लेन (फिलिप्स) और मिचेल (सेंटनर) ने शानदार प्रदर्शन किया।

मैच की बात करें तो लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 50 रनों से हार झेलनी पड़ी। सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड ने पहले खेलते हुए रचिन रविंद्र (108) और केन विलियमसन (102) के शतक की बदौलत 362 रन बनाए थे। द. अफ्रीकी गेंदबाज लुंगी एनगिडी को 3 तो कगिसो रबाडा को 2 विकेट मिले। जवाब में खेलने उतरी दक्षिण अफ्रीका को बावुमा और रासी वेन डूसें ने अर्धशतक लगाकर अच्छी शुरुआत दी लेकिन मध्यक्रम बिखर जाने के कारण पूरी टीम 9 विकेट पर 312 रन ही बना पाई। दक्षिण अफ्रीका के लिए एक आकर्षण डेविड मिलर की पारी रही। उन्होंने 100 रन बनाए लेकिन टीम को जीत नहीं दिला पाए।

पाकिस्तान पहुंचे बीसीसीआई वाइस प्रेसिडेंट- भारत-पाक सीरीज पर कही साफ बात

लाहौर, एजेंसी। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने बुधवार को कहा कि यह बहुत स्पष्ट है कि भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट की बहाली भारत सरकार की मंजूरी के अधीन है। न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच चैंपियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल देखने के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के निमंत्रण पर यहां आए बीसीसीआई के वरिष्ठ अधिकारी ने यह भी कहा कि भारतीय टीम बेहतर प्रदर्शन के लिए अनुकूल पिचों पर निर्भर नहीं है। शुक्ला ने कहा कि जहां तक आप दोनों देशों के बीच क्रिकेट के बारे में पूछ रहे हैं तो यह बहुत स्पष्ट है कि यह (भारतीय) सरकार का फैसला है। भारत की सरकार जो भी कहेगी, हम उनके अनुसार चलेंगे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान लंबे समय के बाद किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है और यह अच्छी बात है। उन्होंने इसका अच्छे से आयोजन किया है। शुक्ला ने इस बात पर सहमति जताई कि दोनों देशों के प्रशंसक द्विपक्षीय संबंध फिर से शुरू करना चाहते हैं लेकिन तटस्थ स्थल पर खेलने के विचार पर वह उत्साहजनक नहीं दिखे।

गांगुली 52 साल की उम्र में करेंगे डेब्यू

क्रिकेट के मैदान के बाद अब नेटफ्लिक्स पर आएंगे नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने अब तक कई भूमिकाएं निभाई हैं। टीम के सलामी बल्लेबाज से लेकर कप्तान और फिर बीसीसीआई अध्यक्ष। गांगुली ने क्रिकेट में लंबा समय बिताया है। हालांकि अब यह पूर्व खिलाड़ी एक नए अंदाज में नजर आएगा। गांगुली 52 साल की उम्र में एक्टिंग में डेब्यू करने वाले हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सौरव गांगुली नेटफ्लिक्स की सीरीज खाकी में नजर आएंगे। वह दूसरे सीजन में पुलिस अफसर के रोल में नजर आएंगे और एक्टिंग करियर की शुरुआत करेंगे। सीरीज का पहला सीजन भी काफी हिट रहा था, जिसमें करण टक्कर, अभिमन्यु जैसे कई एक्टर थे। गांगुली के इस सीरीज से जुड़ने के बाद इसकी और ज्यादा चर्चा होने लगी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक गांगुली ने मिनेर्वा स्टूडियो में एक घंटे का शूट किया जहां से उनकी पुलिस वर्दी में तस्वीर वायरल हुई। गांगुली की बायोपिक भी बनाई जा रही है। माना जा रहा है कि इस फिल्म में गांगुली का रोल राजकुमार राव करेंगे। गांगुली अभी बायोपिक में नजर नहीं आएंगे। गांगुली से पहले कई खिलाड़ियों की बायोपिक बनाई। भारतीय एथलीट मिल्खा सिंह, बॉक्सर मैरीकॉम, क्रिकेटर एमएस धोनी, पैरालंपियन मुरलीकांत पेटकर पर फिल्में बन चुकी हैं। सौरव गांगुली ने हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी में भारत पर लगाए जा रहे आरोपों पर जवाब दिया। इंग्लैंड के नासिर हुसैन और माइक अर्थटन ने आरोप लगाया था कि भारत को एक ही जगह खेलने का मौका मिला जिसका उन्हें फायदा हुआ। दूसरी टीमों को भारत से खेलने के लिए पाकिस्तान से दुबई यात्रा करनी पड़ी। गांगुली ने उन्हें जवाब देते हुए कहा, पाकिस्तान की पिचें बहुत बेहतर हैं, भारत वहां जाता तो रन बनाता, पाकिस्तान में तीन जगहों-लाहौर, कराची और रावलपिंडी में खेले गए दस मैचों में टीमों ने 34.96 का औसत बनाया है, जिसमें आठ शतक और 17 अर्धशतक शामिल हैं।

डेविड मिलर ने तोड़ा वीरेंद्र सहवाग का रिकॉर्ड, चैंपियंस ट्रॉफी में सबसे तेज शतक उनके नाम

लाहौर, एजेंसी। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीकी टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल मुकाबले में 50 रनों से हार झेलनी पड़ी। अफ्रीकी टीम की ओर से डेविड मिलर ने अंत तक संघर्ष किया लेकिन यह नाकाफी रहा। मिलर ने 363 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीकी टीम को 312 रन तक पहुंचाया लेकिन टीम को 50 रन से हार झेलनी पड़ी। मिलर ने मुकाबले में 67 गेंदों पर शतक लगाया। इसके साथ वह चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में सबसे तेज शतक लगाने वाले प्लेयर बन गए हैं। उन्होंने इस रिकॉर्ड में वीरेंद्र सहवाग को पीछे छोड़ा।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में सबसे तेज शतक

67 गेंदें - डेविड मिलर बनाम न्यूजीलैंड, 2025
77 गेंदें - वीरेंद्र सहवाग बनाम इंग्लैंड, 2002
77 गेंदें - जोश इंग्लिस बनाम इंग्लैंड, 2025
80 गेंदें - क्रिस गेल बनाम दक्षिण अफ्रीका, 2013

यही नहीं, आईसीसी वनडे नॉकआउट में डेविड मिलर का प्रदर्शन शानदार रहा है। साल 2013 में उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 56* (51) रन बनाए थे। इसके बाद 2015 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 49 (18) बेहतरीन प्रदर्शन किया। साल 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने 116 गेंदों पर 101 रन बनाए थे। अब चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल मुकाबले में उन्होंने 67 गेंदों पर शतक जड़कर

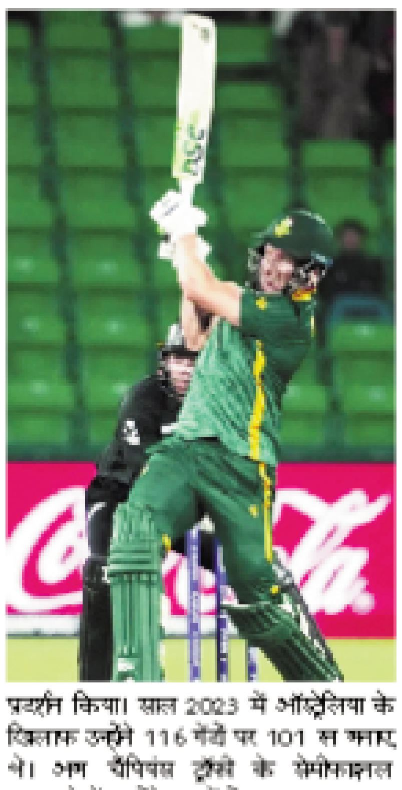

उन्होंने खुद को आईसीसी वनडे नॉकआउट का बड़ा प्लेयर साबित कर दिया।

यही नहीं, आईसीसी वनडे नॉकआउट मैचों में उच्चतम औसत के मामले में भी डेविड मिलर (153.00) पहले नंबर पर आ गए हैं। इसके बाद पाकिस्तान के जहीर अब्बास (128.33), भारत के सौरव गांगुली (85.66) और ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉटसन (85.40) का नाम आता है।

मैच की बात करें तो लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 50 रनों से हार झेलनी पड़ी। सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड ने पहले खेलते हुए रचिन रविंद्र (108) और केन विलियमसन (102) के शतक की बदौलत 362 रन बनाए थे। द. अफ्रीकी गेंदबाज लुंगी एनगिडी को 3 तो कगिसो रबाडा को 2 विकेट मिले। जवाब में खेलने उतरी दक्षिण अफ्रीका को बावुमा और रासी वेन डूसें ने अर्धशतक लगाकर अच्छी शुरुआत दी लेकिन मध्यक्रम बिखर जाने के कारण पूरी टीम 9 विकेट पर 312 रन ही बना पाई। दक्षिण अफ्रीका के लिए एक आकर्षण डेविड मिलर की पारी रही। उन्होंने 100 रन बनाए लेकिन टीम को जीत नहीं दिला पाए।

दस खिलाड़ियों वाली बार्सिलोना ने बेनफिका को मात दी, लिवरपूल ने पीएसजी को हराया

लिस्बन, एजेंसी। रफीन्हा के एकमात्र गोल की बदौलत दस खिलाड़ियों वाली बार्सिलोना ने चैंपियंस लीग के अंतिम-16 के पहले चरण में बेनफिका को 1-0 से हरा दिया। हालांकि बार्सिलोना को 70 मिनट तक एक खिलाड़ी कम रहने के बावजूद कड़ा संघर्ष करना पड़ा और टीम ने पूरे 90 मिनट तक दबाव में रहने के बावजूद जीत हासिल की। मैच की शुरुआत तेज रही। पहले ही मिनट में केरेम अक्तुर्कोग्लू का शॉट बार्सिलोना के गोलकीपर वोज्शिएक शेजनी ने रोक लिया। वहीं, निकोलस ओटामेंडी का शॉट भी बेनफिका के लिए अच्छा मौका था, लेकिन वह नाकाम रहे। दूसरी ओर, वांगेलिस पावलिडिस का शॉट थोड़ा बाहर चला गया।

रिपोर्ट के अनुसार, 22वें मिनट में बार्सिलोना को बड़ा झटका लगा, जब पाउ कुबार्सी को वांगेलिस पावलिडिस को गिराने के कारण रेड कार्ड दिखाया गया। इसके बाद बार्सिलोना को 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। इसके बाद गोलकीपर शेजनी ने बढ़िया प्रदर्शन करते हुए विपक्षी टीम के कुछ शानदार शॉट्स को रोका जिसमें ओरकुन कोकचू की फ्री किक भी शामिल थी। इस दौरान रफीन्हा के पास गोल करने का बढ़िया मौका था लेकिन वह चूक गए। इसी बीच, बार्सिलोना के कोच हैंसी फ्लिक ने ओल्मो को बाहर कर रोनाल्ड अराउजो को मैदान पर उतारा।

दूसरे हाफ में भी शेजनी ने दो बेहतरीन बचाव किए। कुछ देर बाद ही रफीन्हा ने बॉक्स के बाहर से जोरदार शॉट मारकर गेंद को निचले कोने में डाल दिया और बार्सिलोना को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद बेनफिका ने दबाव बढ़ाया, लेकिन शेजनी अपने शानदार खेल से दीवार की तरह बने रहे। आखिरी मिनट में उन्होंने रेनाटो सांचेज का शॉट भी बेहतरीन अंदाज में रोक लिया।

दूसरी ओर, लिवरपूल ने पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) को 1-0 से हराया। लिवरपूल के सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी हार्वी इलियट ने मैच का एकमात्र गोल किया। वह मैदान पर आए थे और तुरंत ही डार्विन नुनेज के पास पर बाएं पैर से गोल दाग दिया। इससे पहले लिवरपूल पूरे मैच में दबाव में था। इसके अलावा मैच में पीएसजी का दबदबा बना रहा। डेम्बेले और क्वारत्सखेलिया के कई शॉट लिवरपूल के गोलकीपर एलिसन बेकर ने रोक लिए। दूसरे हाफ में भी पीएसजी ने लगातार हमले किए, लेकिन लिवरपूल किसी तरह टिके रहे। अन्य मुकाबलों में, इंटर मिलान ने फेयेनोर्ड को 2-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। जर्मन टीमों के मुकाबले में बायर्न म्यूनिख ने बायर लेवरकुसेन को 3-0 से हराया।

शिबानी को कहां से आया सीरीज 'डिब्बा कार्टेल' का आइडिया?

चर्चा में है नया क्राइम ड्रामा

पिछले दिनों ओटीटी पर वेब सीरीज 'डिब्बा कार्टेल' का प्रीमियर हुआ। इस सीरीज को फरहान अख्तर ने प्रोड्यूस किया है और उनकी पत्नी शिबानी दांडेकर इसकी क्रिएटर के तौर पर जुड़ी हैं। इस क्राइम ड्रामा का आइडिया शिबानी को कैसे आया, जानिए? शबाना आजमी के अलावा ज्योतिका, शालिनी पांडे, अंजलि आनंद और निमिषा सजयन जैसी अदाकाराओं ने वेब सीरीज 'डिब्बा कार्टेल' में ऐसी महिलाओं का रोल किया है, जो ड्रग, क्राइम के जाल में फंस जाती हैं। फिर ड्रग का बिजनेस करने लगती हैं। इस कहानी का आइडिया वेब सीरीज की क्रिएटर शिबानी दांडेकर को कैसे आया? इस सीक्रेट के बारे में शिबानी ने हाल ही में बताया है।

देखती रही हैं खूब क्राइम ड्रामा

शिबानी दांडेकर ने फर्स्टपोस्ट को दिए हालिया इंटरव्यू में बताया कि वह एक समय में बहुत ज्यादा क्राइम ड्रामा देखा करती थी। ऐसे में अचानक उन्हें ख्याल आया कि क्राइम ड्रामा में महिलाओं की कहानी को दिखाया जाए। इस तरह वेब सीरीज 'डिब्बा कार्टेल' का आइडिया शिबानी दांडेकर को आया। शबाना आजमी इस सीरीज का हिस्सा इसलिए बनी हैं क्योंकि यह उनके लिए फैमिली प्रोजेक्ट की तरह है। वह रिश्ते में शिबानी की सास लगती हैं। शबाना आजमी ने जावेद अख्तर से शादी की है। फरहान अख्तर, जावेद अख्तर के बेटे हैं, वह उनकी पहली शादी से हुए हैं। शिबानी, फरहान की पत्नी हैं। ऐसे में शिबानी और शबाना रिश्ते में सास-बहू हैं। पिछले दिनों शबाना ने कहा था कि शिबानी ने इस वेब सीरीज को क्रिएट किया। वह कहती हैं, 'उसने मुझे हुक्म दिया, एक्टिंग करने के लिए। मैं बहू को कैसे मना कर सकती थी और बेटा (फरहान) तो प्रोड्यूसर ही है।'

डिब्बा कार्टेल की स्टोरी काफी यूनिक नजर आती है। इसमें कुछ महिलाएं एक ड्रग माफिया चला रही हैं, लेकिन आम लोग उन्हें सिर्फ टिफिन सर्विस देने वाली महिलाएं समझते हैं।

मौनी रॉय ने अपनी अद्भुत कथक प्रस्तुति से सभी को किया मोहित

मौनी रॉय एक ऑल-राउंडर हैं। वह एक बहुत ही लोकप्रिय अभिनेत्री, एक सफल एंटरप्रेन्योर और एक फैशनिस्टा आइकन होने के साथ-साथ डांस में भी गहरी रुचि रखती हैं। फैशन जगत में अपने करियर की शुरुआत बैकग्राउंड डांसर के रूप में करने वाली मौनी के लिए, नृत्य हमेशा से आत्म-अभिव्यक्ति और पेशेवर जीवन का अभिन्न हिस्सा रहा है। कला के प्रति उसी प्रेम को प्रदर्शित करते हुए, मौनी रॉय ने अपने सोशल मीडिया पर लोकप्रिय कव्वाली गीत 'तोरी चारे कौरे' की धुन पर शानदार कथक डांस प्रस्तुत किया।

मौनी की कथक नृत्य में महारत, उनकी भावों की भंगिमा को अभिव्यक्त करने की क्षमता और उनकी मोहक मुद्राएं (हस्त मुद्राएं) - इन सभी ने हमें एक बार फिर उनका दीवाना बना दिया।

कुल मिलाकर, उनकी इस प्रस्तुति में उनके डांस के प्रति असीम प्रेम की झलक पूरी तरह से नजर आई।

काम के मोर्चे पर, मौनी हाल ही में लंदन फैशन वीक 2025 की सफल यात्रा से लौटी हैं, जहां वह भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली एकमात्र भारतीय चेहरा थीं। अभिनेत्री जल्द ही अपनी आगामी फिल्म द भूतनी के साथ बड़े पर्दे पर दिखाई देंगी, जो 18 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जस्टिस त्रिपाठी पर बोले सौरभ शुक्ला

ये कमाल की बात है कि मैं कभी कोर्ट नहीं गया हूं

हिंदी सिनेमा में गिनती के ऐसे कलाकार हैं जिनकी लेखनी और जिनका अभिनय दोनों कमाल के रहे हैं। मशहूर निर्देशक अनुराग कश्यप फिल्म 'सत्या' के लेखक बनने का क्रेडिट आज भी सौरभ शुक्ला को ही देते हैं। और, सौरभ शुक्ला कहते हैं कि उन्हें जिंदगी ने लेखक बनाया। सौरभ शुक्ला की पैदाइश गोरखपुर की है, पर पले बढ़े वह ताजमहल के शहर आगरा में। आगरा का पेठा, आगरा का ताजमहल और आगरा के सौरभ शुक्ला!

सिनेमा आपके जीवन में कब और कैसे आया?

सिनेमा का शौक हमें बचपन से ही लग गया। मेरा परिवार बड़ा विचित्र परिवार रहा है। पिता जी मेरे शत्रुघ्न शुक्ल आगरा घराने के मशहूर गायक और मां (जोगमाया शुक्ला) तो प्रथम महिला तबला वादक थी ही। दोनों को पिक्चर देखने का बड़ा शौक था। हम चार लोग, मैं, मेरा बड़ा भाई, मां और बाबा, हर संडे को सुबह मॉर्निंग शो में अंग्रेजी पिक्चर जरूर देखते थे। फिर घर आकर खाना खाकर शाम को छह बजे एक हिंदी फिल्म का शो भी जरूर देखते थे। ये हमारा साप्ताहिक कार्यक्रम था, महीने में आठ फिल्में तो हम देखते ही देखते थे। मेरे कितने दोस्त थे जिन्होंने डेढ़-डेढ़ साल फिल्म नहीं देखी होती और जिनके पिताजी गर्व से कहते कि हमने 20 साल से पिक्चर नहीं देखी। हमारे घर में सिनेमा का माहौल शुरू से रहा।

मैं सबसे पहले पटकथा लेकर चलता हूं अपने जीवन से या आसपास के लोगों में उसका संदर्भ ढूंढता हूं। फिर जरूरत पड़ती है तो उसके दायरे से भी निकलकर पढ़ता हूं। उसकी पृष्ठभूमि देखता हूं। एक पटकथा में वे सारे सूत्र होते हैं जिनके आधार पर कोई कलाकार अपने किरदार की कल्पना कर सकता है। वही गीता है, वही बाइबल है। अपने आसपास के या जान पहचान के लोगों से भी कभी मदद मिल जाती है, जिनके साथ कभी ऐसा कुछ हुआ हो। हां, लेखक या निर्देशक होने का ये जो अंतर रहा है कि वह बाकी कलाकारों से अलग होता है। हर अच्छे लेखक को अनुसंधान की आदत होती है। यह उसके पास एक अतिरिक्त गुण तो होता ही है।

आप अपने निभाए किरदारों को यादगार बनाने के लिए अलग से क्या कुछ करते हैं?

इसके में अपनी खुशकिस्मती मानूंगा कि जिस तरह से मैंने चीजों को सोचा और जिस तरह से मैंने चीजों को निभाया, वह लोगों को पसंद आया। कहना चाहिए कि वह लोगों से जुड़ पाया। किसी भी किरदार को दर्शक जब पसंद करते हैं तो वह उस चरित्र में अपने जीवन की कुछ न कुछ छाप देखते हैं। अभिनय में सबसे पहले मैं अपने आप से जुड़ता हूं क्योंकि मैं भी एक आम इंसान हूं। मैं खुद से सवाल करता हूं कि क्या अच्छा इस किरदार को अच्छा लगेगा?

ऐसा ही एक और किरदार मुझे याद आता है, जस्टिस सुंदरलाल त्रिपाठी...

ये कमाल की बात है कि मैं आज तक कोर्ट नहीं गया हूं। इस किरदार को निभाने में भी इस फिल्म के निर्देशक सुभाष कपूर काफी मददगार साबित हुए थे। उन्होंने अदालतों के बहुत सारे किस्से मुझे बताए थे। 'जॉली एलएलबी' से पहले हिंदी फिल्मों के जज को एक कार्डबोर्ड कैरेक्टर के तौर पर देखा जाता था, एक इंसान के तौर पर नहीं। लेकिन आखिर वह भी इंसान है तो उसमें इंसानियत के सूत्र तलाशे गए कि सुंदरलाल त्रिपाठी रहता कहां होगा, तनख्वाह कितनी होगी? ऐसा किसी का जज तो है नहीं कि एक बंगला होगा और वह एक उसका लेबोरेटरी होगा और चार पांच नौकर चाकर होंगे। नहीं, ऐसा जज वह नहीं है।

रश्मिका मंदाना को आखिरी मिनट में तैयार होने की हड़बड़ी, उन्हें कॉलेज के दिनों की दिलाती है याद

रश्मिका मंदाना को अपने कॉलेज के दिनों की याद आ गई, जब आखिरी समय की हड़बड़ी के कारण उन्हें खुद ही अपने बाल और मेकअप करने पड़े। पुष्पा अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, कभी-कभी, बस कभी-कभी चीजें आखिरी मिनट में होती हैं और मुझे खुद ही हेयर मेकअप स्टाइल करना पड़ता है और अपने सबसे अच्छे दोस्त से मेरी तस्वीरें लेने के लिए कहना पड़ता है। इसका अंत इस तरह होता है। मुझे यह पसंद है। यह मुझे पूरी तरह से कॉलेज के दिनों में वापस ले जा रहा है। रश्मिका मंदाना ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीर शेयर की। साड़ी में अभिनेत्री बेहद खूबसूरत लग रही थी। रश्मिका मंदाना सलमान खान की आगामी फिल्म सिकंदर में मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म निर्माताओं ने पहला गाना जोहरा जबीन रिलीज किया। सलमान खान और रश्मिका मंदाना को फराह खान की कोरियोग्राफी पर डांस नंबर पर परफॉर्म करते हुए देखा गया। ट्रैक की शूटिंग प्रीतम ने तैयार की है। इस गाने को नकाश अजीज और देव नेगी ने अपनी मधुर आवाज में गाया है, जबकि इसके बोल समीर और दानिश सबरी ने लिखे हैं। सिकंदर 2023 की फिल्म टाइगर 3 के बाद सलमान खान की बड़े पर्दे पर वापसी है।

इस फिल्म का निर्देशन ए.आर. मुरुगादॉस ने किया है, जो गजनी के लिए प्रसिद्ध हैं। सिकंदर में सलमान खान और रश्मिका मंदाना के साथ, काजल अग्रवाल, सत्यराज, शरमन जोशी और प्रतीक बब्बर भी हैं। सिकंदर फिल्म के साथ सलमान खान और निर्माता साजिद नाडियाडवाला 2014 की ब्लॉकबस्टर किक के बाद एक बार फिर साथ आए हैं।

अनुराग बोले-

'बॉलीवुड 800 करोड़ रुपये वाली फिल्म के पीछे भाग रहा है', निर्देशक ने छोड़ा मुंबई

अनुराग कश्यप लंबे समय से मुंबई छोड़ने की बात कर रहे हैं। खबर है कि वह अब मुंबई से दक्षिण भारत में जाकर शिफ्ट हो चुके हैं। हाल ही में निर्देशक ने एक इंटरव्यू में फिर से बताया कि वह क्यों बॉलीवुड से परेशान हैं। अनुराग कश्यप ने बॉलीवुड में लीक से हटकर फिल्में बनाई हैं। लेकिन पिछले कुछ समय से वह बॉलीवुड के वर्क कल्चर को लेकर काफी परेशान नजर आए। इसलिए, निर्देशक ने मुंबई छोड़ने का मन बनाया। वह अब मुंबई से दूर दक्षिण भारत में जाकर बस गए। हाल ही में अनुराग कश्यप ने फिर से बॉलीवुड के खराब वर्क कल्चर को लेकर बात की।

बॉलीवुड में क्रिएटिव माहौल नहीं

बातचीत में अनुराग कश्यप ने बताया कि बॉलीवुड इतनी टॉक्सिक हो चुकी है, इसलिए उन्होंने मुंबई छोड़ा। वह ऐसे लोगों से दूर रहना चाहते हैं। अनुराग का यह भी कहना है कि बॉलीवुड में हर कोई 800 करोड़ रुपये की कमाई करने वाली फिल्म का टारगेट बनाकर चल रहा है, उस टारगेट का पीछा कर रहा है। इससे क्रिएटिव माहौल खत्म हो गया है। अनुराग से जुड़े करीबी सूत्रों का कहना है कि निर्देशक अब बेंगलुरु में शिफ्ट हो चुके हैं।

रकुल ने दे दे प्यार दे 2 को लेकर शेयर किया पोस्ट, रैप अप हुई पटियाला शैड्यूल की शूटिंग

रकुल प्रीत सिंह शादी के बाद से लगातार हिंदी फिल्मों में काम कर रही हैं। अब उन्होंने अपनी नई फिल्म दे दे प्यार दे 2 के पटियाला शेड्यूल के खत्म होने की खुशखबरी सोशल मीडिया पर शेयर की है और साथ ही एक खास नोट भी लिखा है।

रकुल का पोस्ट

रकुल प्रीत सिंह ने फिल्म दे दे प्यार दे 2 को लेकर अपनी खुशी इंस्टाग्राम की स्टोरी पर शेयर करते हुए एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें उनके साथ क्रू के कई लोग नजर आ रहे हैं। इस खास तस्वीर के साथ रकुल ने लिखा, इसके साथ ही हमने पटियाला शेड्यूल पूरा कर लिया है। यह महीना बहुत अच्छा और सुकून देने वाला रहा। हां, ठंड बहुत थी और काम भी खूब था, लेकिन मेरी टीम ने मेरी मदद की और सब आसानी से हो गया। मैं चाहती हूं कि आप सब फिल्म देखें और उम्मीद है कि आपको आयशा का किरदार फिर से पसंद आएगा।

फिल्म दे दे प्यार दे 2

फिल्म दे दे प्यार दे 2 साल 2019 में आई दे दे प्यार दे की दूसरी किस्त है। इस फिल्म का पहला पार्ट काफी सफल रहा था। वहीं अब दे दे प्यार दे के प्रशंसकों को इसकी दूसरी किस्त का बेसब्री से इंतजार है। इसका निर्देशन अंशुल शर्मा ने किया है। दे दे प्यार दे 2 में रकुल प्रीत सिंह मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगी। पहली फिल्म को बहुत पसंद किया गया था, इसलिए फैंस को इस सीक्वल का बेसब्री से इंतजार है। 'दे दे प्यार दे 2' में रकुल प्रीत 'आयशा' की अपनी भूमिका को दोहराती नजर आएंगी। अंशुल शर्मा के निर्देशन में तैयार सीक्वल में आर. माधवन भी हैं। हालांकि, अजय देवगन भी अपनी भूमिका को निभाते नजर आएंगे।

एक अभिनेता के रूप में विनीत कुमार सिंह की रेंज बेहद शानदार

विनीत कुमार सिंह ने अपनी जगह बना ली है। और यह हम उनके हालिया रिलीज छावा और सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव में लगातार दिल जीत लेने वाले परफॉर्मेंस के बाद पूरे यकीन से कह सकते हैं। लक्ष्मण उटेकर और रीमा कागती के निर्देशन में बनी फिल्मों में अपने किरदार कवि कलश और फरोग के लिए अभिनेता को खूब प्रशंसा मिल रही है। और जबकि अभिनेता अपनी हालिया रिलीज सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव की सफलता का जश्न मना रहे हैं, यहां विनीत की कुछ अन्य फिल्में हैं, जो आपको साबित करेंगी कि उन्होंने एक अभिनेता के रूप में कभी भी प्रयोग करना बंद नहीं किया। मुक्काबाज एक ऐसी फिल्म है जो कई कारणों से विनीत के दिल के हमेशा करीब रहेगी। यह वह फिल्म थी जिसने उन्हें बॉलीवुड में 17 साल बाद स्थापित किया, एक फिल्म जिसे उन्होंने अपनी बहन मुक्ति के साथ मिलकर लिखा था, और अनुराग कश्यप द्वारा फिल्म बनाने और विनीत को इसमें कास्ट करने के लिए सहमत होने से पहले पूरे दो साल तक इंतजार किया। अभिनेता ने असल जिंदगी में मुक्केबाज बनने के लिए एक साल से ज्यादा समय तक प्रशिक्षण भी लिया। इस फिल्म ने 2017 टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल और 2017 मामी फिल्म फेस्टिवल में प्रशंसा हासिल की, जहां इसे स्टैंडिंग ओवेशन मिला। इस फिल्म ने विनीत कुमार सिंह को भी एक ऐसे अभिनेता के रूप में स्थापित किया, जिस पर नजर रखना चाहिए। विनीत ने अनुराग कश्यप की उड़ता कमिंग में सरदार खान के बेटे दानिश खान का किरदार निभाया था।